बॉबमैत्री
Bobmaitri

अप्रैल - जून • April - June 2019

गृह पत्रिका House Journal

कार्पोरेट एल्बम
Corporate Album

बैंक की 23वीं वार्षिक सामान्य बैठक का आयोजन

बैंक के शेयरधारकों की 23वीं वार्षिक सामान्य बैठक का आयोजन 27 जून, 2019 को बड़ौदा में किया गया. बैठक की अध्यक्षता बैंक के गैर–कार्यपालक अध्यक्ष डॉ. हसमुख अढ़िया ने की. इस बैठक में हमारे प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री पी एस जयकुमार, कार्यपालक निदेशक श्री शांति लाल जैन एवं श्री विक्रमादित्य सिंह खीची सहित बैंक के अन्य निदेशकगण तथा वरिष्ठ कार्यपालक उपस्थित थे.

Bank bags CSR Excellence Award

Our Bank was awarded with CSR Excellence, a prestigious award of TV9 held in Ahmedabad on 16.02.2019. The award was received by Shri K. V. Tulshibagwale, General Manager and Zonal Head, Ahmedabad Zone at the hands of Hon' ble Chief Minister of Gujarat Shri Vijaybhai Rupani in the presence of esteemed dignitaries, businessmen and industrialists.

बैंक ने प्रो. गणेश देवी को प्रदान किया महाराजा सयाजीराव लोक भाषा सम्मान

बैंक ने लोक भाषाओं के संरक्षण को महत्त्व देते हुए वर्ष 2019 से महाराजा सयाजीराव लोक भाषा सम्मान की शुरुआत की है. यह सम्मान अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर दिनांक 25.02.2019 को मुंबई में आयोजित समारोह में पद्मश्री प्रोफेसर गणेश देवी को प्रदान किया गया. इस पुरस्कार के अंतर्गत रु. 1 लाख की राशि एवं स्मृति चिह्न हमारे कार्यपालक निदेशक श्री शांति लाल जैन ने प्रो. देवी को प्रदान किया. कार्यक्रम का संयोजन महाप्रबंधक (राजभाषा, देयताएं एवं जमा संग्रहण व एलआरसी) डॉ. जवाहर कर्नावट ने किया. समारोह को बैंक के मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री के. एन. नायक तथा महाप्रबंधक (मार्केटिंग) श्री ओ के कौल ने भी संबोधित किया.

पी. एस. जयकुमार / P. S. Jayakumar

प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश

Managing Director & CEO's Message

प्रिय बड़ौदियनो!

बैंक के समामेलन के बाद आप लोगों के साथ यह मेरा दूसरा संवाद है. बॉबमैत्री के इस अंक के माध्यम से अपने विचार साझा करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है.

बॉबमैत्री का पिछला अंक समामेलन विशेषांक था. मुझे विश्वास है कि हम सभी ने विभिन्न आलेखों में विस्तार से बताए गए समामेलन के विभिन्न दृष्टिकोणों को समझा होगा. तीन बैंकों का समामेलन बहुत सहज रूप से हुआ और इस अवसर पर मैं पूरे प्रबंधन की ओर से इसकी सफलता में आपके योगदान के लिए आप सभी का आभार प्रकट करता हूं. हमें यकीन है कि आप आने वाले दिनों में एकीकरण प्रक्रिया को भी सरलता से संपन्न कर पाएंगे.

इस समामेलन के कारण संगठन में संरचनात्मक बदलाव किए गए हैं जिसकी सूचना आपको दी जा चुकी है. ये बदलाव बहुत सारे विचार-विमर्शों और समामेलन के परिणामस्वरूप बड़े बैंक के कार्यनीतिक उद्देश्यों को प्राप्त करने की योजना बनाने के बाद किए गए हैं.

हमने समामेलन के संबंध में कर्मचारियों से सीधे प्रतिक्रिया मंगवाने के लिए विभिन्न चैनलों को अपनाया है. अप्रैल, 2019 के पहले / दूसरे सप्ताह में शाखा और क्षेत्रीय कार्यालय स्तर पर एक सर्वेक्षण भी किया गया और एकीकरण के संबंध में सीधे फीडबैक के लिए मासिक पल्स चेक सर्वेक्षण किए जा रहे हैं. ये सर्वेक्षण ऑन-लाइन और पूरी तरह से गोपनीय हैं. इनकी प्रतिक्रिया सकारात्मक रही हैं और हम ऐसे सर्वेक्षणों के फीडबैक के आधार पर सुधारात्मक कार्रवाई कर रहे हैं. पल्स चेक सर्वेक्षण जारी रहेगा, हम आपसे अनुरोध करते हैं इसमें पूरे मनोयोग से भागीदारी करें और अपनी प्रतिक्रिया भेजें.

1 अप्रैल, 2019 के बाद शाखाओं के समग्र व्यापक नेटवर्क में एक समान उत्पादों के सामंजस्यपूर्ण समूह को अपनाने से पूर्ववर्ती विजया बैंक और देना बैंक की शाखाओं के लिए उत्पादों, प्रक्रियाओं और नीतियों में कई बदलाव हुए हैं. ये अनुरोध किए गए थे कि पूर्ववर्ती विजया बैंक और पूर्ववर्ती देना बैंक की शाखाओं को पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाना चाहिए क्योंकि समामेलन के कारण बहुत अधिक परिवर्तन हुए हैं. इस प्रकार, "बड्डी शाखा" की अवधारणा तैयार कर उसकी शुरूआत की गई जिसमें पूर्ववर्ती विजया बैंक और पूर्ववर्ती देना बैंक की शाखाओं को बड्डी के रूप में बैंक ऑफ़ बड़ौदा की शाखा के साथ जोड़ा गया है जो बैंक के उत्पादों, प्रक्रियाओं, नीतियों और एप्लीकेशन प्रणालियों पर सभी स्पष्टीकरणों के लिए पहले पड़ाव के रूप में कार्य करती हैं. पूर्ववर्ती विजया बैंक और पूर्ववर्ती देना बैंक की सभी 3,846 शाखाएं बैंक ऑफ़ बड़ौदा की 1,753 शाखाओं के साथ जोड़ी गई हैं जो बड्डी के रूप में कार्य करेंगी. हम आपसे अनुरोध करते हैं कि उपर्युक्त सुविधा का पूरा लाभ उठाया जाना चाहिए क्योंकि यह केवल एक अल्पकालिक कार्यक्रम है.

हमें अब जल्दी से इस परिवर्तन के दौर से आगे बढ़ना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ग्राहकों को बेहतर सेवा प्रदान की जाए और हमारा ध्यान गुणवत्तापूर्ण व्यवसाय विकास पर होना चाहिए. यह देखना सुखद है कि तिमाही की शुरुआत में आरम्भिक गिरावट के बाद व्यवसाय की गति बढ़ी है.

बैंकिंग उद्योग तेजी से तकनीकी परिवर्तनों से गुजर रहा है. हमें न केवल समामेलन का प्रबंधन और सामान्यत: व्यवसाय सुनिश्चित करना है, बल्कि स्थायी वृद्धि करने और प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए स्वयं को लगातार रूपांतरित करना है. बैंक की रूपांतरण यात्रा का विवरण हमने समय-समय पर साझा किया है. रूपांतरण की दिशा में बहुआयामी कार्यनीतियों में से एक, अधिक से अधिक बैक-ऑफिस कार्यों को हमारे शेयर्ड सर्विस सेंटर (एसएससी) में केंद्रीकृत करना है ताकि शाखाओं में कर्मचारी, डिलिवरी प्रक्रियाओं पर समय खर्च करने के बजाय ग्राहकों को अधिक समय दे सकें. पूर्ववर्ती विजया बैंक और पूर्ववर्ती देना बैंक के एकीकरण के साथ, इन शाखाओं के बैक-ऑफिस कार्यों को भी एसएससी में ले जाने की योजना पर कार्य किया जा रहा है. हम आपसे अनुरोध करते हैं कि शाखाओं को इस संस्कृति को विकसित करना चाहिए क्योंकि इससे हम भविष्य के बैंक के रूप में प्रतिस्पर्धी और प्रासंगिक बने रहेंगे.

हमें विश्वास है कि उज्ज्वल भविष्य की दिशा में जारी इस यात्रा में आप सभी अपना योगदान देंगे.

सादर,

पी. एस. जयकुमार

Dear Barodians,

This is my second interaction with you after amalgamation of the Bank. I am happy to share my thoughts through this issue of Bobmaitri.

The last issue of Bobmaitri was a special issue on amalgamation. I am sure that all of us have gained from the various perspectives of the amalgamation discussed in detail in various articles. The amalgamation of three banks has been smooth and on behalf of the entire management, I take this opportunity to thank each one of you for your contribution in its success. We are sure that you will make the integration process also a seamless one in days to come.

The amalgamation has necessitated a change in the organization structure details of which have been communicated. These changes have been put in place after lot of deliberations and thought to align the strategic objectives of the larger Bank as a consequence of amalgamation.

We have adopted multiple channels to gain direct feedback on amalgamation from the employees. A branch and RO survey was conducted in 1st / 2nd week of April, 2019 and monthly Pulse check surveys are being conducted for a direct feedback on integration. The surveys are on-line and completely anonymous. The feedback has been positive and we are taking remedial actions based on the feedback from such surveys. The pulse check surveys would continue and we request your whole hearted participation and feedback.

Adoption of a common and harmonized suite of products across entire enhanced network of branches after April 1, 2019 has led to several changes in products, processes and policies for branches of erstwhile Vijaya Bank (eVB) and Dena Bank (eDB). There were requests that eVB and eDB branches should be provided hand holding support since the changes on account of above have been large. Thus, a concept of "Buddy Branch" has been designed and rolled out in which eVB and eDB branches are linked to a BoB branch as buddy which acts as the first stop for all clarifications on the Bank's products, processes, policies and application systems. All 3,846 branches of eVB and eDB have been mapped to 1,753 BoB branches of BoB to act as buddy branches. We request that full benefit of the above should be taken since this can be a short term program only.

We should now quickly move from this transitory phase and ensure that the customers are served well and our focus is on the quality business growth. It is heartening to note that the business momentum has picked up after an initial drop in the beginning of quarter.

The banking industry is undergoing rapid technological changes. We have not only to manage the amalgamation and ensure business as usual but also constantly transform ourselves to grow in a sustainable manner and remain competitive. The details of transformation journey of the Bank has been shared by us from time to time. In the multi-pronged strategy towards transformation, one of the strategies is to centralize more and more back-office functions to our Shared Service Centre (SSC) so that employees at branches spend more time with the customers rather than spending on the delivery processes. With the integration of eVB and eDB, a plan has been worked out to move back-office functions of these branches also to SSC. We request that the branches should transition to this culture since this would enable us to remain competitive and relevant as the Bank of the future.

We are confident that each one of your would contribute in this journey towards a brighter future.

With warm regards,

P. S. Jayakumar

संपादक मंडल Editorial Board

कार्यकारी संपादक / Executive Editor
डॉ. जवाहर कर्नावट Dr. Jawahar Karnavat

विषय–वस्तु प्रबंधन टीम
Content Management Team
राधाकांत माथुर Radhakant Mathur
ओ. के. कौल O. K. Kaul
संजय कुमार Sanjay Kumar
के. बी. गुप्ता K. B. Gupta
के. जी. गोयल K. G. Goyal
समीर नारंग Sameer Narang
रोशन शर्मा Roshan Sharma

संपादक / Editor
पुनीत कुमार मिश्र Punit Kumar Mishra

सहायक संपादक / Assistant Editor
महीपाल चौहान Mahipal Chauhan

सहयोग / Associate
सुमेधा Sumedha

अंचल संवाददाता–Zonal Correspondents

नई दिल्ली	New Delhi	मोनिका सिंह
मुंबई	Mumbai	रेशमा जलगांवकर
अहमदाबाद	Ahmedabad	वंदना जैन
बड़ौदा	Baroda	अमर साव
जयपुर	Jaipur	प्रीति राउत
लखनऊ	Lucknow	दिनेश मित्तल
कोलकाता	Kolkata	डॉ कियाम बेमबेम देवी
पटना	Patna	चंदन वर्मा
भोपाल	Bhopal	सोमेन्द्र यादव
चेन्नै	Chennai	गौरी वी एम
बेंगलुरू	Bengaluru	सुमि पी यू
पुणे	Pune	अनुमिता सिंह
मेरठ	Meerut	अमित चौधरी
चंडीगढ़	Chandigarh	स्वाती ठाकुर
राजकोट	Rajkot	चन्द्रवीर सिंह राठौड़
मंगलुरु	Mangaluru	राजेश्वरी पी
हैदराबाद	Hyderabad	जगदीश प्रसाद

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के लिये **पुनीत कुमार मिश्र, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा)** द्वारा बड़ौदा कार्पोरेट सेन्टर, सी–26, जी ब्लॉक, बांद्रा–कुर्ला काम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई–400051 से संपादित एवं प्रकाशित।

फोन – 022-66985212 ई-मेल–bobmaitri.bcc@gmail.com

Edited and published by **Punit Kumar Mishra, Assistant General Manager (Official Language)** for Bank of Baroda at Baroda Corporate Center, C-26, G-Block, Bandra-Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai-400051. Phone: 022-66985212 E-mail: bobmaitri.bcc@gmail.com

इस अंक में Contents

अप्रैल - जून • April - June 2019

03	प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश
05	कार्यकारी संपादक की कलम से
06	Ensuring A Successful Integration
10	भारतीय बैंकिंग– भविष्य के लिए तैयारी
14	बैंक के संस्थापक महाराजा सर सयाजीराव गायकवाड–III की 157 वीं जयंती– समारोह का आयोजन
15	जन धन की नींव पर जनसुरक्षा की इमारत
16	साक्षात्कार – पद्मश्री प्रो. गणेशदेवी
24	Cyber Crime : Cause and Prevention
26	साक्षात्कार – श्री एम एल शर्मा, महाप्रबंधक (सेवानिवृत्त)
28	Importance of Work Life Balance
30	साक्षात्कार – श्री नवीन चन्द्र उप्रेती, महाप्रबंधक (सेवानिवृत्त)
33	बैंकों में अनुपालन संस्कृति – वर्तमान समय की माँग
36	Interview – Shri M S Rao, General Manager (Retd.)
38	साइबर खतरे एवं सुरक्षा
40	The Journey of Ram Dayal
41	साक्षात्कार – श्री एस के बिश्वास, महाप्रबंधक (सेवानिवृत्त)
48	Mount Kenya in Moonlight
50	Transfers Helped Me explore The World!!
52	मधुबनी पेंटिंग
57	बैंकिंग जगत के संकाय सदस्यों के लिए अखिल भारतीय सेमिनार
64	पदोन्नतियां

बॉबमैत्री, बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सभी कर्मचारियों में निःशुल्क वितरण के लिये जारी की जाती है। इसमें व्यक्त विचारों से बैंक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

BOBMAITRI is issued for free distribution to all employees of Bank of Baroda. The views expressed in it do not necessarily represent those of the Bank.

रूपांकन एवं मुद्रण : सॅप प्रिंट सोल्युशन्स प्रा. लि., 28, लक्ष्मी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, एस.एन. पथ, लोअर परेल (प), मुंबई – 400 013, महाराष्ट्र, भारत.

Designed & printed at **SAP Print Solutions Pvt. Ltd.**, 28, Lakshmi Industrial Estate, S. N. Path, Lower Parel (W), Mumbai-400 013. Maharashtra, India.

कार्यकारी संपादक की कलम से/The Executive Editor Speaks

डॉ. जवाहर कर्नावट, कार्यकारी संपादक | **Dr. Jawahar Karnavat,** Executive Editor

प्रिय पाठको,

बैंक की गृह पत्रिका 'बॉबमैत्री' के कार्यकारी संपादक के रूप में पत्रिका के इस नवीनतम अंक को प्रस्तुत करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है. इस पत्रिका को रोचक तथा पठनीय बनाने के लिए नियमित रूप से अपने बहुमूल्य सुझाव/ फीडबैक भेजने तथा संपादकीय टीम का उत्साहवर्धन करने के लिए मैं सभी पाठकों के प्रति आभार व्यक्त करता हूं.

हमारे बैंक ने वित्तीय वर्ष 2018-19 के लिए सकारात्मक परिणाम दर्ज किए हैं जो निश्चित रूप से हम सभी बड़ौदियनों के कठिन परिश्रम का नतीजा है. हाल ही में संपन्न समामेलन प्रक्रिया के साथ बैंक के परिचालनगत नेटवर्क और इसकी मानव पूंजी में बढ़ोतरी हुई है जिसका इष्टतम लाभ उठाने के लिए बैंक की संगठनात्मक संरचना में व्यापक बदलाव किए गए है. ग्राहकों की बढ़ती अपेक्षाओं और इस चुनौतीपूर्ण बाजार परिदृश्य में हमें एकजुटता और दृढ़ता के साथ कार्य करना होगा और प्रत्येक स्टाफ सदस्य को व्यावसायिक गतिशीलता को समझते हुए गुणवत्तापूर्ण व्यवसाय को बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी.

पत्रिका के इस अंक में विभिन्न सम-सामयिक विषयों को शामिल किया गया है जो हमारे पाठकों के लिए प्रासंगिक होंगे. समामेलन प्रक्रिया के बाद सुचारू बैंकिंग परिचालन हेतु किए जा रहे कार्यों को हमारे विशेष कार्य अधिकारी (ओएसडी) श्री मुरली रामास्वामी ने विस्तार से रेखांकित किया है. बैंकिंग उद्योग में बहुत तेजी से हो रहे परिवर्तनों और डिजिटलाइजेशन पर आधारित श्री विनीत कुमार जैन का आलेख **"भारतीय बैंकिंग-भविष्य की तैयारी"** हमारे पाठकों के लिए उपयोगी होगा. बढ़ती हुई धोखाधड़ियों के प्रति स्टाफ सदस्यों को अलर्ट और सचेत रखने के उद्देश्य से इस अंक में सुश्री शिल्पा कुकरेती के आलेख "Cyber Crime -Cause and Prevention" तथा डॉ. मुकेश कुमार के आलेख **"साइबर खतरे एवं सुरक्षा"** को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया है. सुश्री रिया मित्रा का आलेख "Importance of Work Life Balance" हमारे स्टाफ सदस्यों को पारिवारिक तथा कार्यालयीन जीवन में संतुलन बनाए रखने में सहायता करेगा. हमने इस अंक में वित्तीय वर्ष 2018-19 के वित्तीय परिणामों की प्रमुख विशेषताओं को भी प्रकाशित किया है. हमारे सेवानिवृत्त महाप्रबंधकों के साक्षात्कार भी इस अंक में प्रकाशित किए गये हैं जो हमारे पाठकों के लिए प्रेरणास्पद सिद्ध होंगे. इसके अलावा इस अंक में लघु कथाएं, कविता तथा बैंक में आयोजित विभिन्न गतिविधियों, समारोहों आदि से संबंधित समाचार और राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी गतिविधियों को शामिल किया गया है.

कार्पोरेट कार्यालय में मेरे 5 से अधिक वर्षों के कार्यकाल में मैंने इस पत्रिका के संपादक और कार्यकारी संपादक के रूप में आप सभी के सहयोग से पत्रिका को उत्कृष्टता की ओर ले जाने का भरसक प्रयास किया है. मुझे विश्वास है कि इस पत्रिका में आपका योगदान पूर्ववत मिलता रहेगा. आपके बहुमूल्य सुझावों की प्रतीक्षा रहेगी.

शुभकामनाओं सहित,

डॉ. जवाहर कर्नावट

Dear Readers,

Being the Executive Editor of Bank's House Journal "Bobmaitri', I am glad to present you the latest issue of this magazine. I express my gratitude to all readers for sending their valuable suggestions/ feedback regularly and encouraging the editorial team to make this House Journal qualitative and worth read.

Our Bank has posted positive results for the financial year 2018-19 which is definitely the outcome of concerted efforts put in by all the Barodians. As Bank's operational network and its human capital have increased with the recently concluded historical amalgamation process, hence major changes in Bank's organizational structure have been made to take optimum advantage of the same. In view of this challenging market scenario as well as higher expectations of the customers, we will have to continue our team work with full determination and each staff member will have to understand the business dynamics and play a vital role to increase qualitative business of the Bank.

This issue of Bobmaitri covers various current topics, which would definitely be relevant to our readers. Shri Murali Ramaswamy, Officer on Special Duty (OSD) of our Bank has elaborated the work being done for smooth Banking operations post-amalgamation process. An article **"भारतीय बैंकिंग-भविष्य की तैयारी"** by Shri Vineet Kumar Jain based on recent transformations and digitization in the banking industry will be useful to our readers. With a view to keep the staff members alert and vigilant towards the increasing fraud related incidents, an article on **"Cyber Crime - Cause and Prevention"** by Ms. Shilpa Kukreti and another article on **"साइबर खतरे एवं सुरक्षा"** by Dr. Mukesh Kumar have also been published in this issue. Ms. Riya Maitra's article **"Importance of Work Life Balance"** will be helpful for our staff members to maintain the balance in their personal and professional life. We have also covered the key features of financial results for FY 2018-19 in this issue. Interviews of our retired General Managers have also been published in this issue which will inspire our readers. In addition to this, we have also covered short stories, poems, news related to various activities and official language implementation in the Bank.

During my tenure of more than 5 years at Corporate Office, Mumbai as an Editor and Executive Editor of this magazine, I have tried my level best to make this magazine more useful with your support and feedback. I believe your fruitful contribution will continue as earlier. Your valuable suggestions are always welcome.

With seasons' greetings,

Dr. Jawahar Karnavat

Ensuring A Successful Integration

- Murali Ramaswami, OSD
In-charge, Integration Management Office

The first phase of completion of legal process of amalgamation ended successfully on April 1, 2019 with the Bank commencing its operations as a consolidated entity. However, it is the post-amalgamation integration of functions which decides the success of amalgamation.

The integration of functions involved two stages viz. (i) integration of functions for transition to Day-0 (April 1, 2019) operations and (ii) complete integration of functions leading to the combined bank operating as a unified single entity. The approach followed by the Bank for the first stage of integration as well as the amalgamation governance structure put in place by the Bank has been discussed in detail in the special issue of Bobmaitri on amalgamation released in April 2019. In this article, I wish to discuss about the steps taken by the Bank for seamless integration of various functions leading to complete integration of operations of the amalgamated bank.

1. Integration Management Office (IMO)

IMO is responsible for achievement of end-state objectives of integration in the amalgamated bank. It defines priorities and provides necessary guidance to the verticals in finalizing the integration plans in respect of their verticals and co-ordinates the efforts with various stakeholders.

IMO comprises of a team of full time members to achieve the above objectives. In addition, it has roped in Boston Consultancy Group (BCG) to support the integration process. The detailed integration plans have been placed on and are tracked through a digital tool which is available on the desktops of all the verticals. It can be configured and viewed over mobile phone also.

A cadence for integration related activities at various levels has been institutionalized. Function-wise review meetings are conducted by IMO with various verticals to finalize integration plans with key milestones and detailed activities along with timelines for their completion which are tracked through digital on-line tracker tool.

2. Integration of functions

The functional heads form the first layer of the amalgamation governance structure. They are responsible for amalgamation objective and finalization of integration plan for their function, define its end state, plan synergies and investments, etc. The master integration plan comprises of integration plans of all the functions.

The first cut of integration plans is prepared by respective functions *inter-alia* taking into account various inter-dependences. The plans incorporate activity-wise details with definite time lines by which these activities would be completed. These are reviewed in the meetings convened by IMO with the respective functional heads and their teams where each action point of the integration plan is discussed. During such meetings, gaps in the plans are filled and updated based on the deliberations.

These plans are tracked by IMO through an on-line tracker tool which is made available to each vertical for on-line tracking and monitoring of the plan.

As mentioned earlier, the integration plan of each function becomes part of master integration plan. This plan comprises of integration plan of 29 functions and currently has over 2,700+ activity-wise details with clearly spelt out inter dependencies and timeliness for their completion. A major inter dependency for integration plan of each function is on IT. The master integration plan is a rolling plan which is subject to modification / updation based on the actual progress.

3. Monitoring of Integration Plan

The progress in completion of each activity of the integration plan is monitored by IMO. For each meeting of the verticals, the minutes including the action points arrived at are circulated to them for effective monitoring. The on-line tracker is updated with the action points. The updation in the tracker tool is carried out by IMO after ensuring that the activity listed has been completed.

The tool also provides Management Dashboard with details of activities completed, on time activities as per schedule, the activities delayed and the activities which are at risk. The Steering Committee on amalgamation comprising of MD & CEO and the Executive Directors of the Bank reviews the progress of integration on weekly basis as per the feedback from management dashboard and provides strategic direction to the integration process.

The updates on integration are placed before Board of Directors for their review and strategic guidance.

Though the master plan comprises of integration plan of all the functions, the biggest challenge is HR and IT integration. These are therefore, discussed in detail in the article.

4. HR integration

The people integration is one of the most critical aspect of amalgamation as it encompasses areas like designing the organizational structure to meet the requirements of larger size, the harmonization of employee benefits, cultural integration and meeting the training needs of the employees, etc.

i. Organization Re-structuring

a. Corporate Organization –

Following actions / decisions have been taken in this regard.

- Bank of Baroda has Corporate Office in Mumbai and Head Office in Baroda. Erstwhile Vijaya Bank (eVB) had its Corporate Office in Bengaluru while Dena Bank (eDB) in Mumbai. The combined entity would have Corporate Office in Mumbai and Head Office in Baroda.
- To effectively control the operations of a larger bank, 15 positions of General Manager (Chief Coordinator - GMCC) have been created ranking above the General Manager and one level below the Executive Directors. GMCCs are responsible for and drive multiple areas of operation instead of just a single function.
- The enhanced management bandwidth consequent to amalgamation has provided depth and increased business focus to various functions. e.g. Corporate function is now headed by a GMCC with separate Heads of Corporate credit, CFS domestic business, Financial Institutional Group, PSUs, Cash Management, Supply Chain Financing and Trade Finance.
- On the same lines, the depth of business focus for other functions has also increased e.g. we have separate heads to oversee various retail loans; retail and MSME collections; credit monitoring for corporate and MSME & other functions; Ind AS implementation; gold loans; payment business; premises divestiture and branch re-locations; separate heads for different digital channels and the integration office.
- Based on the above principles, a detailed corporate level organizational structure has since been put in place. The Corporate Office has 10 out of 15 GMCCs heading group of functions.

b. Regional and Zonal level organization

- The eVB and eDB had two tier administrative structure with Regions directly reporting to Corporate Office. In view of large size with 9400+ domestic branches, the combined bank now has three tier administrative structure.
- The total number of Regions in three banks were 136 (BoB – 75, VB – 32 and DB -29) and Zones were 13 (all BoB). For effective control of 9400+ branches, -5- additional Zones have been formed.
- The number of Regional Offices in the structure have been rationalized and reduced in view of presence of multiple offices of three banks at the same centre. Based on district wise mapping of the branches of three banks, the number of Regional Offices are 108 now.
- Along with zonal and regional level restructuring, it has been decided to implement vertical based organization structure in 5 major metro centres instead of geography based Regions. Under this structure, vertical heads of various functions for the Zone like heads of resource mobilization, retail assets, MSME, corporate relations, control & compliance, distribution, operation & services, HR and integrated SMELF have been posted. These vertical heads report to the Zonal organization and are responsible for achievement of targets/objectives in respect of their function.

  Of these 5 centres where vertical based organization is proposed, it has been currently rolled out at one centre /Zone viz. Mumbai.
- The Zonal level structure has 5 GMCCs who have been entrusted a charge of supervision of a group of Zones.
- On the above lines, the Zonal level structure has also been rolled out for ZIAD, training centres, etc.

ii. Driving cultural integration through deployment of mixed teams

While merit cum suitability has been adopted as criteria to allocate the leadership roles, care has been taken to ensure integration through deployment of mixed teams. Thus, out of 15 GM-CCs selected, 9 are from BoB and 3 each from eVB and eDB. Similarly, out of 18 Zonal Heads identified, 10 are from BoB and 4 each from eVB and eDB. Same principle has been adopted for other leadership positions also.

iii Integration of HRMS / Payroll solution for the amalgamated bank

The three amalgamating banks were operating on different IT platforms for their HRMS/Payroll requirements. After careful evaluation by the team, it has been decided to go with PeopleSoft ver. 9.2 of eVB for the amalgamated bank. Till the time the above application is rolled out, an interim plan has also been finalized.

5. IT Integration

IT integration is another critical part and complete technology integration takes longer time than any other function. The technology function (i) has to ensure that business-as-usual operations during the integration process continue (ii) must integrate the IT departments of three banks with the aim of reducing costs and realizing the synergies and (iii) provide support for integrating all business units while establishing an end-state architecture for the long-term business objectives of the Bank in its amalgamated form.

Keeping the above objectives in mind, following steps have been undertaken:

(i) Appointment of IT consultant - To support the Bank in finalizing the end state IT architecture and running Program Management activities of IT, M/s Accenture have been on boarded as consultant.

(ii) Technology integration – The complete technology integration is a complex exercise because of following:

a. Three different CBS instances to be integrated – Even though three banks were operating on Finacle, they are on different versions (Finacle 7 and 10). Each instance has different level of customizations which make each Finacle CBS system different from the other.

b. Integration of non- CBS systems – There are 70+ non-CBS system to be integrated e.g. HRMS, LLPS etc. There are two types of applications to be integrated – the applications linked to CBS and not linked to CBS. Further, different applications being used in each of the bank need to be rationalized.

c. Rationalization of IT infrastructure – During and after IT integration, one has to ensure the rationalization and maximization of value from the existing IT infrastructure.

(iii) CBS integration - The CBS integration involves making a strategic choice out of two options available for migration – (i) single step migration of Finacle 7, along with its up-gradation to Finacle 10 (ii) two-step process of up-gradation of two Finacle 7 instances followed by their migration to Finacle 10. The Bank has decided to go in for first choice. Besides, the migration involves standardization of customizations in 3 systems and data enrichment and cleansing critical for migration to Finacle 10.

Currently, the scope of work for CBS integration is being finalized with Infosys. While the same is under discussion, a tentative schedule for CBS integration has been arrived at and work progressing as per the schedule.

(iv) Overall plan for IT integration: Along with CBS integration a road map of consolidation of various non-CBS applications, IT infrastructure, licenses, network and data centers

amalgamation/migration is being prepared with support from IT consultant.

(v) E-mail migration: The technology integration discussed above impacts the back-end processes. However, an important aspect of IT integration is integration of e-mail systems of three banks which provides visibility to the external world. A road map for migration of e-mails of eVB and eDB to Bank of Baroda domain has been finalized. The said integration should be completed soon.

(vi) Steps taken pending complete IT integration

a. Business as usual – As mentioned in the beginning, the technology function has to ensure business-as-usual operations during the integration continue. Thus, currently the customers continue to be serviced as hitherto with same account number, pass book, cheque book, ATM/Debit/Credit Card, internet banking and mobile banking application with the existing IFSC/MICR codes continuing till changes are advised.

The customers stand to benefit from amalgamation on two counts viz. (i) access to enhanced ATM network for cash withdrawals without any inter-bank charges and (ii) remittance by way of NEFT/RTGS across three erstwhile banks which does not attract any charges.

b. Interoperability of basic banking services

To further enhance the benefits of amalgamation for the customers, interoperability of six key banking services has been made operational w.e.f. June 1, 2019 in SB and Current accounts.

i. Cash Deposit of less than INR 50,000

ii. Cash Withdrawal less than INR 50,000

iii. Funds Transfer up to INR 100,000

iv. Stop Payment instructions noting

v. Transaction enquiry for last ten transactions

vi. Balance enquiry

For making the above services available to the customers on interoperable basis, viewing of signatures across three CBS instances has also been enabled for employees.

c. Migration of Corporate Accounts to Finacle 10

To ensure that benefit of enhanced suite of products is available to all the large corporate borrowers, it is planned to migrate the corporate accounts with CFS branches of eVB and eDB in CFS branches of Bank of Baroda on Finacle 10. The transfer of four corporate accounts of eVB and eDB on pilot basis has been successful. A plan has been drawn to complete the migration of common accounts with two/three banks will be transferred followed by accounts which have credit facilities only with eVB and eDB.

By this process, around 50% of the loan book of eVB and eDB will be transferred to Finacle 10 database.

d. Concept of 'Branch in Branch'

As mentioned above, the complete IT integration is expected to take a longer time frame. Pending that, concept of 'Branch in Branch' is being implenented by providing Finacle 10 connectivity in some selected branches of eVB and eDB based on volume of transactions and overall business in such branches.

Under the concept, all new business will be carried in Finacle 10. At the end of the day, the branch data under Finacle 7 and Finacle 10 will be aggregated to arrive at total business of the branch. The advantage envisaged under this approach are:

- New business will not be required to be migrated at the time of actual migration of eVB and eDB branches.
- Bank's wider product range e.g. wealth management, supply chain, value chain and cash management products etc. in addition to benefits of Fin-tech alliances would be available to the customers of eVB and eDB in such branches.
- The employees of eVB & eDB would be hands on in Finacle 10 environment. No separate training would be requiring at the time of actual migration.

On pilot basis, Vadapalani branch, Chennai has been migrated under this concept. 10 more branches have been identified for migration on pilot basis. The concept is expected to rolled-out shortly at these branches. Based on the experience gained after pilot implementation, it is proposed to be rolled-out in 540 branches (250 branches of eVB and 290 branches of eDB).

e. Transition plan for other IT activities

A cross functional IT workshop was convened on May 15, 2019 to identify the challenges and approach for integration of each functional department and to brainstorm the solutions. During the workshop a total of 270 requirements for 29 functions were collected as pre-work including the available work-arounds. Out of these 150+ requirements across 18 functions were discussed during the individual slots in the workshop.

At the end of the workshop, 8 member cross functional integration teams were formed for various functions to detail the road map for each requirement. The 8 members comprised of members from the (i) function (ii) BoB IT team (iii) eVB IT team (iv) eDB IT team (v) CISO team (vi) IT IMO (vii) Accenture and (viii) BCG.

A road map for the solutions on the requirements is being finalized which will become integral part of integration plan of respective functions.

6. Communication Strategy

Structured communications play a critical role in amalgamation process and lay a foundation for the combined bank's future success. The communication strategy needs to promote business continuity and also convey the Bank's future vision and strategy to key stakeholders—both internal and external, including customers, regulators and employees.

a. Employee communication

Employees have been continuously updated about the developments on amalgamation/integration by way of number of communications, including joint e-mail communications by MD & CEOs of three banks and senior management conclaves of GMs / DGMs / Regional Heads before amalgamation, global webcast by top management as well as multiple town hall meetings. The purpose has been to address their anxieties. In all the communications, the employees have been encouraged to provide feedback or ideas through a dedicated e-mail id created for this purpose viz. integrationconnect@bankofbaroda.com.

Making available harmonized products and SOPs to the employees

To ensure continuity of services to the customers, before Day-0 (April 1, 2019) all the branches were provided a compendium of list of products available from April 1, 2019 onwards duly mapped with those operating in three banks earlier, standard operating processes (SOPs) to be followed, FAQs (including general FAQs on amalgamation), uniform service charges applicable and details of customer grievance redressal matrix which is to be used to address the customers' queries.

Roll out of concept of Buddy Branch

As mentioned above, comprehensive information on common and harmonized suite of products was made

available across entire enhanced network of branches. However, the amalgamation has led to several changes in products, processes and policies for branches of erstwhile Vijaya Bank (eVB) and Dena Bank (eDB). There have been requests that eVB and eDB branches should be provided hand holding support since the changes on account of above have been large.

Consequently, a concept of “Buddy Branch” was designed and rolled out. Under this, eVB and eDB branches are linked to a BoB branch as buddy. The Buddy branch acts as the first stop for all clarifications on the Bank’s products, processes, policies and application systems to eVB and eDB branches. Zonal offices map one or two nodal officer(s) in each buddy branch who are the first point(s) of contact for the linked eVB/ eDB branch. All 3,846 branches of eVB and eDB have been mapped to 1,753 BoB branches to act as buddy branches. This has helped in resolving information requirement in large number of cases. WhatsApp groups created for exchange of information amongst branches have also helped a lot. It is proposed to periodically compile FAQs based on feedback in such groups and circulate to the branches.

Roll out of “Utsuk” program for eVB and eDB employees

An orientation program called “Utsuk” has been rolled out for employees of eVB and eDB. It is proposed to cover all officers and clerks of eVB and eDB by September 30, 2019. In the first phase, atleast one employee of each branch of eVB and eDB would be trained under the program by June 30, 2019.

Branch and Pulse check surveys to get on-ground feedback on integration

A branch and RO survey were conducted in 1st / 2nd week of April, 2019 to get on field inputs on Day-0 issues and challenges. Further, monthly Pulse check surveys have been conducted and direct feedback on integration sought from the employees. The surveys have been conducted on-line and were completely anonymous. Remedial actions are taken based on the feedback from such surveys.

b. Customers communications

Customers are our most important stakeholders. To ensure that their anxieties are duly addressed, a number of steps were taken before amalgamation. For corporate and MSME customers, outreach programs by way of group meetings at various centres were arranged. An SMS communication on amalgamation was sent to all customers. A separate SMS and e-mail communication to retail customers was also sent.

The introduction of interoperability from June 1, 2019 has been disseminated to the customers through various channels viz. e-mail communication, press release, advertisement in the newspapers, display at branches, publicity through various social media platforms, etc.

c. Communication to Regulators

Regular communication to Indian regulator from time to time including by way of structured meetings has been undertaken. Further, a separate communication to overseas regulators was sent on amalgamation.

d. Media outreach and unveiling of new brand identity

In addition to the new brand identity unveiled on April 1, 2019 across various media platforms including print/TV/radio/ digital & social media/out-door hoardings etc., multiple messaging by way of interactions/interviews to the press and electronic media by top management have helped in positive dissemination of the message on amalgamation.

Conclusion

Completion of legal process of amalgamation has been achieved. However, it is the post-amalgamation integration which would determine the success of amalgamation. The formulation of comprehensive and complete integration plan and its efficient execution is one part of the integration. Every employee can contribute to the success of amalgamation by keeping the customers in forefront and ensuring that they are served well at the branches and momentum of business growth maintained. At all stages, we need to adopt a collaborative approach to ensure the success of integration.

Heartiest Welcome to our Chairman

Dr. Hasmukh Adhia joined our Bank as non-executive Chairman on 01.03.2019. Dr. Adhia, an officer of Indian Administrative Service, retired as Union Finance Secretary & Revenue Secretary in Government of India on 30th November, 2018. We welcome him to Barodian family. He is also the Chancellor of Central University of Gujarat. He serves as a member of Board of Governors of Indian Institute of Management, Bangalore. Dr. Adhia has got a basic Post-Graduate degree in Accountancy. He is a Gold medalist from Indian Institute of Management, Bangalore and he holds a Ph.D. in Yoga from Swami Vivekanand Yoga University, Bangalore.

Prior to his posting as Finance Secretary, he was Secretary, Department of Financial Services, Ministry of Finance, Government of India for the period from November, 2014 till August, 2015. As Secretary, Financial Services, he was credited with many new strategies for banking reforms such as Gyan Sangam and Indra Dhanush as well as social security schemes of Pradhan Mantri Suraksha Bima Yojna, Jivan Jyoti Bima Yojna and Atal Pension Yojna, as also for the scheme of micro-financing of Mudra. As Finance/Revenue Secretary, he was credited with bringing in many tax-friendly initiatives in the Income-Tax as well as Excise Duty and Service Tax. Also he pursued the agenda of GST systematically as a result of which GST was implemented smoothly. He is also known for his relentless drive against the black money. As Secretary (Revenue), he is credited with bringing in many tax-friendly initiatives in the Income-Tax as well as Excise Duty and Service Tax.

He has served on the Boards of RBI and a number of Financial institutions like SBI, LIC etc. He has also held many important positions in State Govt. of Gujarat including Principal Secretary to Chief Minister of Gujarat.

Dr. Hasmukh Adhia

भारतीय बैंकिंग – भविष्य के लिए तैयारी

डार्विन नामक वैज्ञानिक ने जैविक विकास का एक सिद्धांत दिया है. इस सिद्धांत के अनुसार योग्यतम प्रजातियों की उत्तरजीविता को समझाया गया है. आज यह सिद्धांत बैंकिंग उद्योग के लिए भी सिद्ध होता हुआ दिखाई दे रहा है. आधुनिक समय में जहाँ एक ओर प्रौद्योगिकी और समाज तेजी से विकसित हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर बैंकिंग सेवा प्रदाता, स्वयं को इन परिवर्तनों के अनुकूल ढालने में मुश्किलों का सामना कर रहे हैं. आज चुनौती केवल व्यवसाय बढ़ाने की नहीं है अपितु अस्तित्व की रक्षा की है. ऐसा नहीं है कि इस तरह की चुनौती पहली बार हमारे सामने आयी है. हमने बड़े–बड़े बदलावों का डटकर सामना किया है. वर्ष 1969 का राष्ट्रीयकरण हो अथवा 1990 के दशक का उदारीकरण. वर्ष 1997 की एशिया की मंदी हो अथवा वर्ष 2008 की विश्व भर मे फैली महामंदी की मार, इन सभी का हमारी बैंकिंग प्रणाली ने डटकर सामना किया है. कोर बैंकिंग की चुनौती को स्वीकार कर सभी शाखाओं को कम्प्यूटर से जोडा गया है. विमुद्रीकरण जैसे भारी भरकम कार्य को सफलता पूर्वक अंजाम दिया गया है. किंतु आज फिर से प्रश्न उठ रहे हैं, 5 साल बाद बैंक किस तरह दिखेंगे? क्या बैंक 5 साल बाद मौजूद भी रहेंगे? आज बैंकिंग के हर पहलू को फिनटेक स्टार्ट–अप से खतरा क्यों महसूस हो रहा है ?

ये कुछ ऐसे ज्वलंत प्रश्न हैं जिन्हें ऐसे समय में पूछा जा रहा है जब हम वित्तीय सेवाओं का रचनात्मक विनाश देख रहे हैं. सभी बैंक अपनी सेवाओं को ग्राहक के चारों ओर पुनः व्यवस्थित कर रहे हैं. बैंकिंग सेवाएं शाखा से निकलकर मोबाइल हो चुकी हैं. वास्तविक समय के आधार पर एवं व्यक्ति विशेष की जरूरतों को ध्यान में रखकर बैंकिंग सेवा प्रदान की जा रही है. आज देश का आम आदमी शाखा में आकर लेन–देन करने के स्थान पर "पेटीएम" करना पसन्द कर रहा है. इसी कारण अब सभी बैंक डिजिटल राह के उपर चलना शुरू कर चुके हैं. किंतु यह भी सच है कि जो भी संगठन डिजिटल तकनीक एवं डाटा का सबसे अधिक प्रासंगिक तरीके से उपयोग कर पायेगा, वही जीतेगा.

बैंकिंग में होने वाले वर्तमान परिवर्तन भ्रष्टाचार मुक्त, पारदर्शी समाज के निर्माण के साथ सभी वर्गों को बिना किसी भेदभाव के सुविधायें उपलब्ध कराने के स्वप्न को साकार करने का सामर्थ्य रखते हैं. किंतु आधारभूत ढांचे का अभाव, अशिक्षा, कुशल शिकायत निपटान प्रणाली का अभाव, साइबर/इंटरनेट बैंकिंग/डेबिट कार्ड से धोखाधडी इत्यादि कारक ऐसे भंवर में फंसा सकते हैं जिससे बाहर निकलने का कोई रास्ता समझ नहीं आयेगा. किंतु वर्तमान के गर्भ में छिपी भविष्य की इस बैंकिंग की परिकल्पना को समझने के लिये अतीत की बैंकिंग से वर्तमान बैंकिंग तक की यात्रा का अवलोकन करना आवश्यक है.

> **"यह वित्तीय प्रौद्योगिकी का युग है. यह युग स्थायी है और भविष्य में बैंकिंग प्रणाली के लिए एक चुनौती भी. भविष्य मे जो बैंक डिजिटल नहीं बनते हैं, वे इतिहास का हिस्सा बनने का जोखिम उठा रहे हैं. मौजूदा बैंकों के पास व्यर्थ जाया करने के लिए अतिरिक्त समय नहीं है. उन्हें आवश्यक प्रतिभा को अपनी ओर खींचने और मौजूदा कर्मचारियों को कुशल बनाने की व्यवस्था विकसित करनी होगी. बैंकों को फिनटेक पारिस्थितिकी तंत्र की सफलता को एक अवसर के रूप में देखना चाहिए, न कि खतरे के रूप में."**
>
> – श्री एस एस मूंदड़ा, उप गवर्नर (से.नि.), भारतीय रिजर्व बैंक

यात्रा – अतीत से वर्तमान तक

मानव प्रजाति के विकास के आरम्भिक चरण में मानव के लिये बैंकिंग सेवा की कोई आवश्यकता नहीं थी. उसकी आवश्यकताएं सीमित थीं. धीरे–धीरे उसकी आवश्यकता बढीं. आवश्यकताओं के बढ़ने के साथ, विनिमय की जरूरत महसूस हुई और लेन – देन के लिये वस्तु विनिमय पर आधारित व्यवस्था ने जन्म लिया. एक समान वस्तु–विनिमय के संयोग को चाहने वाले दो लोगों का संयोग बहुत मुश्किल होता था और इसीलिए वस्तु विनिमय पर आधरित लेन – देन की मुश्किलों को समझकर मानव प्रजाति ने मुद्रा पर आधारित प्रणाली की स्थापना की. इसके बाद मानव विकास के साथ विश्व व्यापार और कारोबार मे सक्रियता बढ़ती चली गयी. व्यापार को विकसित करने के लिये भी प्रणाली विकसित हुई. व्यापार के विकास के लिये गैर नकदी आधारित प्रणाली. प्रेषण, ऋण और व्यापारिक लेन–देन के लिये हुंडियों पर आधारित प्रणाली विकसित की गयी. मुद्रा के रूप में चांदी और सोने के सिक्कों के साथ साथ चमड़े के सिक्कों को भी जारी किया गया. इस समय भारत में एक ऐसी व्यवस्था का विकास हो चुका था,जिसे वर्तमान बैंकिंग व्यवस्था का प्रारम्भिक रूप कहा जा सकता था.

18वीं सदी में पेपर करेंसी का उद्‌भव हुआ एवं 1881 में एनआई एक्ट के अधिनियमन के साथ चेक, विनिमय पत्र और वचनपत्र की तरह के उपकरणों के उपयोग और उनकी विशेषताओं को औपचारिक रूप दिया गया. रिज़र्व बैंक के रूप में बैंकिंग नियामक की स्थापना हुइ. बैंकों की गतिविधियों को नियंत्रित करने के लिये नये–नये नियमों की स्थापना हुई. बैंको को सरकार के नियंत्रण में लाया गया. चेक के प्रसंस्करण में दक्षता और तेजी लाने के लिए नियम बने. मैग्नेटिक इंक कैरेक्टर पहचान (एमआईसीआर) चेक ट्रंकेशन प्रणाली, स्पीड क्लियरिंग. चेक की सुरक्षा बढ़ाने के लिए CTS–2010 मानक इसी कड़ी का हिस्सा बने. बैंकों में आय–निर्धारण, परिसंपत्ति वर्गीकरण, प्रावधान इत्यादि के लिये नियम बने. बासल मानदंड के आधार पर पूंजी की जरूरत पर कार्य किये गये. जोखिम प्रबंधन एवं मनी लॉन्ड्रिंग को रोकने के लिये सूचना का विश्लेषण कर विभिन्न प्रकार की चेतावनी देने वाले तंत्र की स्थापना की गयी. कोर बैंकिंग ने ग्राहक को "शाखा के ग्राहक" से "बैंक का ग्राहक" बना दिया. प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिये नये निजी एवं विदेशी बैंकों को व्यवसाय करने की अनुमति दी गयी. भारतीय बैंकिंग कोड एवं मानक बोर्ड (बीसीएसबीआई) के माध्यम से सेवा के लिये मानक बनाने की दिशा में कार्य हुए. भुगतान प्रणाली को व्यवसाय की गति से मिलाने के लिये भारतीय राष्ट्रीय भुगतान कार्पोरेशन (एनपीसीआइ) के गठन के साथ भुगतान प्रणाली को व्यापक और नवोन्मेषी बनाने की दिशा मे कदम उठाये गये. तत्काल सकल निपटान प्रणाली (आरटीजीएस), राष्ट्रीय इलैक्ट्रानिक निधि अंतरण प्रणाली (एनईएफटी) ने इलैक्ट्रानिक भुगतान प्रणाली को सुदृढ बनाया. डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, प्री–पेड कार्ड का प्रयोग शुरू हुआ. तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस), यूएसएसडी चैनल पर *99# जैसी सेवायें उपलब्ध करायी गयी. प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के लिये आधार से जुड़ी तकनीक का सहारा लिया गया. इसी कड़ी में यूपीआई, ई–वॉलेट, पेमेंट बैंक इत्यादि का आगमन हुआ. विभिन्न वितरण प्रणाली जैसे कि शाखाओं, इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, बिक्री केंद्र (पीओएस), एटीएम, बैंक मित्र इत्यादि के द्वारा बैंकिंग सेवाओं को उपलब्ध कराया गया. कुशल शिकायत निपटान के लिए बैंकिंग लोकपाल एवं आंतरिक लोकपाल की स्थापना की गयी. दिवालियापन कोड के माध्यम से अनर्जक आस्तियों से निपटने का कार्य शुरू किया गया. इंद्रधनुष, ईज जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से बैंकिंग को समय के साथ परिवर्तित किया गया. बैंकों को सुदृढ़ बनाने के लिए उनका आपस में विलयन शुरू किया गया.

किंतु इन परिवर्तनों के बीच में कुछ ऐसे परिवर्तन भी जन्म ले रहे थे, जिन्होने बैंकिंग परिदृश्य को बदलना शुरू कर दिया था.

बदलता परिदृश्य

जहाँ एक ओर बैंक अपने आप को उपर्युक्त परिवर्तनों के साथ चलने के लिए तैयार कर रहे थे, वहीं दूसरी ओर नये परिवर्तन जन्म ले रहे थे.

- ✓ ब्लॉकचेन एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी नयी तकनीक का जन्म हो चुका था.
- ✓ फिनटेक कम्पनी के माध्यम से नये व्यवसायिक प्रतिरूप जन्म ले रहे थे.
- ✓ कुशल मानव संसाधन का अभाव बढ़ता जा रहा था.
- ✓ सरकार एवं नियामक के स्तर पर बड़े नीतिगत बदलावों को अमल में लाना शुरू किया गया था.
- ✓ सेवा क्षेत्र में, ग्राहक अपेक्षा का स्तर अमेजन एवम फ्लिपकार्ट जैसी कम्पनी की सेवा से प्रभावित होने लगा था.

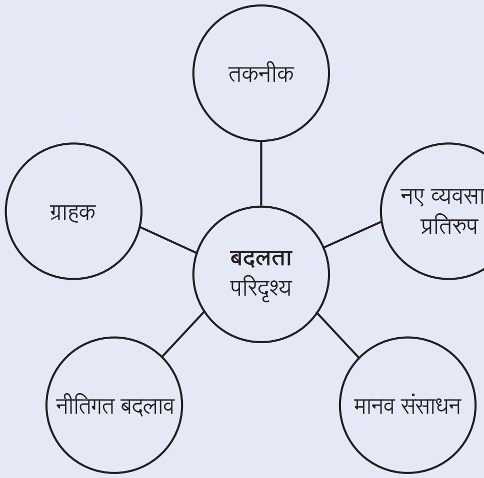

तकनीक

बैंकिंग क्षेत्र को सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाला कारक तकनीक ही रहा है. नई तकनीकों के कारण कई ऐसी सम्भावनाओं ने जन्म ले लिया है, जिनका भविष्य की बैंकिंग पर व्यापक प्रभाव पड़ना तय है. इनमें से कुछ तकनीकों के प्रभाव को समझते हैं –

1. कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI)

कल्पना करें कि हमने अपने बैंक खाते से "इंटरनेट बैंकिंग या मोबाइल बैंकिंग" के द्वारा किसी मॉल के थियेटर में फिल्म का टिकट बुक कराया है. फिल्म की शुरूआत शाम 6 बजे से होनी है किंतु हम शाम 4 बजे वहाँ पहुंच गये हैं और मॉल में टहल रहे हैं. तभी हमारे मोबाइल पर बैंक का एक मैसेज आता है – "अपने इंतजार के पलों को आरामदायक बनाने के लिये निकट के "कैफे कॉफी डे" पर जायें एवं भुगतान के समय हमारे डेबिट / क्रेडिट कार्ड पर 10 प्रतिशत की छूट पायें। " यह कल्पना नहीं है किंतु यथार्थ है.

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के माध्यम से प्रत्येक ग्राहक की विशिष्ट आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित करके त्वरित और निजीकृत सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं. इसका इस्तेमाल जानकारी इकट्ठा करने के लिए भी किया जा सकता है. उस जानकारी के आधार पर ऐसी सेवायें दी जा सकती हैं. जिनके विषय में सोचना भी मुमकिन नहीं था.

2. ब्लॉकचेन

ब्लॉकचेन तकनीक का इस्तेमाल विभिन्न बैंकिंग गतिविधियों जैसे सुरक्षित दस्तावेज़ प्रबंधन, भुगतान, इत्यादि में किया जा सकता है. इसमें मानवीय हस्तक्षेप न होने की वजह से धोखाधड़ी की रोकथाम होती है एवं प्रक्रियाओं की पारदर्शिता में भी वृद्धि होती है. इसके अलावा हर लेन – देन का रिकॉर्ड बनाना इत्यादि कामों से भी निजात मिलती है. बिटकॉइन इसी तकनीक का एक सफल उदाहरण है.

3. स्वचालन/ रोबोटिक्स

रोबोटिक्स के द्वारा बार–बार की जाने वाली प्रक्रियाओं को स्वचालित किया जा सकता है. इसके अलावा, स्केलेबल और लागत प्रभावी होने के कारण, यह बडी मात्रा में किये जाने वाले लेन–देन की प्रक्रियाओं के लिये भी बहुत उपयोगी हैं. वर्तमान में, कुछ भारतीय बैंकों ने विविध सेवाओं जैसे बैंकिंग लेनदेन, लॉकर सुविधा, लोन आदि से संबंधित ग्राहक प्रश्नों का जवाब देने के लिए रोबोट की तैनाती शुरू कर दी है.

4. डाटा विश्लेषण

डाटा विश्लेषण के माध्यम से बैंक ग्राहकों के व्यवहार को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं, जोखिम की संभावना का आकलन कर सकते हैं और व्यवसायों की सहायता कर सकते हैं. आंतरिक नियंत्रण और जोखिम प्रबंधन करना हो अथवा धोखाधड़ी के तरीकों को समझना, डेटा विश्लेषण के माध्यम से इन सभी समस्याओं का समाधान पाया जा सकता है. ग्राहक मांग के अनुसार नये उत्पाद देना भी इसी के माध्यम से सम्भव है.

5. क्लाउड कम्प्यूटिंग प्रौद्योगिकी

आधुनिक समय में बैंक हर तकनीक को स्वयं निर्मित नहीं कर सकते हैं. साथ ही साथ नयी तकनीक भी दिन प्रतिदिन प्रचलन में आ रही हैं. ऐसे में क्लाउड कंप्यूटिंग एक वरदान से कम नहीं है. इसमें प्रौद्योगिकी के प्रबंधन के लिए प्रदाता जिम्मेदार है. इससे वित्तीय कंपनियां एक उच्च स्तर के डेटा संरक्षण और आपदा बहाली को पारंपरिक समाधानों की तुलना में कम कीमत पर प्राप्त कर पाती हैं.

6. मोबाइल एवं बायोमैट्रिक प्रमाणीकरण

मोबाइल एवं बायोमैट्रिक प्रमाणीकरण ने बैंकिंग सेवा के क्षेत्र में क्रांति ला दी है. आज समाज का हर वर्ग बायोमैट्रिक प्रमाणीकरण के द्वारा कहीं से भी बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठा रहा है. भुगतान प्रणाली के अन्दर युपीआई की सफलता का श्रेय इन्हीं दोनो को जाता है.

नए व्यवसाय प्रतिरूप

गूगल, एप्पल, फेसबुक और अमेज़न (गाफा – GAFA) की सफलता ने हर इंडस्ट्री के अन्दर नये व्यवसायिक प्रतिरूपों को जन्म दिया है. किसने भविष्यवाणी की होगी कि

- व्हाट्सएप, दुनिया की सभी दूरसंचार कंपनियां जितने एसएमएस भेजती हैं, उससे ज्यादा संदेश भेजेगा.
- परिवहन उद्योग में उबेर का बोलबाला होगा.
- अमेजान, अलीबाबा का साम्राज्य बढ़ता चला जायेगा, इत्यादि।

आज बैंकिंग व्यवसाय के अन्दर भी फिनटेक कंपनियों का बोलबाला बढ़ता चला जा रहा हैं। हर वित्तीय सेवा के क्षेत्र में कोई ना कोई फिनटेक सफलतापूर्वक कार्य कर रही है।

- भुगतान व्यवस्था में मोबिक्विक पेटीएम जैसे संगठन हैं.
- कर नियोजन के लिये क्लियरटैक्स है,
- बीमा योजना के लिये पॉलिसीबाज़ार है.
- ऋण पात्रता–मूल्यांकन के लिये क्रेडिटमंत्री है,
- धन प्रबधन के लिये फिसडम है.
- सभी कंपनियों, निर्देशक की जानकारी, बैलेंस शीट, अनुपात विश्लेषण, कानूनी, अनुपालन पर जानकारी तक पहुंच के लिये प्रोब42 है.

ऐसी ही अनेक कंपनियां हैं जिनके द्वारा प्रचलित व्यवसायिक अवधारणाओं को चुनौती दी जा रही है. आज ग्राहक घर में बैठकर सारी वित्तीय सेवा प्राप्त कर सकता है. इसी कारण बैंक भी स्वयं को शाखा आधारित व्यवसाय से बाहर निकालकर, इन फिनटेक कंपनियों के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं. 59 मिनट में ऋण स्वीकृति जैसी परियोजना का आरम्भ तो सिर्फ शुरूआत है.

मानव संसाधन

कुशल मानव संसाधन का अभाव एवं नये कौशल की जरूरत भी बैंकिंग व्यवसाय को बदल रही है. विभिन्न स्तरों पर कर्मियों की प्रभावकारिता और दक्षता में सुधार लाने के लिये कार्य किये जा रहे हैं. कर्मचारियों के प्रमाणीकरण का कार्य चल रहा है. डाटा विश्लेषण में कुशल लोगों की मांग बढ़ रही है. बार – बार किए जाने वाले कार्य को करने के लिए मशीन का सहारा लिया जा रहा है. इन सब कारण से भविष्य की बैंकिंग में केवल अत्यंत कुशल मानव संसाधन का वर्चस्व रहेगा.

नीतिगत बदलाव

भारतीय रिज़र्व बैंक एवं भारत सरकार के नीतिगत प्रयासों ने बैंक सेवा को देश के हर व्यक्ति तक पहुंचा दिया है. आधार कार्ड के द्वारा वित्तीय सेवा प्राप्ति मे क्रांतिकारी परिवर्तन की शुरूआत हो चुकी है. सब्सिडी सीधे बैंक खातों में ही जमा की जा रही है. बैंकों को अपने तुलन पत्र से अनर्जक आस्तियों का आकार कम करने की दिशा में कार्य करने के लिये कहा जा रहा है. डिजिटल लेन देन बढ़ाने के लिए भरसक प्रयास

किए जा रहे हैं. लेन देन के डाटा को देश मे ही रखने जैसे मुद्दों पर बात की जा रही है. बैंकों को विश्व स्तरीय बनाने के लिए उनका आपस मे विलय किया जा रहा है.

ग्राहक

आज बैंकों को अपनी ग्राहक वचनबद्धता को संशोधित करने की आवश्यकता है. आज का ग्राहक चाहता है कि आप उसे केवल लेन देन में सहयोग न करें अपितु उससे आगे बढ़कर उसे परामर्श दें जिससे वह अपने खर्चों में कटौती कर सके अथवा अपनी आय को बढ़ा सके. व्यक्तिगत सेवा एवं उचित परामर्श ही आज के ग्राहक की जरूरत है.

इसके अलावा भी अन्य अनेक मुद्दे जैसे कि काले धन का खात्मा, साइबर धोखाधड़ी से सुरक्षा, छोटे एवं लघु उद्यमों को सहायता, स्वरोजगार का सृजन, बेहतर जोखिम प्रबंधन, नई लेखांकन पद्धति इत्यादि कारक भी बैंकिंग के भविष्य को निर्धारित कर रहे हैं.

बैंकिंग का भविष्य – कल की तैयारी आज कैसे करें ?

पिछले कुछ सालों में हुए परिवर्तन जैसे कि विमुद्रीकरण, कर सुधार इत्यादि के पश्चात देश मे बैंकिंग परिवेश में बहुत तीव्र गति से परिवर्तिन हो रहा है. पेटीएम बैंक इत्यादि ने छोटे–छोटे कामगारों, सब्जी वालों, किराना स्टोर इत्यादि को डिजिटल बैंकिंग से जोड़ दिया है. रिलान्यस जियो ने दूरसंचार क्षेत्र मे एक ऐसी क्रांति ला दी है, जिसने इंटरनेट को हर किसी की पहुंच में लाकर खड़ा कर दिया है. किसी बैंक की मोबाईल बैंकिंग का तकनीकी समस्याओं के कारण कुछ दिनों के लिये अवरूद्ध हो जाना, बहस का एक बहुत बडा मुद्दा बन जाता है. इस परिवेश में खुद को कल की बैंकिंग के लिये तैयार करने के लिये कुछ सुझाव निम्नानुसार हैं –

डिजिटल संस्कृति

सबसे पहले संगठन में एक डिजिटल संस्कृति पैदा करनी जरूरी है. पारंपरिक, टॉप–डाउन तरीका इसके लिये स्वीकार्य नहीं हैं. अब आवश्यक है कि हर स्तर पर एक फैलता हुआ डिजिटल नेतृत्व बनाया जाये. हर कर्मचारी डिजिटल हो एवं डिजिटल उत्पादों को ग्राहक के नजरिये से समझता हो. ऐसे वातावरण की स्थापना करना भी महत्वपूर्ण है जहां नये प्रयोगों की स्वीकार्यता हो. बैंक के प्रत्येक विभाग में काम करने वाला कर्मचारी, हर उत्पाद को ग्राहक की भांति प्रयोग करने का अनुभव साझा करे. इस प्रकार की संस्कृति ही बैंक को भविष्योन्मुखी सोच पैदा कर प्रतिस्पर्धा में बने रहने में सहायक होगी.

कुशल मानव संसाधन

मैत्रीपूर्ण, प्रसन्नचित्त, सहयोग के लिए तत्पर, शिष्टाचारी, धैर्यवान बैंक कर्मचारी की आवश्यकता हमेशा से रही है. किंतु आज केवल इनसे काम नहीं चल सकता. डाटा वैज्ञानिक एवं डिजिटल आर्किटेक्ट्स इत्यादि कुछ ऐसे नये मानव संसाधन हैं जिन्हें हर संगठन को अपनाना होगा. आज हमें सिर्फ बैंकर नहीं अपितु साफ्टवेयर इंजीनियर की भी जरूरत है. डिजायनर की आवश्यकता है जो हमारी शाखाओं एवं उत्पादों को देश के युवा वर्ग से जोड़ सके. बढ़ती हुई धोखाधडी को रोकने के लिए प्रमाणित ऋण प्रबंधक एवं प्रमाणित लेखा परीक्षकों की आवश्यकता है. पूंजी के बेहतर प्रबंधन के लिए कुशल जोखिम अधिकारियों की आवश्यकता है.

ग्राहक अनुबंध

हमारा आज का ग्राहक मिलेनियल्म (वर्ष 2000 के आसपास युवा वयस्कता तक पहुंचने वाला व्यक्ति) है. इस वर्ग तक पहुंच बनाने के लिये भी आवश्यक है कि उनसे उन्हीं की भाषा में संवाद किया जाये. यह वर्ग सोशल मीडिया पर 24 घंटे उपलब्ध है. इसके लिये सोशल मीडिया पर भी बैंकिंग सुविधा को उपलब्ध कराना होगा. आभासी वास्तविकता जैसी तकनीक को अपनाकर घर बैठे ही शाखा के व्यक्ति से बैंकिंग का अनुभव दिलाना होगा.

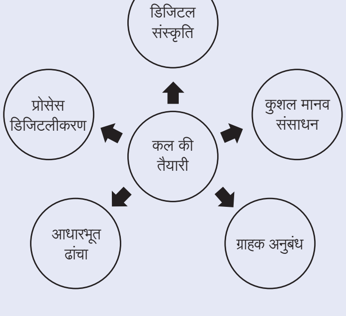

आधारभूत ढांचा

इन नयी सेवाओं को प्रदान करने के लिये बनने वाले आधारभूत ढांचे को :

- आसानी से नियोजित हो सकने वाला – जो समय के साथ आसानी से बदला जा सके,
- बुद्धिमान – जो रोबोटिक्स और ज्ञानात्मक कंप्यूटिंग कर सके,
- सबको साथ में लेकर चल सकने वाला – जो विभिन्न बैंकिंग उत्पादों को तीसरे पक्ष के साथ आसानी से एकीकृत करने में सक्षम हो
- स्मार्ट – जो बहुत कम लागत के साथ वास्तविक समय लेनदेन मे सक्षम हो और
- सुरक्षित – केंद्रीकृत सेवा प्रदान करने के लिए. शाखाओं से डाटा भेजने और वापस डाटा मंगाने के लिए सुरक्षित हो.

इस नींव पर बैंक सर्वव्यापी पहुंच और लेनदेन के लिए नए उत्पादों और सेवाओं को विकसित करने में सक्षम होंगे और 24X7X365 अर्थात वास्तविक समय में मूल्य–वर्धित सेवाएं दे सकेंगे.

प्रोसेस डिजिटलीकरण

अब तक, अधिकांश बैंकों ने फ्रंट एंड प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण करने पर ध्यान केंद्रित किया है. अब एंड–टू–एंड प्रोसेस डिजिटलीकरण प्रदान करने के लिए, बैक–ऑफिस कार्यो सहित "अदृश्य" प्रक्रियाओं का भी डिजिटलीकरण करने की आवश्यकता है. आज एक ग्राहक ऑनलाइन आवेदन पूरा करने के कुछ ही मिनटों के बाद खाते का उपयोग करना शुरू कर सकता है. आवश्यकता है कि डिजिटल सिर्फ दिखावा ना होकर एक ऐसा अनुभव हो जिसमें ग्राहक संतुष्टि का ध्यान सर्वोपरि हो.

बैंकों के शीर्ष प्रबन्धन तंत्र में तकनीकी लोगों को भी स्थान दिया जाना, बिक्री और विपणन की संस्कृति विकसित करना, अनुसंधानों पर आधारित नवीन उत्पादों का निर्माण इत्यादि द्वारा ही किसी भी बैंक को भविष्य की बैंकिंग के लिए तैयार किया जा सकता है.

निष्कर्ष

ग्राहक की जरूरत को भली भांति समझकर, सभी प्रकार के डाटा का विश्लेषण करके वास्तविक समय के आधार पर सेवा देना ही बैंकिंग व्यवसाय का भविष्य है. अभी जो परिवर्तन दिख रहे हैं वे तो केवल शुरूआत हैं. अभी यह पता कर पाना मुश्किल है कि इसका परिणाम क्या होगा? किंतु इसमें कोई सन्देह नहीं है कि बैंकों एवं फिनटेक कंपनी के सहयोग से कई नये सेवा उत्पादों का सृजन होगा. बैंकों के विलयन के माध्यम से ऐसे बैंकों का उदय होगा जो वास्तव मे विश्वस्तरीय होंगे. कुछ कर्मचारियों की छंटनी होगी तो कुछ नये रोजगार के अवसर पैदा होंगे, स्वचालन बढ़ेगा. डिजिटल बैंकिंग का विकास लोगों को डिजिटल दुनिया से जोड़कर एक ऐसा अवसर देगा जहां भारत का हर व्यक्ति अपने मोबाईल के माध्यम से किसी भी सेवा की मांग के लिये तैयार होगा. आने वाला युग बैंकिंग का स्वर्णिम युग है जिसमें बैंक केवल सेवा प्रदाता न रहकर. ग्राहक की जीवन पद्धति का एक हिस्सा होंगे.

◇◇◇

विनीत कुमार जैन
मुख्य प्रबन्धक एवं संकाय
बड़ौदा एपेक्स अकादमी, गांधीनगर

स्रोत –

1. वेबसाईट, भारतीय रिजर्व बैंक

2. श्री एस एस मूंदड़ा, उप गवर्नर (से.नि.), भारतीय रिज़र्व बैंक का उद्बोधन

Bank celebrates 100 years of its operation in Mumbai

April 14, 2019 marked an important milestone for our Bank as it completed 100 years of its operation in Mumbai. The Mumbai Main Office at Harniman Circle was the first ever branch that marked the expansion of the Bank outside its home market. On this occasion, the Bank organized a ROAD CARNIVAL on Marine drive on Saturday, May 4th 2019.

The carnival was designed to bring together the retro years and the Mumbai that we see today. It fashioned a vintage car rally alongside people dressed up to represent the then communities of the city. Music being an important aspect of the cultural blend, the carnival paid a tribute to the Maharashtrian society by doing the Lezim dance to the beats of Dhol-tasha and much more. The carnival commenced from the Wilson College Gymkhana point and paraded by the Queen's necklace capturing the stunning architectural masterpieces and the twinkling nightlife to commemorate the scintillating business growth Mumbai has given to Bank of Baroda.

The Bank also celebrated the success of iconic individuals like the Dabbawalas, who have proved their mettle by battling the traffic and crowds and yet unfailingly delivered thousands of dabbas to the Mumbaikars on time. 50 children from underprivileged background were toured around the city in an open-deck bus and were felicitated with souvenirs by the Bank officials.

Commenting on this occasion, our MD & CEO Shri P S Jayakumar said, "Mumbai as we know is not only the financial capital but also the largest part of India's economy. Similarly, for Bank of Baroda, Mumbai is the largest part of our business. It has been a gateway to the expansion plan and growth of Bank of Baroda. Celebrating Mumbai is our way of thanking the city, its people and everyone who has been instrumental throughout the growth years of Bank of Baroda. We assure our customers and employees of our continuous support to provide them grade A banking services for the next 100 years and beyond."

Present at the carnival were Executive Directors, Mumbai Zonal Head and other senior officials of the Bank along with the employees and customers in large numbers who shared their personal experiences of being an integral part of this 100 years legacy.

Special Issue of Bobmaitri on Amalgamation Released

Special Issue of our Bank's House Journal "Bobmaitri" covering entire process and activities on amalgamation of Erstwhile Vijaya Bank and Dena Bank with Bank of Baroda was released at the hands of our MD & CEO Shri P S Jayakumar in a function held in Mumbai on 4th May, 2019 in the gracious presence of Executive Directors Smt Papia Sengupta, Shri Shanti Lal Jain, OSD Shri Murali Ramaswami, Shri Navtej Singh, GM(CC), Mumbai, Shri VS Narang, Advisor-IMO and Dr Jawahar Karnawat, GM & Executive Editor of the journal.

बैंक के संस्थापक महाराजा सर सयाजीराव गायकवाड़-III की 157वीं जयंती - समारोह का आयोजन

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 11 मार्च, 2019 को बैंक के संस्थापक महाराजा सर सयाजीराव गायकवाड़- III की 157वीं जयंती बहुत ही उत्साहपूर्वक ढंग से मनाई गई. इस भव्य समारोह में हमारे प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री पी एस जयकुमार, राज परिवार से महाराजा श्रीमंत समरजीतसिंह गायकवाड़ और महारानी राधिकाराजे गायकवाड़ विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. प्रारम्भ में महाप्रबंधक एवं प्रमुख (मार्केटिंग, कॉर्पोरेट कम्यूनिकेशन एवं धन संपदा प्रबंधन) श्री ओ के कौल ने स्वागत वक्तव्य के साथ पंडित विश्वमोहन भट्ट और ओस्मान मीर के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया. इस समारोह का मुख्य आकर्षण पंडित विश्वमोहन भट्ट का मोहनवीणा वादन तथा ओस्मान मीर के सूफ़ी गीतों और गज़लों की बेहतरीन प्रस्तुति रही .

कार्यक्रम में प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री पी एस जयकुमार ने महाराजा के अविस्मरणीय योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि महाराजा एक दूरद्रष्टा और प्रगतिशील विचार रखने वाले, अदम्य संकल्प–बल रखने वाले एक कुशल प्रशासक थे. अपनी प्रशासनिक कुशलता से उन्होंने बड़ौदा को एक आदर्श राज्य के रूप में परिवर्तित किया. महाराजा का योगदान प्रत्येक क्षेत्र में रहा, चाहे वह कला, शिक्षा, संस्कृति, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण हो या बैंक, उद्योग एवं सहकारी समितियां एवं कृषि इत्यादि हो. उन्होंने प्रत्येक क्षेत्र में ऐसे दूरगामी कदम उठाए, जिनके परिणाम आज भी दिखाई देते हैं. बैंक ऑफ़ बड़ौदा की स्थापना भी उनके ऐसे ही दूरगामी विचारों का साकार रूप है और बैंकिंग क्षेत्र में नये–नये कीर्तिमान स्थापित करते हुए बैंक ने जिस प्रकार विकास हासिल किया है और देश की प्रगति में भी योगदान कर रहा है, यह महाराजा की अपेक्षाओं के अनुरूप है.

इस अवसर पर महाराजा श्रीमंत समरजीतसिंह गायकवाड़ ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बैंक ऑफ़ बड़ौदा अपने आरंभ से लगातार तरक्की करता रहा है और इसने वैश्विक स्तर पर भारत के अंतर्राष्ट्रीय बैंक के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज की है. उन्होंने कहा कि सर सयाजीराव गायकवाड़ बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे. उन्होंने अपनी सुधारवादी दृष्टि के माध्यम से कई बदलाव किए.

बैंक परिवार के कार्यपालकगण तथा बड़ौदा शहर के संगीत प्रेमी नागरिकों, बैंक के ग्राहकों और कर्मचारियों के जनसमूह ने पंडित विश्वमोहन भट्ट तथा ओस्मान मीर की एकल और युगलबंदी प्रस्तुति का खूब आनंद उठाया. मंत्रमुग्ध करने वाली उनकी प्रस्तुति ने दर्शकों को 'वन्स मोर' बोलने हेतु बार–बार विवश कर दिया.

इस कार्यक्रम में बैंक के निदेशकगण डॉ. भरत कुमार डांगर एवं प्रो. बिजू वर्क्की, महाप्रबंधकगण श्री के आर कनोजिया, श्री बी आर पटेल, श्रीमती अर्चना पाण्डेय, श्री तपन कुमार दास तथा बड़ौदा अंचल के अंचल प्रमुख श्री प्रदीप श्रीवास्तव सहित प्रधान कार्यालय और बड़ौदा अंचल के सभी वरिष्ठ कार्यपालक, अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण और उनके परिवार के सदस्य, सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्य तथा बड़ौदा शहर के गणमान्य नागरिक और बैंक के मूल्यवान ग्राहकगण उपस्थित थे. इस कार्यक्रम का संयोजन महाप्रबंधक (परिचालन एवं सेवाएं) श्री के आर कनोजिया और बड़ौदा अंचल के अंचल प्रमुख श्री प्रदीप श्रीवस्तव के मार्गदर्शन में किया गया. कार्यक्रम का संचालन मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) श्री पुनीत कुमार मिश्र ने किया और आभार प्रदर्शन अंचल प्रमुख श्री प्रदीप श्रीवास्तव ने किया.

जन धन की नींव पर जनसुरक्षा की इमारत

प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना | प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना | अटल पेंशन योजना

बैंक की बीजिटी शाखा के नए शाखा प्रमुख के रूप में जब मैंने पदभार ग्रहण किया उसी समय प्रधानमंत्री जनधन योजना की घोषणा हुई। उसके बाद तो खाता खोलने वालों की बाढ़ सी आ गई और देखते ही देखते महज एक हफ्ते में एक हज़ार से ज़्यादा खाते खोले जा चुके थे । उसके बाद आरंभ हुआ डेबिट कार्ड जारी करने और वितरण करने का क्रम क्योंकि डेबिट कार्ड से जुड़ा हुआ था दुर्घटना बीमा। वित्तीय समावेशन के लिए जन धन की नींव पर जनसुरक्षा की इमारत खड़ी करने का जो सपना प्रधानमंत्री ने संजोया था वह आज अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना व प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के रूप में साकार हो रहा है।

शाखा के सेवा क्षेत्र में आने वाले एक गाँव निर्मल नगर के ग्राहक श्री रमेश कुमार ने जन धन योजना के अंतर्गत बचत खाता खुलवाया और रुपे कार्ड प्राप्त किया। खाते में नियमित परिचालन के बाद रमेश कुमार को ओवरड्राफ्ट की सुविधा भी बैंक द्वारा प्रदान की गयी। रमेश कुमार ने बीसी केंद्र पर आधार दर्ज़ कराया और उसके पश्चात बैंक शाखा, बीसी केंद्र, रुपे डेबिट कार्ड और आधार समर्थ भुगतान प्रणाली के माध्यम से खाते में लेनदेन करने लगा। यह सब इसलिए संभव हो पाया क्योंकि शाखा द्वारा प्रतिमाह वित्तीय साक्षरता का कार्यक्रम आयोजन आसपास के गाँव में किया जाता रहा है। वर्ष 2015 में अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना व प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के बाद रमेश कुमार ने प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में पंजीकरण कराया और अपनी पत्नी श्रीमती सुनीता देवी को नामिती बनाया। पंजीकरण के समय रमेश कुमार को योजना के बारे में बताया गया। यह सुरक्षा योजना भविष्य की सुरक्षा हेतु बनाई गयी है और सबसे कम प्रीमियम वाली बीमा पॉलिसी है। यह बीमा योजना क्रमशः दुर्घटना, मृत्यु एवं स्थायी विकलांगता में बीमा धारक के नामिती को दो लाख की धनराशि प्रदान करता है तथा आंशिक विकलांगता की स्थिति में एक लाख की धनराशि प्रदान करता है। पात्र ग्राहक इस योजना का लाभ पाने के लिए शामिल हो सकते हैं और अपने खाते से स्व–अंतरण की सहमति दे सकते हैं। घटना के 90 दिनों के भीतर जानकारी बीमा कंपनी के पास पहुँच जानी चाहिए और जानकारी देने के पश्चात 60 दिनों के भीतर कागजी कार्यवाही (दावा फार्म, एफआईआर की प्रति, बैंक पासबुक की कॉपी, अस्पताल संबंधी दस्तावेज़, नामिती का केवाईसी और चेक, यदि उपलब्ध है) नामिती को पूर्ण करनी होती है। बीमा कंपनी के पास आवश्यक दस्तावेज़ पहुँचने पर 10 दिनों के भीतर नामिती को भुगतान कर दिया जाता है।

फरवरी 2016 को सितारगंज जाते समय एक सड़क दुर्घटना में रमेश कुमार गंभीर रुप से घायल हो गए और उनको तत्काल नजदीकी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। गंभीर स्थिति को देखते हुए वहाँ के चिकित्सकों ने रमेश कुमार को ज़िला अस्पताल भेज दिया जहां उनको आईसीयू में रखा गया। इलाज़ के दौरान उनकी मृत्यु हो गयी। इसके बाद तो मानो रमेश कुमार के परिवार पर मुसीबत का पहाड़ टूट पड़ा। उनकी पत्नी को कुछ सूझ नहीं रहा था। लगभग एक माह बाद घर की सफाई के दौरान सुनीता देवी को रमेश कुमार की बैंक पासबुक प्राप्त हुई जिसको लेकर वह मेरे पास पहुंची और खाते से संबन्धित जानकारी पूछी और अपने साथ हुए वज्राघात से अवगत कराया। चूंकि रमेश कुमार का शाखा में नियमित रूप से आना जाना था इसलिए रमेश कुमार के देहावसान की जानकारी मुझको पहले से थी। पासबुक को देखकर मैंने सुनीता देवी से पूछा कि आपको जन सुरक्षा योजना के बारे में रमेश कुमार ने कुछ बताया था। सुनीता देवी के उत्तर से समझ आ गया कि परिवार में इस योजना के बारे कोई नहीं जानता है। खाता का परिचालन देखने पर ज्ञात हुआ कि रमेश कुमार ने रुपे डेबिट कार्ड ले रखा था और अंतर्निहित दुर्घटना बीमा में एक लाख रुपए बीमा राशि हेतु पात्र था व प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा में दुर्घटना मृत्यु में दो लाख हेतु।

मैं बैंक की मोटरसाइकल से बीसी के साथ सुनीता देवी के घर पहुंचा और प्रधानमंत्री जन धन योजना के अंतर्गत मिलने वाले लाभ की जानकारी दी । मैंने जैसे ही बताया कि दिवंगत रमेश कुमार ने सुनीता देवी को नामिती किया है और वह बीमा राशि के दावे के लिए पात्र हैं, उस वक्त पूरे परिवार के लिए मैं एक फरिश्ते से कम नहीं था, जिसने एक वाक्य में ही परिवार की सभी परेशानियों को दूर कर दिया था। मैंने सुनीता देवी को ज़रूरी दस्तावेज़ और दावा फार्म के बारे में बताया। बीसी ने भी पूरी जानकारी ले ली और रमेश कुमार के भाई व पत्नी के द्वारा सभी आवश्यक कागज़ समय सीमा में पूर्ण कर शाखा में जमा करा दिये। लगभग बीस दिनों के बाद बीमा कंपनी के द्वारा सुनीता देवी के नाम पर रुपे डेबिट कार्ड और प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना के दावों के निपटान संबंधी चेक आ गया, जिसको क्षेत्रीय कार्यालय के सहयोग से सुनीता देवी को एक ग्राहक साक्षरता शिविर के माध्यम से प्रदान किया गया। बैंक ऑफ बड़ौदा के इस पुनीत कार्य को अगले दिन दैनिक समाचार पत्रों में प्रमुख स्थान दिया गया।

◇◇◇

श्री अनिल कुमार
मुख्य प्रबंधक एवं प्रभारी
बड़ौदा अकादमी, चंडीगढ़ (दिल्ली)

भाषा हमारी अभिव्यक्ति के मौलिक अधिकारों का मूलभूत घटक है

– पद्मश्री प्रो. गणेशदेवी

पद्मश्री प्रो. गणेश देवी देश के सुप्रसिद्ध भाषाविद् हैं जिन्हें हमारे बैंक ने प्रथम सयाजी लोक भाषा सम्मान से सम्मानित किया है. प्रो. देवी की शिक्षा शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर और लीड्स विश्वविद्यालय, यूके में हुई थी. कई शैक्षणिक कार्यों के अलावा, उन्होंने लीड्स यूनिवर्सिटी और येल यूनिवर्सिटी में फैलोशिप की है और टीएचबी साइमन फेलो (1991-92) और जवाहरलाल नेहरू फेलो (1994-96) भी रहे हैं. वह 1980 से 96 तक बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय में अंग्रेजी के प्रोफेसर भी रहे. 1996 में, उन्होंने डीनोटिफ़ाइड और नोमैडिक ट्राइब्स (डीएनटी) और आदिवासियों के साथ काम करने के लिए अपने शैक्षणिक कॅरियर को छोड़ दिया. इस कार्य के दौरान, उन्होंने बड़ौदा में भाषा अनुसंधान और प्रकाशन केंद्र, तेजगढ़ में आदिवासी अकादमी, डीएनटी-राइट्स एक्शन ग्रुप और कई अन्य पहलों की शुरुआत की.बाद में उन्होंने 3000 स्वयंसेवकों की सहायता से भाषाओं के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा सर्वेक्षण शुरू किया, जिसे 50 बहुभाषी संस्करणों में प्रकाशित किया गया है. प्रो. देवी को अनेक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं. प्रो. देवी अब तक 90 से अधिक पुस्तकों का लेखन व संपादन कर चुके हैं. बॉबमैत्री के कार्यकारी सम्पादक डॉ. जवाहर कर्नावट ने उनसे इन उपलब्धियों पर लंबी बातचीत की जिसके प्रमुख अंश यहां प्रस्तुत हैं :

आप महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा में प्राध्यापक रहे और उसके बाद आप यूके चले गए. अपनी प्रारंभिक पढ़ाई और यूके में आपको प्रदत्त फेलोशिप के बारे में कुछ बताएं?

मेरा जन्म महाराष्ट्र में पुणे के पास भोर में हुआ था. हाईस्कूल की पढ़ाई के लिए मैं सांगली गया और इसके बाद कोल्हापुर शिवाजी विश्वविद्यालय में पढ़ाई की. रोटरी फेलोशिप की मदद से वर्ष 1980 में इंग्लैंड से मैंने पीएचडी की डिग्री प्राप्त की और भारत वापस आने के बाद बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय में पढ़ाना शुरू किया. मैंने कोल्हापुर से अपनी डॉक्टरेट पूरी की जिसका विषय था 'श्री अरविंदो की कविता'. मेरी पढ़ाई अंग्रेजी साहित्य में हुई और मेरा यह मानना है कि अंग्रेजी साहित्य पढ़ने के लिए आयरिश साहित्य पढ़ना भी जरूरी है. उनके साहित्य में ऐसे कई साहित्यकार हुए जिन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ काफी लिखा है. मैंने लीड्स विश्वविद्यालय में एंग्लो आयरिश लिटरेचर में एम.ए. की डिग्री के लिए आवेदन किया. यह एक वर्ष की डिग्री होती थी. वहां से वापस आने पर मैंने बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय में पढ़ाना शुरू किया. मेरे वहां जाने से लगभग 80 वर्ष पहले श्री अरविंद वहां पढ़ाया करते थे. उस समय वह बड़ौदा कॉलेज कहलाता था.

आपने इतने वर्षों तक अध्यापन का कार्य किया. सामान्य तौर पर ऐसा होता है कि अध्ययन-अध्यापन करने वाले लोग उसी क्षेत्र में रह जाते हैं परंतु आपके जीवन में एक नया परिवर्तन आया और आपने आदिवासियों के लिए काम करना शुरू किया? इसके पीछे क्या प्रेरणा रही?

मुंबई से अहमदाबाद तक आपको प्रगति दिखाई देगी लेकिन अगर हम पूर्व की तरफ लगभग 50 किमी. बढ़ें तो हम देखते हैं कि वहां काफी कार्य किए जाने की गुंजाइश है. मुझे लगा कि जब तक उस क्षेत्र में विकास नहीं होता ऐसे विकास का कोई मतलब नहीं है. मैंने सोचा जब तक ऐसे गांव हैं जहां के बच्चों ने स्कूल तक नहीं देखी, विश्वविद्यालय में रहकर पश्चिमी साहित्यकारों को पढ़ाना मुझे व्यर्थ लगने लगा. मैं विश्वविद्यालय की पढ़ाई का सम्मान करता हूं और रिसर्च को बहुत गंभीरता से लेता हूं. मैं स्वयं किताब पढ़ना बहुत पसंद करता हूं. मुझे महसूस हुआ कि मेरा वहां काम करना ज्यादा जरूरी है. फिर मैंने 15-16 साल पढ़ाने के बाद श्रीमतीजी से चर्चा की कि यदि मैं नौकरी छोड़ दूं और देहात में काम करूं तो कैसा रहेगा? हमारी एक बेटी है उस वक्त वह उच्च माध्यमिक में थी. बेटी ने कहा "हम अपनी जिंदगी निकाल लेंगे, आप चिन्ता मत कीजिए, आपको जो ठीक लगे वो कीजिए." इस तरह से मैं पत्नी और बेटी की अनुमति लेकर, विश्वविद्यालय छोड़कर बड़ौदा से 90 कि.मी. दूर गुजरात व मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित तेजगढ़ नामक गांव में आ गया जहां पर आदिवासी अकादमी है. वहां से दक्षिण में महाराष्ट्र लगभग 50-60 कि.मी. है और उत्तर में राजस्थान 100-150 कि.मी. पर है. इस तरह से तीन-चार राज्यों की सीमा पर बसा यह गांव है. तीन चार राज्यों की सीमा पर स्थित एक छोटा पर्वत, वहां के गुफाचित्र जो कि लगभग क्रिस्ट के 12000 वर्ष पूर्व एवं गौतम बुद्ध से लगभग 9000 वर्ष पूर्व के हैं, मुझे आकर्षित करने लगे. धीरे-धीरे मैंने तेजगढ़ में रहना शुरू किया. मैंने महसूस किया कि किताबों से मैंने बहुत कुछ सीखा है लेकिन मेरे आदिवासी दोस्तों की सोच व समझ, हर चीज में मुझसे ज्यादा परिपक्व थी. इसलिए मुझे लगा कि उनसे भी कुछ सीखना चाहिए. मैं वहां पढ़ाने नहीं गया था, मैं सीखने गया था. इसके अलावा आदिवासियों के लिए काम करने के पीछे मुख्य तीन कारण रहे –

1) सर सयाजीराव गायकवाड़ मेरे लिए एक प्रेरणा थे. उन्होंने अपने उस समय के राज्य में यह तय किया कि अगर किसी गांव में 8 बच्चे भी पढ़ने वाले हैं तो उनके लिए स्कूल शुरू किया जाना चाहिए. मैं वह

काम देखना चाहता था अत: मेरा मन था कि मैं उन देहातों में घूमूं.

2) श्री अरविंदो ने कुछ समय के लिए नर्मदा के किनारे के गांवों में भी भ्रमण किया, वास्तव्य किया जिसका कहीं वर्णन नहीं मिलता है. अत: मेरी नर्मदा किनारे देहातों में घूमने की इच्छा और भी अधिक प्रबल हो गई.

3) महात्मा गांधी के मूल्यों का मुझ पर बचपन से बहुत अधिक प्रभाव रहा.

आदिवासी अकादमी की मुख्य गतिविधियां क्या थी?

प्रारम्भ में सोचा कि मैं उनकी भाषा इकट्ठा करूंगा और किताब बनाऊंगा. मैंने देखा कि आदिवासियों का स्थानांतरण हो रहा है. 5-6 वर्ष में 2200 गांवों में लोगों में स्थानांतरण रोकने के लिए माइक्रो क्रेडिट की शुरूआत की. रू.100-120 उधार लेकर आर्थिक गतिविधि शुरू की. हेल्थ स्कीम के अंतर्गत हेल्थ इंश्योरेंस शुरू की जिसमें एक वर्ष के लिए रू. 50 में पूरे परिवार का बीमा कराया. ये यहां आज भी जारी है. 110 छोटे-छोटे इंफॉर्मल लर्निंग सेंटर शुरू किए. लेकिन यह काम करेगा कौन? इस बात की चिन्ता थी. हमें बाहर से कोई कार्यकर्ता नहीं लाने थे. अत: वहीं के लोगों को अभिप्रेरित करने के लिए उनका प्रशिक्षण शुरू किया. वहां के लोगों को कार्यकर्ता बनाकर उन्हीं के पैसे से उन्हीं का काम करवाना, यह मेरे लिए विकास का अर्थ था. उनको अभिप्रेरित करने के लिए मैंने एक अकादमी की कल्पना की. मुझे एक ऐसी जगह की तलाश थी जहां इनकी ट्रेनिंग हो और वह वहीं से काम पर जा सकें.

आपके यहां आने से पहले कई लोगों की अलग-अलग टिप्पणियां प्राप्त हुई, यथा- राहुल देव जी ने कहा- 'यह तो अद्भुत अवसर है आपके लिए.' एक ने मुझे संदेश भेजा कि आपने 300 पेड़ लगाए थे और उनका नाम 300 भाषाओं पर था और वह आपसे उसी भाषा में जानकारियां देते अथवा संवाद करते थे ? यह बहुत ही रोचक लगा, कृपया इसके बारे में बताएं.

मैंने पूरे देश में मेरे जितने भी आदिवासी मित्र थे उन्हें एकत्रित किया. यह 8 मार्च 2010 की बात है, हम सब ने मिलकर तय किया कि देश का सर्वे करेंगे. मैंने सभी से एक पेड़ लगाने का अनुरोध किया फिर सभी को बस के माध्यम से तेजगढ़ ले गया जिसमें लगभग 700 से 800 व्यक्ति थे. वहां खुली जगह पर मैंने कहा आप सभी एक पेड़ लगाएं जो पेड़ आप लगाएंगे, वह आप की ही भाषा में बोलेगा ऐसी व्यवस्था मैं करता हूं तथा इन सब को हम भाषा वन मान लेते हैं. जो उन्होंने पेड़ लगाया अब वह बड़े हो गए हैं, आप भी जा कर देखिए.

बाद में जाकर मैंने सेंसर इस्तेमाल किया. मैंने वहां बायो सेंसर लगाया ताकि कोई व्यक्ति यदि पेड़ के नजदीक आकर खड़ा हो तो पेड़ टैगोर की कविता बोलने लगता है, प्रेमचंद की कहानी कहने लगता है. इसके लिए मैंने जर्मन में रह रहे एक दोस्त की मदद ली एवं उनसे मैंने बॉयो सेंसर मंगवाए. उनकी बॉयोसेंसर्स बहुत तेज थी. यदि एक पेड़ के नजदीक दो-तीन व्यक्ति हैं तो पास के दूसरे पेड़ की भाषा भी वह सुनने लगे. इससे मेरी जो सोच थी वह फेल हो गई. एक साथ दो -तीन पेड़ बोलने लगे. फिर मैंने हायर एंड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया. फिर अभी बदल कर मैंने ऑडियो फोन लगाया है. ऑडियो फोन को अपनी कान से लगाते हैं और पेड़ के पास से गुजरते समय दिए हुए नंबर दबाते हैं तो पेड़ उनकी भाषा में बात करते हैं.

मेरी यह प्लानिंग है कि वहां 800 पेड़ लगे हैं तो 800 भारतीय भाषाएं वहां सुनाई दें. जिससे कोई छोटा से छोटा बच्चा भी वहां से गुजरे तो उन्हें भारतीय भाषाएं सुनाई दे और जैसे पेड़ बढ़ते हैं वैसे ही भाषाएं बढ़ेंगी. 'मरने के लिए नहीं बल्कि जीने के लिए है भाषा.'

आपने भाषा रिसर्च एवं पब्लिकेशन सेंटर की स्थापना की, क्या वह भी इसके साथ ही जुड़ा हुआ था ?

नहीं, वह इसके साथ नहीं जुड़ा था. 1990 की जनसंख्या मेरे दिमाग में थी. उसके आंकड़े मेरे पास थे. मेरे दिमाग में यह चल रहा था कि जो भाषाएं जनसंख्या में नहीं है उन्हें इकट्ठा करने के लिए कोई जगह होनी चाहिए और इसलिए मैंने 1996 में भाषा एवं रिसर्च पब्लिक सेंटर की स्थापना की.

पीपुल्स सर्वे का काम जो आपने किया वह बहुत बड़ा काम था, जरा इसके बारे में बताएं?

जब काम पूरा होने आया तो मुझे दिल्ली (एमएचआरडीए) से आमंत्रण आया और वहां यूजीसी के चेयरमैन, जनगणना प्रमुख, सेंसस के जनरल, भाषा के प्रभारी एवं अन्य मंत्री सभी उपस्थित थे. उन्होंने पूछा कि सरकार आपकी किस तरह से मदद कर सकती है? मैंने अनुरोध किया कि आप इसमें कुछ ना करें. वो प्रीवेंट कर सकते थे लेकिन उन्होंने मुझे पूरी आजादी दी. इसकी जो प्लानिंग थी, वह बहुत ही कॉम्प्लिकेटेड प्लानिंग थी. मैंने जिंदगी का सबसे बड़ा निर्णय लिया, भाषा का ऐतिहासिक नहीं बल्कि भौगोलिक रूप से विकास करूंगा.

भाषा का ऐतिहासिक सर्वे नहीं बल्कि भौगोलिक रूप से भाषा का एक स्नैपशॉट या फोटोग्राफ लेना है. यह निर्णय तय करते-करते मुझे 14 से 15 साल लगे. एक बार स्ट्रक्चर तैयार करने के बाद वास्तविक तैयारी करना उसकी तुलना में इतना मुश्किल नहीं था. हर क्षेत्र में मेरे लिए टीम बनाने की संभावना थी. मेरे पास हर जगह आदिवासियों में दोस्त भी थे, घुमक्कड़ एवं यायावर कम्युनिटी में भी मेरे दोस्त थे, इसके अलावा शिक्षा जगत में भी कई लोग मेरे पहचान के थे. मेरे मित्र थे, उन सबको साथ लेकर आगे बढ़ना था.

यह सर्वेक्षण विदेशी भाषाओं के लिए भी था या भारत की सभी भाषाओं को लेकर था?

जी हां, भारतीय भाषाओं के साथ ही पुर्तगाली, फ्रेंच, इंग्लिश, जैपनीज आदि भाषाएं भी इसमें शामिल थी. अहमदाबाद में दो ऐसे परिवार भी रहते थे जो जैपनीज बोलते थे और मैंने उनका सर्वे भी किया था. लेकिन यह सेंसस नहीं था या हर घर में जाकर किया हुआ अभ्यास नहीं था.

मैंने पता किया था कि भाषा पर आपकी शोध कई वॉल्यूम में हैं. क्या यह भाषावार है या हर भाषा में है?

उसका जो ढांचा मैंने बनाया था उसे कंसिस्टेंट रूप में ही पब्लिश करना जरूरी था. जैसे इलेक्शन का सर्वे हुआ था तो उसमें 11 वॉल्यूम 19 भागों में आया था. लेकिन उनका जो सिद्धांत था वह हिस्टॉरिकल लिंग्विस्टिक पर था. मैंने हर राज्य के लिए एक वॉल्यूम भौगोलिक रूप से वर्गीकरण किया. मैंने ध्यान रखा कि जिस राज्य की अपनी भाषा है, उस भाषा में भी वॉल्यूम आए. इसके अलावा अंग्रेजी में भी और विभिन्न राज्यों की क्षेत्र भाषा में भी एक वॉल्यूम अंग्रेजी के साथ ही साथ हिंदी में भी आए जैसे तमिल का इंग्लिश में लैंग्वेज ऑफ तमिलनाडु हिंदी में भी ला रहे हैं. हालांकि राज्य 29 है लेकिन मैंने अंडमान एवं निकोबार के लिए अलग से वॉल्यूम तैयार किया और कुल 30 राज्यों के लिए तैयार हिंदी, अंग्रेजी के साथ क्षेत्रीय भाषाओं में भी वॉल्यूम तैयार किए गए है. इसके अलावा कुछ वॉल्यूम है जो नेशनल वॉल्यूम है.

इसे अधिकतम कंपनियों ने छापा है और बड़ी हिम्मत दिखाई है. हैदराबाद में ओरियंट ब्लैकस्वान नाम की एक कंपनी है जिसने इसे छापा है. ओरियन ब्लैकस्वान ने 99 किताबें निकाली है जो 50 वॉल्यूम में है.

आपने जो इतना बड़ा काम किया है और उसमें जो कुछ उभर कर आया है उसके ऊपर आगे की क्या कुछ कार्रवाई संभावित है? आज कई भाषाएं समाप्त हो गई हैं और कई समाप्ति की कगार पर हैं. उन्हें कैसे बचाया जा सकता है?

भाषाओं पर मेरा यह काम तीन-चार देशों में है. इस संबंध में विदेशों में लोगों को प्रेरणा भी मिली है. मिसाल के तौर पर केन्या की सरकार ने मुझे बुलाया और कहा कि हमारे यहां आप ही इस काम को कीजिए. मैंने कहा कि यह काम मैं नहीं बल्कि आपके ही लोगों से मैं करवाऊंगा क्योंकि यह आपका काम है और इसे आप के लोगों को करना चाहिए. फिर केन्या में काम शुरू हुआ. पोपो और न्यू गिनी विश्वविद्यालय ने मिलकर एक नेटवर्क बनाया और फिर इस काम के लिए उन्होंने मुझे बुलाया. ऑस्ट्रेलिया एवं कैनबरा में यह काम शुरू हो रहा है. दूसरा, हमारे विद्यापीठों एवं विश्वविद्यालयों में काम आगे ले जाने के लिए व्यवस्था होनी चाहिए. तीसरा काम है कि भाषा रिसर्च सेंटर में ही लगभग 1000 किताबों की कल्पना मैंने की है, उन भाषाओं के ऊपर जिसमें बहुत ही एडवांस लेवल की माइक्रो स्टडी भाषा के ऊपर हो, एक तरह विकास से जुड़ा और दूसरी तरफ से टेक्नोलॉजी से जुड़ा लेकिन वह काम कुछ कारणों से जिस गति से आगे किया जाना चाहिए नहीं किया गया है. चौथा काम जो है वह कम्युनिटी को साथ जोड़ कर उनको अभिप्रेरित कर मोबिलाइज्ड करके उनकी भाषा की रक्षा करना, उसमें जो अच्छा है उसका अनुवाद करना. मुझे जितना समय मिलता है, मैं कोशिश करता हूं. अंतिम और पांचवा काम मैंने यह सोचा है कि पेन इंटरनेशनल नामक एक संस्थान है जो राइट्स को लेकर जागरूक है. मैंने उनसे यह अपील की कि भारत के बाहर दुनिया की 100 भाषाओं में हमारी भाषाओं में अनुवाद होना चाहिए और हमारी भाषाओं का अनुवाद 100 भाषाओं में हो क्योंकि इस तरह की लेनदेन से हर भाषा ज्यादा वैभवशाली बनती है.

भारत में आठवीं अनुसूची की 22 भाषाओं के अलावा और भी भाषाएं हैं. क्या आपको कभी ऐसा लगता है कि आज हमारी भाषाओं का प्रयोग लगातार कम होता जा रहा है. आपके अनुसार ऐसा क्या किया जाए कि वैश्वीकरण के दौर में हमारी भाषाओं की भी रक्षा सुनिश्चित हो.

हमारे संविधान में जो मूलभूत अधिकार दिए गए हैं उनमें अभिव्यक्ति का अधिकार है. जो भी व्यक्ति जिस भाषा में बोलते हैं उस व्यक्ति से अगर वह भाषा छीन ली जाए तो अभिव्यक्ति कैसे होगी, इसलिए भाषाएं हमारी अभिव्यक्ति के मौलिक अधिकार का मूलभूत घटक हैं. प्रत्येक भाषा को सुरक्षित रखने के लिए उचित कार्रवाई होनी चाहिए. उस भाषा को संरक्षित रखना चाहिए जिसे लोग बहुत कम संख्या में बोलते हैं. लोकतंत्र का मतलब है जो दुर्बल है उसे सबसे ज्यादा सुरक्षा देनी चाहिए. जैसे कि कोई बहुत बड़ा वृक्ष है और उसकी जड़ें छोटी-छोटी भाषाएं होती हैं और यही आगे चलकर बड़े वृक्ष का रूप लेती हैं, यदि हम मूल ही काट देंगे तो पेड़ गिर सकते हैं.

आज-कल भाषा को सिर्फ रोजगार प्रदान करने के माध्यम से देखा जा रहा है, ऐसे में अन्य कई भाषाओं के एक साथ विकास होने का क्या रास्ता है?

मातृभाषा को पढ़ाई के माध्यम के रूप में चुना जाए, लेकिन साथ-साथ अन्य भाषा, केवल भाषा के रूप में पढ़ाई जाए. जहां-जहां भी बच्चे बहुत सारी भाषा एक साथ पढ़ते हैं तो उनकी बुद्धि का विकास अधिक गति से होता है. त्रिभाषा सूत्र का फार्मूला सबसे अच्छा था. एक समय में त्रिभाषा सूत्र हमारी जरुरत थी. उससे बेहतर दूसरा कोई फार्मूला नहीं हो सकता था. हम भी बचपन में ऐसे ही पढ़े हैं. गुजराती, हिंदी और अंग्रेजी या मराठी, हिंदी और अंग्रेजी पढ़ाई की है. उस समय देहात से शहर तक और शहर से दूसरे शहर तक या शहरों में होने वाले स्थानांतरण की संख्या बहुत कम थी. हर बड़ा शहर आज 200 से 300 भाषा बोलने वालों का शहर बना है. जिस तरह से हमारे यहां लिंग्विस्टिक स्टेट बने, आज हमारे यहां मल्टीलिंगुअल के लिए कोई रास्ता होना चाहिए. शहरों में बहुत सारी भाषाओं की जानकारी रखने वाले केंद्र निकालने पड़ेंगे क्योंकि ऐसे बहुत सारे परिवार शहरों में हैं जैसे मां बंगाली है पिता मलयाली है तो उन बच्चों के लिए ऐसे शहरों में मल्टीलिंगुअल एजुकेशन सेंटर स्कूल से बाहर एक समानांतर व्यवस्था हो सकती है. यह करना संभव है. ◇◇◇

बैंक द्वारा वसूली पर आधारित 'एनपीए वसूली–सफलता की दास्तान' पुस्तक का विमोचन

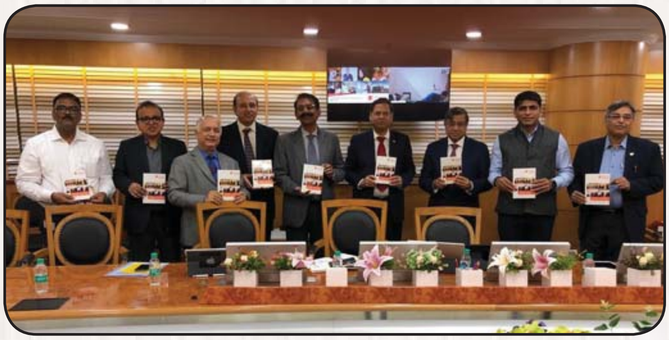

वसूली के क्षेत्र में स्टाफ सदस्यों को प्रोत्साहित करने तथा इससे संबंधित बेहतरीन अनुभवों को साझा करने के उद्देश्य से कार्पोरेट वसूली विभाग तथा राजभाषा विभाग के संयुक्त प्रयासों से बैंक द्वारा वसूली पर आधारित 'एनपीए वसूली–सफलता की दास्तान' पुस्तक प्रकाशित की गई. इस पुस्तक का विमोचन हमारे प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री पी एस जयकुमार, कार्यपालक निदेशक श्री एस एल जैन, श्री विक्रमादित्य सिंह खीची तथा विभिन्न महाप्रबंधक तथा अन्य कार्यपालकों की उपस्थिति में किया गया.

'वित्तीय समावेशन–मुद्दे, चुनौतियाँ एवं अवसर' पर परिचर्चा

दिनांक 25.01.2019 को बिहार विधान परिषद के सभागार में डॉ संजय पासवान, विधान परिषद सदस्य एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री की अध्यक्षता में 'वित्तीय समावेशन–मुद्दे, चुनौतियाँ एवं अवसर' विषय पर परिचर्चा सत्र का आयोजन किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बिहार विधान परिषद के उपाध्यक्ष मो. हारुन राशिद, मुख्य वक्ता के रूप में बिहार के उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री आर के गोयल, उप अंचल प्रमुख, पटना अंचल तथा विशेष वक्ता के रूप में राष्ट्रीय वित्तीय शिक्षा केंद्र, मुंबई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. के एन सिंह उपस्थित थे.

Day Care Facility at BST Building, Mumbai.

Our Executive Director Smt. Papia Sengupta inaugurated a Day Care Facility for children of Bank's employees on International Women's Day - March 8th, 2019 at Baroda Sun Tower, Mumbai. This initiative is designed to help employees to save time and reduce stress of finding the right care for children in the age group of 6 months to 6 years. On this occasion, Dr. Archana Swami, Chairperson - Baroda Shakti addressed the gathering. Executive Director Shri V S Khichi along with other executives of the Bank were present during the inauguration ceremony. This creche is set up by Facilities Management Department under the guidance of Shri K B Gupta, General Manager (Facilities Management, COA & DMS).

Our UAE office conducts Town Hall Meet

Bank's UAE Office conducted Town Hall Meet on 16th January 2019. Our Executive Director Smt. Papia Sengupta addressed all the Officers of the Territory. Shri Nagesh Srivastava, General Manager (Large Corporate & Institutional Relationship), Shri D. Ananda Kumar, Chief Executive, GCC Operations also spoke on the occasion.

मिस्र के प्रतिनिधियों द्वारा बैंक के मुंबई अंचल का दौरा

मिस्र के प्रतिनिधियों द्वारा दिनांक 17 जनवरी, 2019 को हमारे मुंबई अंचल का दौरा किया गया. इस दौरान उन्होंने बैंक के एसएमई विभाग की कार्यप्रणाली को समझते हुए कई एसएमई इकाइयों का दौरा भी किया. अंचल प्रमुख श्री नवतेज सिंह ने प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए उन्हें बैंक की कार्यप्रणाली से अवगत कराया. इस दौरान एसएमई विभाग के स्टाफ सदस्यों ने भी प्रतिनिधि दल को अपेक्षित सहयोग प्रदान किया.

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, राजस्थान की 141 वीं बैठक संपन्न

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, राजस्थान की 141वीं बैठक दिनांक 17.05.2019 को जयपुर में कार्यपालक निदेशक श्री विक्रमादित्य सिंह खीची की अध्यक्षता में तथा बैंक के महाप्रबंधक श्री प्रकाश वीर राठी के संयोजन में संपन्न हुई. इस बैठक में स्थानीय प्रशासन, राजस्थान सरकार तथा नाबार्ड के पदाधिकारियों सहित सभी बैंकों के वरिष्ठ कार्यपालकों ने सहभागिता की. बैंक के उप महाप्रबंधक (एसएलबीसी) श्री राकेश शर्मा ने बैठक की कार्यसूची पर चर्चा का संचालन किया.

Visit of Smt. Papia Sengupta, Executive Director to Seychelles Branch

प्रधान कार्यालय, बड़ौदा भवन में फॉयर मॉक ड्रिल का आयोजन

दिनांक 1 मार्च, 2019 को प्रधान कार्यालय परिसर बड़ौदा भवन, बड़ौदा में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया जिसमें आग की घटना होने पर परिसर खाली करने एवं अन्य सम्बंधित आपदा प्रबंधन कार्यकलापों का पूर्वाभ्यास किया गया. प्रधान कार्यालय के सुरक्षा विभाग ने बड़ौदा महानगरपालिका के अग्निशमन व आपातकाल सेवा विभाग के साथ मिलकर इस मॉक ड्रिल का अभ्यास किया. श्री बी आर पटेल, महाप्रबंधक (ग्रामीण एवं कृषि बैंकिंग व सीएसआर) की अगुआई में बड़ौदा भवन में कार्यरत सभी स्टाफ सदस्यों ने इस ड्रिल में उत्साह के साथ भाग लिया.

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (उत्तर प्रदेश) द्वारा संयुक्त शिविर का आयोजन

बैंक के संयोजन में कार्यरत राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (उत्तर प्रदेश) तथा उन्नाव जिले के अग्रणी बैंक, बैंक ऑफ इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से सहयोग एवं संपर्क अभियान के अंतर्गत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को बढ़ावा देने हेतु दिनांक 1 फरवरी, 2019 को उन्नाव में एक विशाल शिविर का आयोजन किया गया. उन्नाव जनपद केंद्र सरकार की '100 जनपद 100 उत्पाद' योजना के अंतर्गत चयनित जनपदों में से एक है. इस शिविर को वित्त मंत्रालय के अपर सचिव श्री देबाशीष पांडा, आईएएस एवं एसएलबीसी (उत्तर प्रदेश) के संयोजक तथा बैंक के लखनऊ अंचल के महाप्रबंधक डॉ. रामजस यादव द्वारा भी संबोधित किया गया.

Our Executive Director Smt. Papia Sengupta and Head-African Operations Mr. M K Charry visited our Seychelles Territory on 03.05.2019. During the visit they also met with Dy. Governor, Central Bank of Seychelles Ms. Jenifer Sullivan and Hon'ble Minister of Finance Mr. Maurice Loustau Lalane. Mr. Ashok Kumar, Chief Executive, Seychelles Territory and other officials were present on the occasion.

बैंक का गुजरात चैम्बर ऑफ कॉमर्स के साथ एमओयू

बैंक द्वारा गुजरात चेम्बर ऑफ कॉमर्स के साथ BOB-GCCI MSME Helpdesk की स्थापना हेतु एमओयू किया गया. दिनांक 23.03.2019 को गुजरात चैम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित कार्यक्रम में इस एमओयू पर हस्ताक्षर भी किए गए. यह एमओयू अहमदाबाद अंचल के अंचल प्रमुख श्री के वी तुलसीबागवाले और गुजरात चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष ने साझा किया.

Bank signs 'Preferred Financier' MoU with Kia Motors India

On 01 March 2019, our Bank announced the signing of a Preferred Financier Memorandum of Understanding (MoU) with Kia Motors India Private Limited, a subsidiary of Kia Motor Corporation, Korea's oldest manufacturer of motor vehicles, headquartered in Seoul to provide a detailed financing structure for both dealers and consumers. The MoU was signed between Shri P.S. Jayakumar, MD & CEO, Bank of Baroda and Shri Yong S. Kim, Executive Director & Chief Sales Officer, Kia Motors India.

Bank participated in Vibrant Gujarat Trade Show 2019

Our Bank participates in Vibrant Gujarat Global Summit and Global Trade Show from 17th to 22nd January 2019 organized by Government of Gujarat. Bank participated in the exhibition as Sliver Sponsor and had main stall at Banking and Finance Dome No.2 and second stall at Pavillion Dome. Our African stall was at prime location at entrance of Dome and the stall was visited by Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi. Our MD&CEO Shri P S Jayakumar and General Managers Shri Rajneesh Sharma and Shri K V Tulshibagwale attended the summit on 18.01.2019. Deputy Zonal Head Shri A K Chugh co-ordinated the program.

Visit of Executive Director Smt. Papia Sengupta to Fiji

Our Executive Director Smt. Papia Sengupta visited our Fiji Territory. During a staff meeting she highlighted the performance of Bank and discussed in brief about the smooth Amalgamation of three Banks and business growth of the Bank in line with the corporate objectives. She met with the regulator, Honourable High Commissioner of India to Fiji and also attended in a review meeting of Branch Heads and awarded to Top Performers of the Territory.

Special Workshop at Baroda Manipal School of Banking, Bengaluru

A special workshop for participants of 23rd Batch of Baroda Manipal School of Banking, Bengaluru was conducted on 14.03.2019. During the programme, Dr. Jawahar Karnavat, General Manager (OL, Liabilities, Deposit Resources and LRC) addressed the participants and briefed about the USPs of various Retail liability products of the Bank, marketing of products and need of knowledges of various language including Official Language policy of Govt. of India. Shri Raghunandan, Associate Dean of BMSB and other faculties of the institute were also present on the occasion.

पटना अंचल में टाउन हॉल बैठक का आयोजन

पटना अंचल द्वारा दिनांक 30.04.2019 को प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री पी एस जयकुमार की अध्यक्षता में टाउन हॉल बैठक आयोजित की गई. इस अवसर पर पटना अंचल के अंचल प्रमुख श्री राजेन्द्र कुमार, भुवनेश्वर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री एन बेहरा, पटना क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनीष कौरा, जमशेदपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री राकेश मानिक, संबलपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री विवेक गुप्ता, पूर्णिया क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री अंबिका प्रसाद गुप्ता, मुजफ्फरपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री बाणीब्रत बिश्वास, अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय,पटना के स्टाफ सदस्य तथा पूर्ववर्ती विजया बैंक एवं पूर्ववर्ती देना बैंक के स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

Town Hall Meeting held at Chennai

Our Chennai Zone conducted a Town Hall Meeting on 02.05.2019. Our MD & CEO, Shri P S Jayakumar addressed all staff members of Bank of Baroda, eVijaya Bank and eDana Bank. Shri Rajesh Malhotra, Zonal Head, Chennai Zone, Shri A Thomachan, GM (Bank of Baroda), Shri R S Ramakrishnan and Shri V Kalyan, GM (eVijaya Bank) and Shri Ganapathi Raman, DGM (eDena Bank) were also present on the occasion.

लखनऊ अंचल द्वारा सम्मान समारोह “उत्कर्ष” का आयोजन

दिनांक 08 अप्रैल, 2019 को कार्पोरेट महाप्रबंधक (कृषि एवं ग्रामीण बैंकिंग तथा सीएसआर) श्री बी आर पटेल एवं कमर्शियल वाहन वर्टिकल हेड श्री ध्रुवाशीष भट्टाचार्य की उपस्थिति तथा अंचल प्रमुख डॉ. रामजस यादव की अध्यक्षता में लखनऊ अंचल में सम्मान समारोह “उत्कर्ष” का आयोजन किया गया. समारोह के दौरान विगत वित्तीय वर्ष में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन करने वाले क्षेत्रों के क्षेत्रीय प्रमुखों एवं शाखाओं के शाखा प्रबन्धकों तथा अंचल कार्यालय के स्टाफ सदस्यों को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर उप अंचल प्रमुख श्री दविन्दर पाल ग्रोवर, उप महाप्रबन्धक (जेडआईएडी) श्री महेन्द्र कुमार सहित लखनऊ अंचल के सभी 09 क्षेत्रीय प्रमुख उपस्थित रहे.

Customer Meet at Kollam Branch, Ernakulam Region

Our Kollam Branch, Ernakulam Region conducted a Customer Meet on 26.04.2019 in connection with its Golden Jubilee. Dr. S. Karthikeyan IAS, the District Collector of Kollam was the Chief Guest and Mrs. R Ghayathri, Regional Head, Ernakulam Region presided over the function. The Chief Manager of the Branch Shri K Rajeev welcomed the gathering and Shri Satheesh proposed vote of thanks.

Bank participates in Tata Mumbai Marathon 2019

Bank participated in Tata Mumbai Marathon 2019 held at Mumbai on 20th January, 2019. Our MD & CEO Shri P S Jayakumar thanked the organizers of this event that gave us a platform to engage as employees, bond as a team and off course, create health awareness. Executive Directors Smt. Papia Sengupta and Shri S L Jain, General Managers, other Top Executives along with more than 100 staff members of the Bank participated in the event actively.

बॉब फायनेंसियल सोल्यूशन्स ने दिया महाराष्ट्र मुख्यमंत्री राहत कोष में योगदान

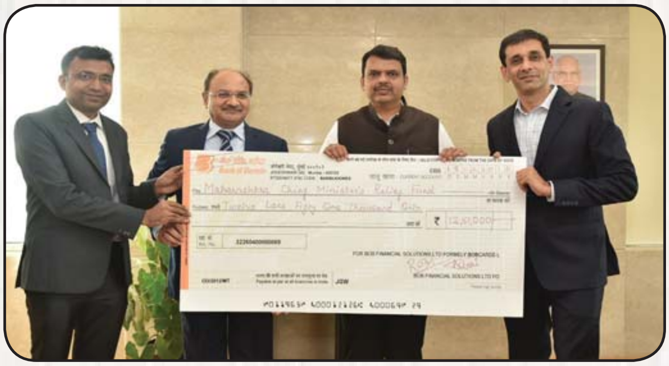

दिनांक 22 फरवरी, 2019 को बैंक की सम्पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी बॉब फायनेंसियल सोल्यूशन्स द्वारा महाराष्ट्र मुख्यमंत्री राहत कोष में रू. 12.51 लाख का योगदान किया गया. यह चेक कार्पोरेट सामाजिक दायित्व के तहत मुंबई अंचल के अंचल प्रमुख श्री नवतेज सिंह तथा बॉब फायनेंसियल सोल्यूशन्स के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री मनीष ए. शाह तथा कंपनी सचिव श्री विपुल बरोट ने महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस को सौंपा. बॉब फायनेंसियल सोल्यूशन्स द्वारा गुजरात के मुख्यमंत्री राहत कोष में भी समान राशि का योगदान दिया गया है.

Inauguration of our Abu Dhabi Branch in new premises

Our Executive Director Smt. Papia Sengupta inaugurated the Abu Dhabi Branch in its new premises on 15th January 2019 in the presence of H.E. Navdeep Singh Suri, the Ambassador of India to UAE and Dr. B. R. Shetty, Founder and Chairman of NMC Health, Shri Nagesh Srivastava, Corporate GM, Shri D. Ananda Kumar Chief Executive, GCC Operations, Shri Mahaveer Gupta, AGM (BH) along with all other valued customers and staff of the UAE Territory.

Bank associates with Pro Volleyball League Season- I as Associate Sponsor

Our Bank has always endeavoured to support the aspirations of the millennial by tapping their potential with meaningful associations through sports, arts, literature and more. In continuation with this objective, Bank got associated with Pro Volleyball League Season 1 as Associate Sponsor. The event was held from 2nd - 22nd Feb, 2019 at Kochi and Chennai. Shri O K Kaul, General Manager (Mktg, Corp. Comm. & WMS) handed over the `Bank of Baroda Most Valuable Player of the Season Award' on the day of Finals of RuPay Pro Volleyball League.

प्रयागराज के कुंभ मेले में बैंक की अस्थायी शाखाओं एवं एटीएम का उद्घाटन

दिनांक 10.01.2019 को प्रयागराज के कुंभ मेले में बैंक की 02 अस्थायी शाखाओं (सैक्टर 1 व सैक्टर 2) का शुभारंभ माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश श्री योगी आदित्यनाथ के कर कमलों से किया गया. अपने संबोधन में मुख्यमंत्री महोदय ने बैंक द्वारा किए जा रहे सभी प्रयासों की अत्यंत सराहना की. इस अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए विशेष रूप से तैयार प्रीपेड कार्ड लांच किया गया. साथ ही बैंक का मोबाइल एटीएम भी मेला क्षेत्र में परिचालित किया गया. इस कार्यक्रम में लखनऊ अंचल के अंचल प्रमुख डॉ. रामजस यादव तथा इलाहाबाद क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री पी के दास सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

लखनऊ अंचल में टाउन हॉल बैठक का आयोजन

दिनांक 10.05.2019 को हमारे कार्यपालक निदेशक श्री विक्रमादित्य सिंह खीची की उपस्थिति में अंचल कार्यालय, लखनऊ द्वारा टाउन हॉल बैठक का आयोजन किया गया. बैठक के दौरान लखनऊ अंचल की उपलब्धियों पर प्रस्तुति दी गई. इस अवसर पर लखनऊ अंचल के अंचल प्रमुख डॉ. रामजस यादव तथा उप महाप्रबंधक (जेडआईएडी) श्री महेंद्र कुमार सहित सभी क्षेत्रों के क्षेत्रीय प्रमुख तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

NEWS

Visit of Executive Director Smt. Papia Sengupta to Australia

Our Executive Director Smt. Papia Sengupta visited our Sydney Office, Australia on 27.05.2019 alongwith Head- East Asia and Far East Mr. Sunil Kumar Srivastava. During staff meeting, she briefed to all staff about Bank's future strategy towards achievement of business goals and motivated them. Shri Yadvendra Singh, Vice president, Sydney, Australia and other staff members were also present on the occasion.

Bank announces strategic alliance with Srei Equipment Finance

On 18 April, 2019, Bank announced a strategic alliance with M/s Srei Equipment Finance Limited to offer joint loans for infrastructure equipment under a co-lending arrangement. The two partners will also use the platform of iQuippo, a unique digital marketplace. Our MD & CEO Shri P S Jayakumar, Shri Devendra Kumar Vyas, MD, Srei Equipment Finance Ltd. and Shri Anant Raj Kanoria, CEO, iQuippo were present on the occasion.

Bank signed MOUs with six companies

In presence of our MD&CEO Shri P S Jayakumar and Executive Director Shri V S Khichi, Shri B.R.Patel, General Manager (Rural & Agri Banking and CSR) signed MOUs with six companies (Skymet Weather Services, Weather Risk Management Services, BigHaat, Agrostar India, EM3 Agri Services and Poorti Agri Services) for Baroda Kisan Digital Platform on 25th March, 2019. Shri O K Kaul, General Manager & Head (Marketing, Corp. Comm.& WMS), Shri P Rajshekharan, General Manager (Special IT Project) and other officials were also present on the occasion.

बैंक ने की वरिष्ठ नागरिकों और महिलाओं के लिए विशेष बचत खातों की शुरूआत

महिलाओं को सशक्त बनाने और बुजुर्गों के लिए बैंकिंग को आसान बनाने के उद्देश्य से बैंक द्वारा दिनांक 15.01.2019 को दो नए बचत खातों, बड़ौदा महिला शक्ति बचत खाता और बड़ौदा वरिष्ठ नागरिक विशेषाधिकार खाते की शुरूआत की गई. इस अवसर पर हमारे प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री पी एस जयकुमार, कार्यपालक निदेशक श्री एस एल जैन, महाप्रबंधक (मार्केटिंग एवं धन संपदा प्रबंधन) श्री ओ के कौल तथा महाप्रबंधक (राजभाषा, देयताएं एवं जमा संग्रहण व एलआरसी) डॉ. जवाहर कर्नावट सहित अन्य वरिष्ठ कार्यपालक एवं अधिकारीगण उपस्थित थे.

राजकोट अंचल में टाउन हॉल बैठक का आयोजन

दिनांक 25.06.2019 को राजकोट अंचल द्वारा टाउन हॉल बैठक का आयोजन किया गया. इस बैठक में हमारे कार्यपालक निदेशक श्री विक्रमादित्य सिंह खीची तथा बैंक के निदेशक डॉ. भरत डांगर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे. बैठक का संयोजन राजकोट अंचल के प्रमुख श्री संजीव डोभाल ने किया. इस बैठक में उप अंचल प्रमुख श्री प्रदीप सचदेवा, उप महाप्रबंधक श्री चरणजीत सिंह एवं क्षेत्रीय प्रमुख राजकोट श्री संजय गुप्ता सहित लगभग 700 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया.

Cyber Crime: Cause and Prevention

In technically driven society, people use various devices to make life simple. Globalization results in connecting people all around the world. The increasing access to and continuous use of technology has radically impacted the way in which people communicate and conduct their daily lives. The internet connects people and companies. Nevertheless, the internet and computer can pose some threats which can have disparaging impact on civilisations.

What is Cyber Crime :

Cyber crime can be defined as a crime or an unlawful act where the computer is used either as a tool, a target or both. It can also be defined as any criminal activity that uses a computer either as an instrument, target or a means for perpetuating further crimes comes within the definition of cyber crime. Cybercrime may threaten a person or a nation's security and financial health. Some examples of cyber crime include phishing, spoofing, credit card fraud, online transaction fraud, cyber defamation, child pornography, etc.

In present environment, since most information processing depends on the use of information technology, the control, prevention and investigation of cyber activities is vital to the success of the Organizations and individuals.

Causes of Cyber Crime in India

Here are various ways in which cyber crime can take place. The most familiar ones are hacking, child pornography, theft related to telecommunication services, communications in relation to criminal conspiracies, telecommunication piracies, dissemination of offensive materials which may include racist propaganda, objectionable pictures, or anything falling in that category, electronic money laundering and tax evasion, electronic vandalism, terrorism and extortion, sales and investment fraud, electronic fund transfer frauds and illegal interception of telecommunications.

Many countries have been wrapped under the blanket of cyber crime. The graph of cyber crime shows a step upwards with each passing year. The United States of America contributes most to the augmentation of cyber crime, followed by China, Germany, Britain, Brazil, etc. In India, According to the National Crime Records Bureau, Ministry of Home Affairs there is rapid increase in cyber crime by 50% on year to year basis. The statistics mainly show cases registered under Cyber Crimes by motives and suspects. Maximum number of offenders came from the age group of 18-30 years.

Cybercriminals always choose an easy way to make big money. They target rich people or rich organizations like banks, casinos and financial firms where the transaction of a huge amount of money is made on an everyday basis and hack sensitive information.

Types of Cyber Crime in India

Cyber crime can be committed in two ways - one in which the computer is the target of a cyber attack, and the other in which the computer is used to commit a cyber crime against any person or entity.

Cyber crimes in India are categorised into mainly following types :

- **Cyber crime against a person:**

  This type of cyber crime is committed against a person using an electronic domain as a medium. Cyber crime against a person includes:

1. **Cyber stalking:** Generally, the term 'stalking' means, repeated acts of harassing someone. Whereas, Cyber stalking is online harassment when a person is stalked using the internet as a medium. Generally, the stalker is aware of the victim or gains knowledge about victim's family and their activities, instead of stalking them in reality, the stalker keeps a track of a person's online activities to stalk the victim. A Stalker can use the internet, emails, SMS, webcams, phones calls, websites or even videos to harass his target.
2. **Hacking:** Hacking means getting an unauthorised access to someone's personal information stored in a computer system without the permission of either rightful owner of the computer or person in charge of that particular system for illegal gains or misuse. Every act committed to breaking into a computer system and /or network is hacking. Hackers get access to the user's personal and sensitive information. They can also monitor every online activity of a person like logging in, credentials added, banking transactions made, etc.
3. **Cracking:** Crack generally refers to the means of achieving software cracking. Cracking refers to digitally removing the Copyright protection code which prevents copied or pirated software from working on computers which do not have the Software vendor or owner's authorisation. The person who is involved in such activity is different from a hacker and is known as a cracker. Cracker uses his knowledge to break the cyber law and tampers with the computer application.
4. **Defamation:** Online or cyber defamation involves damaging someone's reputation in the society using a computer or the internet as a medium. This is done by writing a derogatory statement about a person on social media, posting vulgar pictures or videos, sending derogatory E-mail to the victim's friends etc.
5. **Online Fraud:** Online fraud is one of the most common types of cyber crime. It involves stealing a person's sensitive information like banking credentials by using phishing sites and withdrawing money from victim's account.
6. **Dissemination of Obscene Material:** It includes distribution of obscene materials or pornography on social media. It includes hosting of websites containing pornographic material which has a tendency to deprave or corrupt the minds of individuals.
7. **Child pornography:** Circulation of any material that has a

tendency to deprave the mind of the minor children is also a cyber crime. It involves the use of electronic devices to create, distribute or access material which is obscene in nature and have a tendency to corrupt young minds.

8. **Spoofing:** Spoofing involves misrepresentation of the origin of any data. While an Email/ SMS is generated from one source, it shows that it has been generated from another. Cyber criminals use this means to get personal information of the user like bank details, etc.

9. **Phishing:** It involves sending spam emails to the user while claiming to be an established enterprise in order to obtain his personal information.

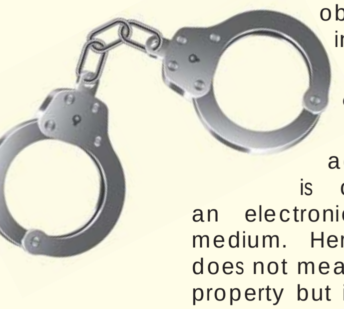

- **Cyber Crime against property:**

Cyber crime against property is committed using an electronic device as a medium. Here, the property does not mean any immovable property but includes movable and intangible property like computers, Intellectual Property, etc. Different cyber crimes against property are:

1. **Transmitting virus:** A computer virus is a malware programme that infects files, disk drives, and computer programmes. Programmes that multiply like viruses and spread from computer to computer are called 'worms'. Virus, Worms, Trojan Horse, Timebomb, Logic Bomb are some examples of malicious software that infect the computer.

2. **Cybersquatting:** Cyber-squatting is when two or more persons claim the same domain name. Squatting is unlawfully occupying an uninhabited place. The hacker claims that he was the first one to use the domain name before the actual owner of the domain name.

3. **Cyber Vandalism:** It involves the destruction of data on any electronic medium.

4. **Intellectual Property Crimes:** IPRs are intangible property rights. IPR thefts are the most common cyber crimes in India and include online piracy, software piracy, infringement of patents, designs, trademark, copyright, theft of source code, etc.

How to Prevent Cyber Crime?

The usual methods of fighting crime, which individual should take care while dealing in Cyber world are :

- Use the different password and username combinations for different accounts and resist the temptation to write them down.
- Be sure that one should keep the social networking profiles (Facebook, Twitter, YouTube, etc.) private. Be sure to check security settings. Be careful of what information one is posting. Once it is on the Internet it is there forever.
- Secure Mobile Devices: Many people are not aware that their mobile devices are also vulnerable to malware attacks. Be sure to download applications only from trusted sources. It is also crucial to keep operating system up-to-date. Installation of anti-virus software and to use a secure lock screen is very important. All this prevent unauthorised access of personal information on phone, in case of misplaced mobile, Someone could even install malicious software that could track movement through GPS.
- Protect the data: Protect data by using encryption for most sensitive files such as financial records and tax returns.
- Computer users must use a firewall to protect their computer from hackers. Most operating systems comes with a firewall. Turn on the firewall that comes with their router as well.
- It is advised by cyber experts that users must shop only at secure websites. Look for a Digital Certificate/ VeriSign seal when checking out. One should never give credit card/Debit Card information to a website that looks suspicious or to strangers.
- It is suggested to monitor children and how they use the Internet. Install parental control software to limit where they can surf.
- Users must be alert while using public Wi-Fi Hotspots. While these access points are convenient, they are far from secure. Avoid conducting financial or corporate transactions on these networks.
- Protect e-identity. Users must be careful when giving out personal information such as name, address, phone number or financial information on the Internet. Make sure that websites are secure.
- Avoid being scammed: It is suggested that users must assess and think before they click on a link or file of unknown origin. Do not open any emails in inbox. Check the source of the message. If there is a doubt, verify the source. Never reply to emails that ask them to verify information or confirm their user ID or password.

Cyber Crime and Cyber Laws

In order to curb the menace caused by the cybercriminals, the government has enacted the Information Technology Act, 2000 whose prime objective is to create an enabling environment for effective use of the internet along with reporting cyber crime in India. The IT Act, 2000 and its subsequent amendments in 2008, is a comprehensive law that deals with technology with respect to e-governance, e-commerce, and e-banking. The cyber law also lays down the penalties and cyber crime punishment in India.

How to report Cyber Crime in India?

To report cyber crime in India, the first step is to file a complaint at the cyber crime cell in a police station of the city where the crime has taken place, or where the device is located which was affected. One can go to the police station or send a mail to the Police as they will forward the complaint to the Cyber Cell.

What is the punishment for cyber crime in India?

The punishment for cyber crime in India varies in every case as per the type of cyber crime committed and the gravity of the cyber crime along with the damage caused due to it. It is, therefore, best advised to consult a cyber lawyer to file a complaint and understand the legal formalities and documents required as per the cyber crime law in India.

In brief, Cybercrime is evolving as a serious threat. A cyber-attack is an attack originated from a computer against a website, computer system or individual computer that compromises the confidentiality, integrity or availability of the computer or information stored on it. It is major and perhaps the most complicated problem in the cyber domain. Worldwide governments, police departments and intelligence units have begun to react against cybercrime. The Internet User at their own level should be more preventive and atmost care should be taken at their end while working in this cyber World.

Shilpa Kukreti

Senior Manager (Faculty)
Baroda Academy, Jaipur

समस्या के बजाए समस्या के समाधान पर ध्यान दें

- एम एल शर्मा, महाप्रबंधक (सेवानिवृत्त)

श्री एम एल शर्मा पिछले दिनों बैंक की सेवा से सेवानिवृत्त हुए. अपनी लगभग 41 वर्षों की सुदीर्घ बैंकिंग सेवा के दौरान आपने बैंक में विभिन्न स्थानों पर महत्वपूर्ण कार्यदायित्वों का निर्वाह किया. अपनी सेवानिवृत्ति के समय आप बैंक के एनपीए वसूली विभाग का नेतृत्व कर रहे थे. टीम बॉबमैत्री ने श्री शर्मा से उनके जीवन और अनुभवों के बारे में बातचीत की. प्रस्तुत हैं, उनसे बातचीत के प्रमुख अंश – संपादक

कृपया अपनी पारिवारिक एवं शैक्षणिक पृष्ठभूमि के बारे में हमें कुछ बताएं.

मैं मूल रूप से बीकानेर (राजस्थान) से हूं. मेरे दो छोटे भाई हैं जिनमें एक स्टेट बैंक में उप महाप्रबंधक है व दूसरे एडवोकेट है तथा मेरी एक बहन है जिनके पति राजस्थान राज्य विद्युत वितरण निगम में सुप्रिटेंडेंट इंजिनियर है. मेरे दो बच्चे हैं – बेटा एमबीए कर मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत है. पुत्रवधू एवं बेटी ने एमबीए किया है. दामाद सी.ए. एवं आई.सी.डब्ल्यू.ए. है एवं मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत है. परिवार में बड़ा होने के नाते अपने उत्तरदायित्व का एहसास करते हुए मैंने 19 वर्ष की उम्र में ही सन् 1977 में बैंक ज्वाइन किया. मैंने बी. कॉम., एम.कॉम, एलएलबी, सीएआईआईबी एवं लेबर लॉ, लेबर वेलफेयर और पर्सनल मैनेजमेंट में डिप्लोमा बैंक में आने के बाद किया.

आपने बैंकिंग को कॅरियर के रूप में क्यों चुना?

मैंने कॅरियर के रूप में बैंक को चुना; क्योंकि प्रेरणा स्वरूप मेरे पिताजी स्टेट बैंक ऑफ़ बीकानेर एंड जयपुर में कार्यरत थे. उस दौर में बैंक में काम करना बड़ी बात हुआ करती थी. बैंक में काम करने वालों की समाज में एक अलग ही प्रतिष्ठा थी. पहले से भी मन में यह इच्छा थी कि कमजोर तबके के किसानों, लघु उद्योगों एवं कारोबारियों के लिए कुछ किया जाए. इसी सोच के साथ मैं बैंक में आया. मेरे माता–पिता का सहयोग हमेशा बना रहा.

वर्तमान में एनपीए बैंकिंग उद्योग की सबसे प्रमुख समस्या है और आपने बैंक के वसूली विभाग का नेतृत्व किया है. एनपीए को रोकने और वसूली प्रकिया को प्रभावी बनाने के लिए बैंक के मौजूदा तंत्र को और अधिक सुदृढ़ बनाने के संबंध में आप क्या सुझाव देना चाहेंगे.

मैंने अपने 41 वर्षों की कार्यावधि में से 31 वर्ष क्रेडिट विभाग (डोमेस्टिक एवं इंटरनेशनल) में काम किया. अपने सेवा काल में मैंने 20 वर्षों तक शाखा में एवं 21 वर्षों तक प्रशासनिक कार्यालयों में काम किया. मुझे बीसीसी, अंचल कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय, विदेशों एवं अनेक शाखाओं में भी काम करने का मौका मिला. वर्तमान में एनपीए बैंकिंग उद्योग की सबसे प्रमुख समस्या है लेकिन इसे कुछ बातों को ध्यान में रखते हुए कम कर सकते हैं. जब पहली बार ग्राहक आपसे सपंर्क करता है तभी आप ऋणी का असेसमेंट कर इस बात का अंदाजा लगा सकते है कि उस व्यक्ति को लोन देना कितना उचित होगा और आप उस पर कितना विश्वास कर सकते है. स्वीकृति से पूर्व एवं इसके बाद निरीक्षण अवश्य किया जाये तभी सही स्थिति का आकलन हो सकेगा. लोन देने के बाद उस खाते की निगरानी करते हुए अनुवर्ती कार्रवाई की जानी चाहिए. सरकारी बैंक होने के नाते हमारे दौर में Standard Operating Procedure बनाया गया था ताकि खाता एनपीए होते ही सूट फाइल, सरफेसी एवं डिफॉल्टर आदि जो भी कदम उठाएं जाने हैं, इसके लिये तत्काल कार्रवाई की जाय,क्योंकि ग्राहक अधिक सजग एवं सतर्क रहता है कि उसके विरूद्ध बैंक कौन सा कदम उठाने जा रहा है. यह प्रक्रिया व्यवस्थित ढंग से बनायी गई है, किंतु उसका अनुपालन करना कर्मचारियों का उत्तरदायित्व है. नकद–साख (सीसी) खाता फैक्ट्री का आईना होता है. उनके नियमित ट्रांजेक्शन पर भी ध्यान रखना चाहिए. नियमित रूप से इसकी निगरानी होनी चाहिए. अनुपालन पार्ट को हमेशा ध्यान रखना चाहिए. अनुपालन से हट कर मैंने कभी व्यवसाय नहीं किया. खाते की चेक लिस्ट बनाकर निरीक्षण करें एवं सदैव अलर्ट रहें.

आपको बैंक की विभिन्न शाखाओं एवं कार्यालयों में कार्य करने का व्यापक अनुभव है. इनमें से कौन सी शाखा अथवा कार्यालय में कार्य करने का अनुभव सबसे अच्छा रहा ?

जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रिका) में कार्य करने का अनुभव सबसे अच्छा रहा. मैंने अपने 3 वर्ष 10 महीने के कार्यकाल में सभी स्टाफ सदस्यों के सहयोग से इस टेरीटरी के व्यवसाय को चार गुना कर दिया. इसे एनपीए फ्री टेरीटरी रखा जो

मेरे लिए एक संतोष की बात थी. वहां के स्थानीय निवासी बहुत इज्जत देते थे एवं शाखा के व्यवसाय वृद्धि में स्टाफ सदस्यों एवं स्थानीय निवासियों का सहयोग तथा सुझाव हमेशा बना रहता था. विदेशी धरती पर भारतवर्ष के नागरिकों की सेवा का एक अवसर मिला.

आपका सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण कार्यदायित्व कौन सा रहा?

सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण कार्यदायित्व मलाड (वेस्ट) शाखा में था. जब मेरा स्थानांतरण बीसीसी से मलाड (वेस्ट) शाखा में हुआ तो यह ज्ञात हुआ कि शाखा के स्टाफ सदस्यों में तालमेल नहीं है. यहां तक कि ग्राहकों के साथ भी उचित व्यवहार न होने की वजह से आये दिन शिकायतें प्राप्त होती थीं. 40 साल पुरानी शाखा और 40 हजार से अधिक जमा खाते. कुल लाभ मात्र रू. 35 लाख एवं कुल एनपीए रू. 4.57 करोड़ था. प्रति वर्ष रू.1.50 का एनपीए बढ़ जाता था. यह दौर बैंक का सबसे चुनौतीपूर्ण दौर था, जब सुबह 8 से रात्रि 8 बजे तक बैंक में कामकाज का समय था. मेरा यह मानना था कि जहाँ चुनौतियां है वहीं अवसर हैं. इसी सोच के साथ मैं आगे बढ़ा और सर्वप्रथम शाखा के सभी स्टाफ सदस्यों में समन्वय स्थापित करने का प्रयास किया और इसमें सफल रहा. फिर मैंने सुव्यवस्थित रणनीति के साथ अनुवर्ती कार्रवाई करते हुए एनपीए खातों में वसूली सुनिश्चित की. परिणाम यह हुआ कि सभी खातों में वसूली संभव हुई. शाखा का व्यवसाय बहुत बढ़ा. यह शाखा शिकायत मुक्त हो गई और इसका लाभ रू. 3 करोड़ हो गया. यहीं से मेरी पदोन्नति भी हुई.

बैंक की गृह पत्रिका 'बॉबमैत्री' के बारे में आप क्या सुझाव देना चाहेंगे?

बैंक की गृह पत्रिका 'बॉबमैत्री' की विषय-वस्तु बहुत बढ़िया रहती है. इसका कलेवर भी बहुत अच्छा रहता है. पत्रिका में विविध विषयों का समावेश इसे रोचक एवं ज्ञानवर्द्धक बनाता है.

अत्यंत व्यस्त बैंकिंग पेशे में आपने अपने कार्यालय एवं व्यक्तिगत/पारिवारिक जीवन के बीच कैसे संतुलन बनाया?

मैंने कार्यालय एवं पारिवारिक जीवन के बीच सामंजस्य बनाये रखा. माता - पिता की अहम भूमिका से परिवार संयुक्त रूप से गठित रहा. कार्यालय के बाद परिवार को पूरा समय दिया और परिवार ने भी अपना सहयोग हमेशा बनाये रखा, इसलिये मैं अपनी जिम्मेदारियों को पूरी तरह निभा सका.

आप वर्तमान बैंकिंग परिदृश्य को किस प्रकार देखते हैं, विशेषत: बैंक ऑफ़ बड़ौदा के संदर्भ में?

बैंकिंग परिदृश्य को देखें तो आज बैंक ऑफ़ बड़ौदा बहुत ही मजबूत स्थिति में है. आज की बैंकिंग काफी चुनौतीपूर्ण एवं प्रतिस्पर्धात्मक है. पहले हम लोगों के पास आम जनता आती थी और आज हम उनके पास जाते हैं. अब जरूरत इस बात की है कि हमारे उत्पाद जनसाधारण के अपेक्षाओं के अनुरूप हो. हमें अल्टरनेट डिलिवरी चैनल को और अधिक मजबूत करने की जरूरत है ताकि हर तरह की सुविधा शाखा के बाद भी उपलब्ध हो. ग्राहक दृष्टिकोण से हमें इसे और अधिक सक्रिय, सजग एवं सुरक्षित बनाने की आवश्यकता है. इस क्रम में हमें गांव के व्यक्तियों को मोबाइल बैंकिंग में सजग करना बहुत जरूरी है ताकि उनका जुड़ाव बैंक से हो सके. हमारी ग्राहक सेवा का स्तर उत्कृष्ट हो.

आप बैंक के भविष्य के बारे में क्या सोचते हैं एवं बड़ौदियनों के लिए आप क्या संदेश देना चाहते हैं, विशेष तौर पर हमारे युवा साथियों को?

निश्चित रूप से बैंक का भविष्य उज्ज्वल है. हमें अन्य बैंक से आये हुए कार्यपालक निदेशकों के अनुभवों का लाभ मिल रहा है. अन्य बैंकों से हमारी स्थिति बेहतर है. युवा साथी हमेशा अपने आपको अपडेट रखें ताकि ग्राहकों को उचित जानकारी तुरंत प्रदान कर सकें. स्टाफ सदस्यों के लिए मेरा यही संदेश है कि अपने स्वास्थ्य और परिवार के लिए समय अवश्य निकालें. स्टाफ सदस्य एवं उनके परिवार हमेशा सकारात्मक विचार रखें, सादा जीवन अपनाएं. 3 फैक्ट्री कंसेप्ट - आइस फैक्ट्री, सुगर फैक्ट्री एवं लव फैक्ट्री का विचार हमेशा अपने मन में रखें. समस्या के बजाए समस्या के समाधान पर ध्यान दें. सभी बड़ौदियन के उज्ज्वल भविष्य एवं अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं.

आप सेवानिवृत्ति के बाद अपना समय कैसे व्यतीत करना चाहेंगे ?

मैंने बैंक में 41 वर्षों तक काम किया है. सेवानिवृत्ति के बाद परिवार के साथ समय बिताना चाहूंगा. स्वास्थ्य पर ध्यान दूंगा. मेरा मोबाइल नंबर 9619112204 एवं ई-मेल आईडी sharmamls1958@gmail.com है जिसके माध्यम से यदि आप सम्पर्क करेंगे तो मुझे बहुत खुशी होगी.

◇◇◇

बड़ौदा कॉर्पोरेट सेंटर, मुंबई में आमोत्सव कार्यक्रम का आयोजन

दिनांक 15.06.2019 को कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई में आमोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें हमारे प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री पी एस जयकुमार, सभी कार्यपालक निदेशकगण, ओएसडी तथा वरिष्ठ कार्यपालकों सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे. इस अवसर पर स्टाफ सदस्यों ने आम के अलग- अलग व्यंजनों का आनंद उठाया. इस कार्यक्रम का संयोजन महाप्रबंधक (सुविधा प्रबंधन, कार्पोरेट कार्यालय प्रशासन, डीएमएस एवं सुरक्षा) श्री के बी गुप्ता ने किया.

बैंक की 'परिवेश संहिता' 2019-22 का विमोचन

बैंक की 'परिवेश संहिता' 2019-22 का विमोचन दिनांक 15.06.2019 को कार्पोरेट कार्यालय, मुंबई में हमारे प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री पी एस जयकुमार के कर-कमलों से किया गया. इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्रीमती पापिया सेनगुप्ता, श्री शांतिलाल जैन तथा श्री विक्रमादित्य सिंह खीची, ओएसडी श्री मुरली रामास्वामी तथा महाप्रबंधक (सुविधा प्रबंधन, सीओए, डीएमएस एवं सुरक्षा) श्री के बी गुप्ता उपस्थित थे. यह परिवेश संहिता शाखाओं के लेआउट, फर्निशिंग इत्यादि के दिशानिर्देशों और मानकों का एक संकलन है.

IMPORTANCE OF WORK LIFE BALANCE

"दिल ढूंढता है फिर वही फुर्सत के रात दिन" This famous song from the film "मौसम" summarizes the mental state of today's stressed out workforce worldwide.

Engrossed in work 24x7, meeting targets, deadlines, travelling long hours for work, peer pressure for being perfect in all phases of life; is making Young Indians - a stressed out bunch, which is taking an adverse toll on their physical and mental wellbeing, further leading to critical health issues like premature ageing, Diabetes, hypertension and subsequent cardiac failure.

As per latest WHO report, India has estimated 31.7 million diabetics as on year 2000, and it will reach 79.4 million by 2030, which implies that India – is the diabetic capital of the world.

Not only has this, one in three Indian adults has high B.P, which is the main reason for so many incidents of death due to cardiac arrest among young population.

Now, the question arises why these silent killers are overpowering us and what are the skills needed to tackle the issue at hand?

The culprit referred in this question is- "Work –Life Imbalance In Daily Life", which is leading to burnout among working populace specially among the young ambitious ones, who want to scale more heights in shortest possible time.

Work-Life Balance-

It's a fine and delicate balance between one's professional life and other aspects of life-like personal and social lives. Giving maximum time to professional life and ignoring personal life/hobbies/ social activities creates imbalance in life and gives a rise to feeling of stress and guilt, which in turn adversely affects the productivity at work.

Factors leading to work –life imbalance

1) **Inability to manage time effectively-** "Time And Tide wait For None", and everybody has same 24 hours at their disposal every day, still some manage to squeeze in maximum out of those 24 hours, while others crib about lack of time; difference lies in individuals' skill of time management. It is extremely important to prioritize one's day to day work into- categories like- urgent, important and others, so that anything urgent and important is not left out and other category is not given unnecessary priority in a particular day. This will not only ease the tension but also enhance productivity at work leading to self satisfaction and resultant organizational growth.
2) **Multi-tasking-** Call it the necessary evil of modern era, it is ruining the focus of the worker, making him/her vulnerable to making many mistakes, which again provides unnecessary stress to the individual. Also Man is not genetically designed to be a multi tasker, in any given circumstance if he is made to do so, obviously, the individual loses interest in the work at hand and just tries to complete the day's work and justify his salary.
3) **Being perfectionist-** Bringing perfection in every task, requires more than sufficient time for completion of the same, which induces the habit of devoting long working hours affecting physical and mental health of a person.
4) **Inability to say NO-** There are some people who cannot say NO to any task/person , which makes him/her more vulnerable to work pressure and imbalance in life.

Tips for Better Work- Life Balance -

1) **Learn to prioritize your work-** before starting the day, one must mentally prepare a roadmap depicting- what to do and how to do, also noting it down in a diary or making a TO-DO list and pasting it on desk is a good start to prioritizing things. One can also allot time lines for completion of the same and as far as possible avoid distractions for timely completion of the same.
2) **Giving "ME-TIME"-** starting the day early , will give a person ample ME-TIME, when he/she can

breathe in the fresh air and introspect as to how he/she can make maximum out of the day. This ME-TIME should be devoid of any distractions and should invariably include exercise/ yoga.

3) **Exercise and Yoga-** physical exercise along with deep breathing pranayam exercise 30 minutes 4 to 5 times a week , infuses new energy into the body and energizes the individual to take upon the challenges of the day. Also it reduces the chances of incurring critical lifestyle diseases like B.P, Diabetes, and cancer in life.

4) **Diet and Nutrition strategies-** Wholesome diet rich in complex carbohydrates, protein and vitamins gives a boost to the body and it gets charged for working day long without fatigue. It is also important to shun out junk food like- burgers, colas which are high in sugar but poor in nutrient content, for maintaining ideal body weight

5) **Unplug-** It's very important to unplug oneself from work mode to family mode, once at home, or during holidays/vacations so that body and mind can relax properly. TV, Phone, internet usage should be minimal during that time.

6) **Taking vacations/ short trips for rejuvenation-** utilizing extended weekends one can plan out short trips /family vacations to spend quality time with nature, self and family and come back with renewed energy and vigor.

7) **Pursuing Hobbies-** To develop all round personality or to distress oneself one must inculcate some hobby like- book reading/ gardening/singing/travelling, this have a calming effect on mind and a calm mind works brilliantly.

8) **Avoiding Gossip mongers/time wasters –** one has to identify the persons/ tasks which wastes one's time, like- unnecessary surfing net, face book, twitter etc, which drains away the precious energy and leaves us with negativity/frustrations.

9) **Learn to say NO -** Saying yes to every work/ giving false commitments will lead to further stress, that's why its important to identify the task for which one is accountable for and prioritize things accordingly.

In nutshell, adopting these mini skills /tips in life will not only enrich our life but also increase our productivity at workplace , also we must always remember the famous saying by Dolly Patron:-

"NEVER GET SO BUSY MAKING A LIVING, THAT WE FORGET TO MAKE A LIFE"-because as aptly said in Hindi "YE ZINDAGI NA MILEGI DOBARA".

◇◇◇

Riya Maitra
Manager-Credit Monitoring
Delhi Metro Region-III

प्रधान कार्यालय, बड़ौदा द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस पर वृक्ष वेदना मुक्ति अभियान का आयोजन

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर प्रधान कार्यालय, बड़ौदा द्वारा वृक्षों को वेदना से मुक्ति दिलाने के लिए विशेष अभियान का आयोजन किया गया. इस मुहिम के दौरान वड़ोदरा नगरपालिका की अनुमति से बड़ौदा शहर में ऐसे अनेक वृक्षों के ट्रीगार्ड को काटकर अलग किया गया जो उन वृक्षों की वृद्धि में बाधक बने हुए थे. इस अभियान में प्रमुख (परिचालन एवं सेवाएं) श्री पी एस रेड्डी, उप महाप्रबंधक (परिचालन एवं सेवाएं) श्री एम एस महनोत, सहायक महाप्रबंधक श्री वेणुगोपाल राव, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री पुनीत कुमार मिश्र तथा अन्य वरिष्ठ कार्यपालकों की अगुवाई में अनेक स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया. उल्लेखनीय है कि इस अभियान में प्रधान कार्यालय के श्री सुरेश पटेल तथा श्री वीरेन्द्र पाठक का सराहनीय योगदान रहा है.

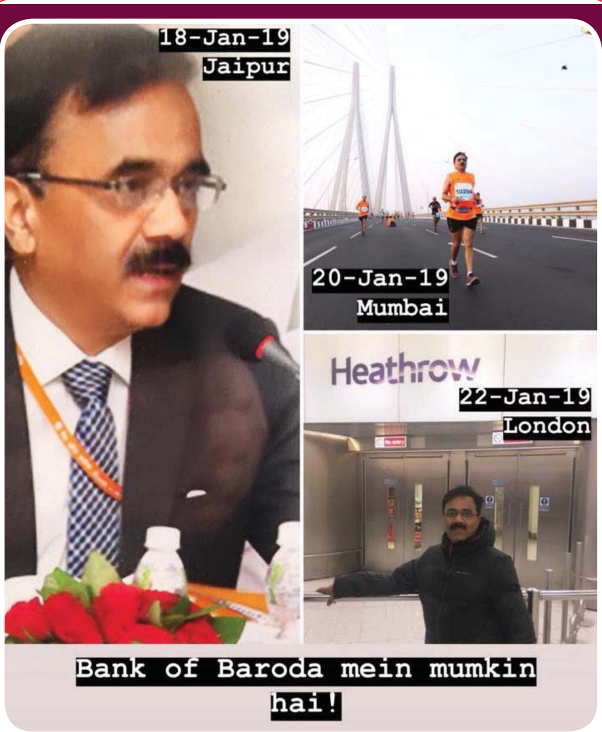

अपने कार्य का पूरा आनंद लें और सेवा भाव के साथ कार्य करें

– **नवीन चन्द्र उप्रेती**, महाप्रबंधक (सेवानिवृत्त)

श्री नवीन चन्द्र उप्रेती 31 जनवरी, 2019 को बैंक की सेवा से सेवानिवृत्त हुए. अपनी लगभग 35 वर्षों की सुदीर्घ बैंकिंग सेवा के दौरान आपने बैंक में विभिन्न स्थानों पर महत्वपूर्ण कार्यदायित्वों का निर्वाह किया. उल्लेखनीय है कि श्री उप्रेती कार्पोरेट राजभाषा प्रभारी और बॉबमैत्री के कार्यकारी संपादक भी रहे हैं. अपनी सेवानिवृत्ति के समय आप बैंक के जयपुर अंचल का नेतृत्व कर रहे थे. टीम बॉबमैत्री ने श्री उप्रेती से उनके जीवन और अनुभवों के बारे में बातचीत की. प्रस्तुत हैं, उनसे बातचीत के प्रमुख अंश – संपादक

कृपया अपनी पारिवारिक एवं शैक्षणिक पृष्ठभूमि के बारे में हमें कुछ बताएं.

मेरी प्रारंभिक शिक्षा मुख्य तौर पर नैनीताल में हुई. तदुपरांत स्नातकोत्तर मैंने गोविंद बल्लभ पंत यूनिवर्सिटी, पंतनगर से किया. हमारा परिवार सीमित साधनों वाला परिवार था. हम तीन भाई और एक बहन हैं.

आपने बैंकिंग को ही कॅरियर के रूप में क्यों चुना ?

बैंकिंग के प्रति मेरा कोई विशेष रुझान नहीं था. मैंने इस क्षेत्र को रोजगार के एक अवसर के रूप में चुना. बैंक सेवा को उस समय भी समाज में काफी प्रतिष्ठा प्राप्त थी जिसने मेरे लिए आकर्षण के रूप में काम किया. उस समय ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकों की शाखाओं के विस्तार पर विशेष बल दिया जा रहा था. इस कारण कृषि अधिकारियों के लिए रोजगार की बड़ी संभावनाएं पैदा हो गई थीं. मैंने अपना बैंकिंग कॅरियर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया में कृषि वित्त अधिकारी के रूप में शुरू किया. बैंक ऑफ बड़ौदा का नाम सर्वाधिक प्रतिष्ठित बैंक के रूप में स्थापित था. इस कारण इस बैंक से रोजगार का प्रस्ताव प्राप्त होने पर मेरे मन में कोई दुविधा नहीं रही और मैंने बैंक ऑफ बड़ौदा की सेवा में शामिल होने का निर्णय लिया.

आपको बैंक के विदेशी कार्यालय न्यूज़ीलैंड के साथ-साथ देश भर की विभिन्न शाखाओं एवं कार्यालयों में कार्य करने का व्यापक अनुभव प्राप्त है. इनमें से कौन सी शाखा अथवा कार्यालय में कार्य करने का अनुभव सबसे अच्छा रहा?

मैंने हमेशा ही दिए गए कार्य को एंजॉय किया है. सभी जगह कार्य करने का काफी रोचक एवं आनंददायक अनुभव रहा. चाहे वह तत्कालीन शाहजहांपुर क्षेत्र की तिलहर शाखा हो जहां से मैंने बैंक ऑफ बड़ौदा में अपने कॅरियर की शुरुआत की, अथवा न्यूज़ीलैंड जैसा विकसित देश, दोनों जगहों के दायित्व की अपनी–अपनी खूबियां रहीं और बहुत कुछ नया करने एवं सीखने का अवसर प्राप्त हुआ. अच्छी बात यह थी की बैंक की सेवा में रहते हुए कुछ न कुछ लोगों के जीवन में थोड़ा सा डिफरेंस क्रिएट करने का मुझे अवसर मिला.

हर जगह की अपनी–अपनी विशेषताएं होती हैं. तिलहर में काम करते हुए हमने वहां के लोगों के लिए या यूं कहें कि खुद के लिए अनेक मधुर स्मृतियों का सृजन किया. उस समय विकास उतना नहीं हुआ था, बिजली भी कभी–कभार ही उपलब्ध हो पाती थी. कृषक पुरानी कृषि पद्धतियों के आधार पर उत्पादन किया करते थे. हमने उस समय अपने कुछ साथियों की मदद से एक नया प्रयोग किया और अपने साधनों से थोड़ी बहुत जमीन ले ली. इस जमीन को हमने अपनी कृषि विशेषज्ञता एवं ज्ञान की प्रयोगशाला बना दिया. हमने अपनी भूमि पर कृषि की आधुनिक पद्धतियों का इस्तेमाल करते हुए, उसका प्रदर्शन करते हुए वहां के कृषकों को मिश्रित कृषि, बागवानी, सब्जी उत्पादन के बारे में विस्तार से बताया. हमारे इन प्रयासों को स्थानीय लोगों का काफी सम्मान एवं प्यार मिलने लगा. हमारे उन प्रयासों के कारण अभी भी उन गांवों के लोग हमें याद करते हैं और उनमें से अनेक व्यक्तियों से अभी भी संबंध काफी जीवंत बने हुए हैं. दूसरी तरफ मुझे न्यूज़ीलैंड अर्थात दुनिया के सबसे सुंदर देश में भी काम करने का मौका मिला. वहां जाकर मुझे ग्राहक सेवा के उच्चतम स्तर से रूबरू होने का अवसर मिला. न्यूज़ीलैंड में ग्राहक सेवा के काफी पारदर्शी एवं उच्च मानक थे. वहां हमारी सब्सिडियरी कंपनी का परिचालन बस आरंभ ही हुआ था. हमने न्यूज़ीलैंड में बैंक परिचालन की एक सुदृढ़ नींव तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की ताकि भविष्य में इस पर बैंक व्यवसाय की एक मजबूत इमारत खड़ी की जा सके.

तिलहर एवं न्यूजीलैंड में अपने कार्यकाल के बीच के कालखंड के दौरान मैं एक लंबी अनुभव यात्रा से गुजरा. मुझे नैनीताल में अपनी तैनाती के दौरान प्लास्टिक मनी अथवा क्रेडिट कार्ड कल्चर को वहां के स्थानीय लोगों में इंट्रोड्यूस करने का अवसर प्राप्त हुआ. उसके भी अनुभव काफी अच्छे रहे. नैनीताल में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में हम अपने कार्ड के माध्यम से फीस भुगतान की सुविधा अभिभावकों को उपलब्ध कराने में सफल रहे. स्कूलों के माध्यम से हमने अभिभावकों एवं ग्राहकों को अपने कार्ड भी वितरित किए. उस समय किए गए प्रयासों की मधुर स्मृतियां अभी भी मस्तिष्क में एक खजाने के रूप में संरक्षित हैं.

इसी यात्रा के दौरान मेरी वर्ष 2004 में वेतनमान IV में पदोन्नति हुई. मेरा स्थानांतरण देहरादून से पूर्वी अंचल में कर दिया गया था जोकि उस वक्त मेरे लिए सहज नहीं था. यह स्थानांतरण मेरे लिए काफी चुनौतीपूर्ण था क्योंकि बच्चों की पढ़ाई काफी क्रुशियल स्टेज पर थी. हवाई यातायात के साधन काफी सीमित व महंगे थे. तथापि, मैंने चुनौतीपूर्ण प्रतीत होने वाले समय को स्वयं के ऊपर हावी नहीं होने दिया एवं स्वयं को इस दबाव से काफी हद तक मुक्त रखने की कोशिश की. उस समय अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' द्वारा रचित 'एक बूंद' कविता की निम्नलिखित पंक्तियों ने मेरे लिए काफी प्रेरणा एवं संबल का कार्य किया:

लोग यूं ही हैं झिझकते, सोचते
जबकि उनको छोड़ना पड़ता है घर,
किन्तु घर का छोड़ना अक्सर उन्हें
बूँद लौं कुछ और ही देता है कर।

'एक बूंद' कविता की इन पंक्तियों में समाहित भावनाओं के प्रति अपने आप को पूरी तरह समर्पित करते हुए मैंने बैंक के पूर्वी अंचल के अंचल कार्यालय में रिपोर्ट किया. अंचल कार्यालय में रिपोर्ट करने के उपरांत दिल में इच्छा थी कि कोलकाता में ही कहीं पोस्टिंग मिल जाए लेकिन मुझे पोस्टिंग शिलांग में मिली. इसका मुझे आभास भी नहीं था. तत्कालीन महाप्रबंधक ने मुझे बताया कि यह पोस्टिंग आपकी प्रोफाइल को देख कर तय की गई है. मैंने अपने परिवार को यह नहीं बताया कि मुझे शिलांग की पोस्टिंग मिली है. मैंने जब वहां रिपोर्ट कर दिया तब शिलांग की सारी अच्छी बातों को एकत्र कर अपने परिवार को इसकी सूचना दी. वास्तव में मेरे लिए शिलांग 'सीप के मुख' की भांति साबित हुआ. वहां काम करते हुए मुझे स्टाफ सदस्यों का जबरदस्त सहयोग मिला और हमने मिलजुल कर काफी सारी नई पहलें कीं. पूर्वोत्तर राज्य का पहला मनी प्लेक्स हमारी शाखा में स्थापित हुआ. हमारी शाखा में पूर्वोत्तर का पहला बैंक का एटीएम स्थापित हुआ, वहां पर टैक्स कलेक्शन का भी काम आरंभ हुआ.

इसके पूर्व जब मैं देहरादून शाखा में कार्यरत था तब बैंक की एक नई पहल 'खोज' टैलेंट आइडेंटिफिकेशन पर काम चल रहा था. उस समय सभी स्टाफ सदस्यों से अलग–अलग क्षेत्रों में कार्य करने की उनकी इच्छा के संबंध में पूछा जा रहा था. मैंने स्वयं के लिए रिटेल बैंकिंग को चुना. चूंकि शिलांग शाखा में हमने रिटेल बैंकिंग के क्षेत्र में काफी अच्छा कार्य किया था, अतः बैंक ने मुझे कार्पोरेट कार्यालय के रिटेल बैंकिंग विभाग, खासकर लायबिलिटी प्रोडक्ट्स के संबंध में कार्य करने का अवसर प्रदान किया. यह वह समय था जब प्रोजेक्ट डिपार्टमेंट से बिजनेस ओनर के पास अलग अलग कार्य शिफ्ट किए जा रहे थे. रिटेल बैंकिंग डिपार्टमेंट में कार्य करने का अनुभव भी काफी अच्छा रहा. वहां पर कॉर्पोरेट माहौल में काम करने एवं अपनी पहचान बनाने का अवसर प्राप्त हुआ. वहां पर कार्य करते हुए मुझे एस्क्रॉम में कार्य करने का प्रस्ताव मिला. उस समय बासेल I के अनुपालन की अंतिम तारीख पास आ गई थी. हम लोग फॉक्सप्रो से विंडोज में माइग्रेट करने वाले थे, क्वार्टरली प्रोसेसिंग से मंथली प्रोसेसिंग ऑफ़ डाटा में शिफ्ट होने वाले थे. मेरे दिल में भी यह इच्छा थी कि टेक्नोलॉजी कैसे काम करती है. मैंने टेक्नोलॉजी को समझने व डाटा मैनेजमेंट को जानने के नजरिए से एक अच्छा अवसर समझकर इस अवसर को भी खुले दिल से स्वीकार किया.

तदुपरांत मुझे एस्क्रॉम के प्रमुख के रूप में कार्य करने का मौका मिला. इस दायित्व के निर्वाह के लिए मुझे एसक्यूएल सीखना पड़ा. इसके लिए मैंने स्वयं की पहल एवं खर्चे से बाहर प्रशिक्षण भी प्राप्त किया. तुलन पत्र के मैंडेटरी डिस्क्लोजर के रूप में एनपीए संबंधी आंकड़े देना, रेगुलेटर तथा ऑडिटर को डाटा क्वालिटी के बारे में आश्वस्त करना और नियमित आधार पर उच्च प्रबंधन को एमआईएस उपलब्ध कराना हमारे लिए काफी चुनौतीपूर्ण था परंतु इसे हमने बखूबी किया.

बैंकिंग के अलावा बैंक में कॉरपोरेट स्तर पर राजभाषा कार्यान्वयन पोर्टफोलियो का प्रभार आपके पास रहा है. आप जयपुर में बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष भी रहे. व्यवसाय विकास के उद्देश्य से राजभाषा कार्यान्वयन की दशा और दिशा के बारे में आपकी क्या राय है?

राजभाषा हिंदी ग्राहकों और अपने स्टाफ सदस्यों से संपर्क स्थापित करने का सशक्त माध्यम है. हिंदी कॉरपोरेट माहौल में हायरार्की की दूरियों को कम करती है, टीम को डेवलप करने में आने वाले व्यवधानों को समाप्त करती है एवं सशक्त टीम बनाने में काफी महत्वपूर्ण योगदान करती है. इस दृष्टि से हिंदी भाषा काफी मूल्यवान है. आज जरूरत है कि अपनी भाषा के इस पक्ष पर बैंक में सभी स्तरों पर चर्चा की जाए. जब बैंक का प्रत्येक स्टाफ सदस्य अपनी

भाषा के इस अमूल्य पक्ष के बारे में गहराई से समझ स्थापित कर पाएगा तो अपनी भाषा में लिखित काम को बढ़ाने में काफी मदद मिलेगी. इसके अलावा बाजार की संभावनाएं अब अर्ध शहरी एवं ग्रामीण तबकों में शिफ्ट हो रही हैं और उन क्षेत्रों में व्यवसाय बढ़ाने में हिंदी व अन्य मातृभाषाओं की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है.

राजभाषा के क्षेत्र में हमारे बैंक की छवि काफी प्रतिष्ठापूर्ण है. हमारे बैंक ने निरंतर राजभाषा के सर्वोच्च सम्मान हासिल किए हैं. अंचल कार्यालय, जयपुर के संयोजन में कार्यरत बैंक नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जयपुर देश की सर्वाधिक प्रतिष्ठित समितियों में से एक है. पिछले 2 वर्षों से मैं इस समिति के साथ जुड़ा हुआ हूं और इस समिति के कार्य के बल पर मुझे भारत सरकार से राजभाषा कीर्ति पुरस्कार एवं क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार प्राप्त करने का अवसर मिला है. इस समिति की विशेषता यह है कि यह निरंतर तौर पर सक्रिय रहती है और अपने आयोजनों एवं गतिविधियों के द्वारा इसने सदस्य बैंकों के स्टाफ सदस्यों में और यहां तक कि शहर के आम नागरिकों में अपनी पहचान मजबूती से स्थापित की है.

अत्यंत व्यस्त बैंकिंग पेशे में आपने अपने कार्यालय/ व्यक्तिगत पारिवारिक जीवन के बीच कैसे संतुलन बनाया?

इस पूरी बैंकिंग यात्रा में पारिवारिक पक्ष मेरे लिए चिंता का कारण कभी भी नहीं रहा. हमारे परिवार के सदस्यों ने परिस्थितियों के अनुसार स्वयं को ढालना और अवसरों का लाभ उठाना सीख लिया. हम अधिकांशतः साथ साथ रहे. हर परिस्थितियों में हमने कुछ नया देखने एवं सीखने की कोशिश की.

आप बैंक की गृह पत्रिका 'बाबमैत्री' के कार्यकारी संपादक रहे हैं. अतः इस पत्रिका को और अधिक रोचक बनाने हेतु आप क्या सुझाव देना चाहेंगे?

हमारी संस्था की पत्रिका बाबमैत्री एक अच्छी एवं गुणवत्तापूर्ण पत्रिका है. इसमें आलेख या गतिविधि का प्रकाशन हो जाना बैंक में प्रतिष्ठा की बात मानी जाती है. यह पत्रिका एक तरह से सभी बड़ौदियन को जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है. सभी कार्यालयों/शाखाओं में पत्रिका के अंकों को देखने की इच्छा रहती है. हमारे सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्यों में यह पत्रिका विशेष लोकप्रिय है. हमारी कोशिश यह होनी चाहिए कि इस पत्रिका को अलग अलग माध्यमों से सभी स्टाफ सदस्यों या पूर्व बड़ौदियन साथियों को उपलब्ध कराई जाए.

आप वर्तमान बैंकिंग परिदृश्य को किस रूप में देखते हैं, विशेषतः बैंक ऑफ बड़ौदा के संदर्भ में?

हमें स्वयं को भाग्यशाली समझना चाहिए कि बैंक ऑफ बड़ौदा जैसे अच्छे बैंक में हमें काम करने का अवसर मिला है. बैंक ऑफ बड़ौदा एक प्रगतिशील बैंक है जिसने समय के अनुसार अपने आप में परिवर्तन किए हैं तथा स्वयं को समकालीन एवं प्रासंगिक बनाए रखा है. पिछले तीन-चार वर्षों में जो नई पहलें की गई हैं वे हमें भविष्य के लिए तैयार करने में काफी सफल साबित होंगी. क्षितिज पर एक नए बैंक ऑफ बड़ौदा का उदय साफ दिखाई दे रहा है. यह नया बैंक ऑफ बड़ौदा समय के अनुसार टेक्नोसेवी, निंबल एवं रेलीवेंट बना रहेगा.

आप बैंक के भविष्य के बारे में क्या सोचते हैं. बड़ोदियनों के लिए आप क्या संदेश देना चाहते हैं, विशेष तौर पर हमारे युवा साथियों को?

बैंक का भविष्य काफी उज्ज्वल है. बैंक का वर्तमान टॉप मैनेजमेंट तथा संपूर्ण बैंक ऑफ बड़ौदा की टीम काफी सक्षम है. मैं पूरी तरह से आश्वस्त हूं कि मुझे जीवन काल के दौरान बार-बार इस गौरव की अनुभूति होगी कि मैंने इस महान बैंक में काम किया है.

हमारे युवा साथियों के लिए मैं बस इतना ही कहना चाहूंगा कि समय के साथ स्वयं को ढालें, अपने कार्य का पूरा आनंद लें, सेवा भाव के साथ कार्य करें, जो भी लक्ष्य निर्धारित करें उसे प्राप्त करने के लिए अपने पूरे प्रयास करें, बैंक ऑफ बड़ौदा में हम जो भी बदलाव लाना चाहते हैं उसकी शुरुआत हम स्वयं से करने की कोशिश करें और अपने आप को हमेशा इन फ्रंट आफ ऑर्गेनाइजेशन रखने की कोशिश करें.

आप सेवानिवृत्ति के बाद अपना समय कैसे व्यतीत करना चाहेंगे?

मैंने अपनी सेवानिवृत्ति के 11 दिन पहले मुंबई मैराथन में प्रतिभागिता की. एक इच्छा थी कि बैंक ऑफ बड़ौदा से सेवानिवृत्त होने से पूर्व मुंबई मैराथन को पूरा करुं. मुझे अपार हर्ष है कि 42 किलोमीटर की इस पूर्ण मुंबई मैराथन को मैंने 20 जनवरी 2019 को सफलतापूर्वक पूरा किया. मैराथन के दौरान बीच में ऐसे कमजोर क्षण आए थे जिसमें मन के अंदर ये विचार आने लगे कि शायद मैं इस मैराथन को पूरा नहीं कर पाऊंगा लेकिन साथ में एक विचार यह भी था कि अगर इसे मैं अभी पूरा नहीं कर पाता हूं तो बैंक में रहते हुए इसे पूरा करने का सौभाग्य मुझे फिर से कभी नहीं मिलेगा. इस विचार ने मुझमें एक नई शक्ति का संचार किया और मैंने मैराथन काफी संघर्ष के बाद समय में पूरी कर ली. इससे पूर्व मैं, जयपुर हाफ मैराथन व एयरटेल दिल्ली हाफ मैराथन में भी शामिल हो चुका हूँ.

मैं आगे भी रनिंग को शौक के तौर पर जारी रखूंगा. मेरी हमेशा यह कोशिश रहेगी कि समाज के अलग-अलग क्षेत्रों में बैंक के नाम को और रौशन कर सकूं. मेरे लिए विशेष खुशी की बात है कि मुझे पटना, भोपाल व जयपुर अंचल के प्रमुख के रूप में कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ और मैं जयपुर अंचल से सेवानिवृत्त हो रहा हूं. जयपुर अंचल देश के सर्वाधिक वाइब्रेंट अंचलों में से एक है. इस अंचल में काम करते हुए हमने काफी सारी नई पहलें कीं. हेल्थ, हाइजीन और हैप्पीनेस इन तीन सूत्रों के आधार पर हमने अंचल में स्टाफ सदस्यों की सहभागिता और व्यवसाय विकास को आगे बढ़ाने का काम किया और इसमें हमें पूरी सफलता भी मिली. मैं अंत में इस महान बैंक के प्रति विशेष रूप से आभार प्रकट करता हूं जिसके कारण मुझे जीवन में इतने सारे अवसर प्राप्त हुए कि मैं स्वयं को निखारने के साथ साथ नई ऊंचाइयों को स्पर्श कर पाया. मैं अपने उच्च अधिकारियों के मार्गदर्शन तथा अपने सभी साथियों के सहयोग के प्रति आभार प्रकट करता हूं जिनकी मेहनत के बिना यह संभव नहीं था. आप मुझसे मेरे मोबाइल नं. 7045064484 एवं ई-मेल navin.upreti6@gmail.com पर संपर्क कर सकते है.

◇◇◇

बैंकों में अनुपालन संस्कृति वर्तमान समय की माँग

विगत वर्षों में बैंकिंग के क्षेत्र में लगातार लागू हो रहे अनेक नियमों/विनियमों/दिशानिर्देशों की बढ़ती संख्या ने बैंकों को इन नियमों के अनुपालन हेतु बिल्कुल पृथक रूप से विचार करने को बाध्य किया है. पूर्व के अनुभवों से यह कटु सत्य उभर कर सामने आया है कि बैंकों में तकनीक समर्थित अनुपालन संस्कृति को लागू किए जाने के अभाव में बैंकों/वित्तीय संस्थाओं में एक जोखिम हमेशा बना रहता है.

प्रत्येक संस्था अपने नियमों/विनियमों के पालन हेतु अपने कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान करती है लेकिन अनुपालन संस्कृति का विकास इन सबसे परे है. यह संस्था में व्यक्ति के रोजाना किए जाने वाले व्यवहार व उनसे अनुपालनगत अपेक्षाओं की नींव प्रदान करता है. परस्पर सहयोग व आंतरिक नेटवर्किंग सिस्टम एक अनुपालनयुक्त बैंक के निर्माण में सहायक होता है. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सोशल मीडिया के युग में यह परिलक्षित हुआ है कि इसमें सूचनाएं अधिक प्रभावी तभी होती हैं जब इन्हें उचित समय पर अविलंब प्रसारित किया जाय. एक सुनियोजित वातावरण में लोगों को व उनके सुझावों को जोड़कर बैंकों के लिए एक महत्वपूर्ण आयाम निर्धारित किया जा सकता है.

किसी भी संस्था में सफलतापूर्वक अनुपालन संस्कृति का विकास प्राथमिक रूप से निम्नलिखित दो संकल्पना पर केंद्रित होती है –

1. कर्मचारियों/अधिकारियों का प्रशिक्षण
2. भविष्य में होने वाले विधिक परिवर्तनों आदि के मद्देनजर एक सक्षम टेक्नोलॉजी सपोर्ट सिस्टम को लागू करना

सही अर्थों में अनुपालन संस्कृति वह प्रक्रिया है जो सभी कर्मचारियों/अधिकारियों को सम्मिलित कर प्रत्येक व्यवसाय कार्यकलाप में लागू किया जाय. यह केवल अनुपालन अधिकारी/अनुपालन विभाग का दायित्व न होकर पूरी संस्था की समग्र कार्य-संस्कृति का एक महत्वपूर्ण भाग होना चाहिए. हालांकि बैंकों में इसे प्रभावी बनाने हेतु अनुपालन पहलों को थोपने वाला बनाने की बजाय समस्त बैंक की प्रक्रिया में शामिल होने वाला बनाया जाना चाहिए.

किसी भी संस्था में नियमों/विनियमों की अनुपालन हेतु तैयार किए जाने वाले कर्मचारी और कार्यपद्धति व उन्हें वैसा ही बनाए रखने के लिए सभी के मध्य उन्मुक्त प्रभावी संप्रेषण होना महत्वपूर्ण व आवश्यक है. अनेक बैंक इस संबंध में रेगुलेटरी अनुपालन हेतु प्रारंभिक कदम के रूप में सभी स्टाफ सदस्यों को केवल एक माउस के क्लिक पर वांछित सूचना की उपलब्धता जैसे कि अद्यतन नीतियां व कार्य पद्धति आदि के लिए नवीनतम तकनीक आधारित प्रशिक्षण स्थापित कर रहे हैं ताकि सभी कर्मचारियों में अनुपालन हेतु सही सूचना प्राप्त करने और सदैव तत्पर रहने की संस्कृति को अधिक प्रभावी व सशक्त बनाया जा सके.

वेब-आधारित इंट्रानेट व संस्था के कर्मचारी-पोर्टल इस प्रकार के प्रशिक्षण हेतु हब साबित हो रहे हैं. इस तरह के तकनीकी प्रशिक्षण को अनुकूल बनाने के साथ-साथ ऑडिट हेतु सही समय पर रिपोर्टिंग एवं लाईव ट्रैक, कर्मचारी चेकलिस्ट/ऑनबोर्डिंग/प्रशिक्षण पद्धति का प्रयोग करना संभव बनाते हैं. इंट्रानेट पर बैंक के सभी सर्कुलर, नीति दस्तावेज व अन्य सूचना सामग्री एक केंद्रीकृत स्थान पर उपलब्ध होती है जिससे कर्मचारियों और निदेशकों को किसी भी समय 24X7X365 जानकारी खोजने और उपयोग करने में आसानी होती है.

इस प्रकार की कार्य पद्धति कर्मचारी कार्यवाही को सक्षम बनाने के साथ-साथ अद्यतन और वर्तमान जानकारी को साझा करने के लिए प्रोत्साहित करती है. इस तरह बैंक बदलते नियमों का जबाव देने में सक्षम होने के साथ-साथ सभी कर्मचारियों को अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराते हैं.

वर्तमान समय में अनुपालन हेतु बहुत तेजी से बैंकों द्वारा उपयोग किए जाने वाले उपाय उतने ही महत्वपूर्ण हो रहे हैं जितने कि उनकी नीतियां. बैंकों के लिए ट्रेनिंग-पोर्टल/इंट्रानेट एक ऐसा संसाधन है जो आसानी से उसके समस्त शाखाओं व कार्यालयों में सभी कर्मचारियों के मध्य समाचार और सूचना को वितरित कर सकता है. किसी भी नियम/नीति में परिवर्तन और उसके संपादन को ट्रैक करने हेतु एक 'संशोधन नियंत्रण प्रणाली' के साथ-साथ लेखा परीक्षा व अनुपालन आवश्यकताओं के लिए हरेक जानकारी के हिस्टोरिकल डाटा के रूप में संग्रहीत किया जा सकता है.

आधुनिक बैंक-इंट्रानेट में शामिल व्यापक सुरक्षा सुविधाएं सिस्टम एडमिनिस्ट्रेटर को नियंत्रण में बनाए रखने हेतु उपयोगकर्ताओं को सिस्टम तक नियंत्रित पहुँच देने का अधिकार देती है. उन्नत सुरक्षा इंट्रानेट के निजी प्रयोग के अनुभव को प्रोत्साहित करती है जिसमें प्रत्येक कर्मचारी द्वारा उपयोग की जाने वाली सामग्री और जानकारी का पूर्ण कस्टमाईजेशन होता है.

इंट्रानेट और कर्मचारी-पोर्टल जैसी प्रौद्योगिकी का उपयोग अन्य संसाधनों पर निर्भरता को कम करने के साथ-साथ कागज, समय और मेल डिलीवरी सेवाओं के उपयोग में कटौती करता है जिससे समय और लागत में बचत होती है जो कि संस्था के लिए लाभप्रद भी है.

वस्तुतः, कई बैंकों में व्यापक जोखिम प्रबंधन को केंद्रीकृत और मौलिक प्रक्रिया का रूप देना कठिन हो सकता है. कई बैंक अभी भी प्रारंभिक नियंत्रण के मुद्दे जैसे अनुपालन साक्षरता, जबाबदेही, परफॉरमेंस इंसेंटिव और जोखिम-संस्कृति के साथ संघर्ष कर रहे हैं. बैंक के अनुपालन प्रोटोकॉल के लिए एक लिंक बनाना और उसके सपोर्ट के लिए सही तकनीक को लागू करना वर्तमान समय और अनुपालन के इस नवीन युग में प्रतिस्पर्धा करने हेतु आवश्यक सांस्कृतिक और संरचनात्मक परिवर्तन पैदा कर सकती है, जो कि समय की माँग है.

◇◇◇

प्रिय रंजन प्रकाश
मुख्य प्रबंधक
अंचल अनुपालन अधिकारी
पटना अंचल

दिल्ली महानगर क्षेत्र-2 की 67वीं शाखा सरदार पटेल विद्यालय का शुभारंभ

दिनांक 13.03.2019 को दिल्ली महानगर क्षेत्र-2 की 67 वीं शाखा 'सरदार पटेल विद्यालय' का उद्घाटन दिमक्षे-2 के क्षेत्रीय प्रमुख श्री मधुर कुमार के कर- कमलों से किया गया. कार्यक्रम के दौरान स्कूल प्रबन्धन और विद्यार्थियों को शाखा द्वारा दी जानी वाली आवास ऋण, कार ऋण एवं शिक्षा ऋण जैसी सुविधाओं के बारे में जानकारी दी. इस अवसर पर श्री लाल भाई पटेल, अध्यक्ष विद्यालय ट्रस्ट, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री सत्य प्रकाश, विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती अनुराधा जोशी, शाखा प्रबंधक श्री राजेश गुप्ता एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे.

बरेली क्षेत्र में स्पेशल मोर्गेज स्टोर का शुभारंभ

दिनांक 07 जनवरी, 2019 को बरेली क्षेत्र में नए मोर्गेज स्टोर का उद्घाटन बरेली अंचल के अंचल प्रमुख श्री सतीश कुमार अरोरा के कर-कमलों से किया गया. इस अवसर पर बरेली क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख व महाप्रबंधक श्री जयदीप दत्ता राय और बरेली अंचल के उप अंचल प्रमुख श्री कृष्ण दयाल बंसल तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

औरंगाबाद में सिटी सेल्स ऑफिस का शुभारंभ

दिनांक 02.03.2019 को औरंगाबाद क्षेत्र में सिटी सेल्स ऑफिस की शुरूआत की गई. इस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर डॉ. हेडगेवार रूग्णालय के उप मुख्य परिचालन अधिकारी श्री प्रवीण ठाकरे उपस्थित थे. इस अवसर पर औरंगाबाद क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेन्द्र शर्मा, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री के सी सुब्रमणियम तथा अन्य स्टाफ उपस्थित थे.

इंदौर में एरोड्रम रोड शाखा के नए परिसर का शुभारंभ

इंदौर क्षेत्र में एरोड्रम रोड शाखा के नवीनीकृत भवन का शुभारंभ दिनांक 09.01.2019 को भोपाल अंचल के अंचल प्रमुख श्री जयेश मेहता के कर कमलों से किया गया. इस अवसर पर इंदौर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री दिवाकर पी. सिंह भी उपस्थित रहे. एरोड्रम रोड शाखा के प्रमुख श्री के के सिंह ने सभी कार्यपालकों व ग्राहकों का स्वागत किया. इस अवसर पर शाखा के स्टाफ सदस्य तथा गणमान्य ग्राहकगण उपस्थित थे.

दिल्ली महानगर क्षेत्र -1 में एटीएम के नवीनीकृत परिसर का उद्घाटन

दिनांक 09.01.2019 को दिल्ली महानगर क्षेत्र -1 के अंतर्गत नई दिल्ली रेलवे स्टेशन स्थित एटीएम के नवीनीकृत परिसर का उद्घाटन महाप्रबंधक व अंचल प्रमुख श्री राकेश भाटिया के कर कमलों से किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री घनश्याम सिंह, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अरविंद कुमार पाण्डेय, आरबीडीएम श्री अरविंद जोशी, ग्राहकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

इंदौर क्षेत्र की अलीराजपुर शाखा की एक्सप्रेस ई-लॉबी का शुभारंभ

दिनांक 15.02.2019 को इंदौर क्षेत्र की अलीराजपुर शाखा की एक्सप्रेस ई-लॉबी का शुभारंभ कलेक्ट्रेट परिसर में जिला कलेक्टर श्री शमीमउद्दीन के कर कमलों व इंदौर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री दिवाकर पी. सिंह की उपस्थिति में किया गया. इस अवसर पर अलीराजपुर शाखा के शाख प्रमुख श्री टी एस रावत व शाखा के अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे

करनाल क्षेत्र की सिरसा शाखा के नवनिर्मित परिसर का उद्घाटन

करनाल क्षेत्र की सिरसा शाखा के नवनिर्मित परिसर का उद्घाटन दिनांक 18.01.2019 को क्षेत्रीय प्रमुख व महाप्रबंधक श्री एस.के.बिश्वाल के कर-कमलों से संपन्न हुआ. इस अवसर पर शाखा प्रबंधक श्री अजय कुमार, शाखा के अन्य स्टाफ सदस्य एवं ग्राहकगण उपस्थित थे.

औरंगाबाद में गांगापुर रोड, नातसक शाखा में ई-लॉबी का शुभारंभ

दिनांक 07.03.2019 को औरंगाबाद क्षेत्र में गांगापुर रोड, नातसक शाखा में ई-लॉबी का उद्घाटन किया गया. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पुणे अंचल के अंचल प्रमुख श्री राजेश कुमार, औरंगाबाद क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेन्द्र शर्मा तथा अन्य स्टाफ सदस्य एवं ग्राहकगण उपस्थित थे.

जबलपुर क्षेत्र की छतरपुर शाखा में ई-लॉबी का उद्घाटन

जबलपुर क्षेत्र की छतरपुर शाखा में दिनांक 18.02.2019 को भोपाल अंचल के अंचल प्रमुख श्री जयेश मेहता के कर-कमलों से ऑनसाइट ई-लॉबी का उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर जबलपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रबन्धक श्री बी आर वर्मा, वरिष्ठ शाखा प्रबन्धक श्री जफर नवाज़ खान एवं शाखा के अग्रणी ग्राहक और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे.

देहरादून क्षेत्र की नजीबाबाद शाखा के नए परिसर का उद्घाटन

दिनांक 07.03.2019 को देहरादून क्षेत्र की नजीबाबाद शाखा के नए परिसर का उद्घाटन बरेली अंचल के अंचल प्रमुख श्री सतीश कुमार अरोरा और क्षेत्रीय प्रमुख श्री सूरज कुमार श्रीवास्तव के कर कमलों द्वारा किया गया. उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री बी.एस. चौहान, शाखा प्रमुख श्री मांगे राम और शाखा के अन्य स्टाफ सदस्य और ग्राहक उपस्थित थे.

Bank is ready to achieve various Milestones

- M S Rao, General Manager (Retd.)

Shri M S Rao, General Manager retired from the services of the Bank on his superannuation on 31.01.2019. He worked in many offices/branches and at the time of his retirement he was heading the Visakhapatnam Region of the Bank. Team Bobmaitri talked to him about the experiences of his personal and professional life. Excerpts are presented below for fellow readers – Editor.

Please tell us about your family and educational background?

Basically I hail from an agriculture family. My father was a farmer. We are four siblings. I, being the eldest son, had more responsibilities to shoulder in daily activities of the family beside assisting my father in farm activities. I studied in the village up to class 10th and Intermediate from a nearby town called Suryapet and then I completed my B.Sc (Agriculture) from Dr. B.S.K.K.V, Dapoli, Maharashtra in 1980. I joined MSc (Agri) in Extension Education at SKN College of Agriculture, Jobner, Rajasthan. Though, I did complete my course work by June 1982 but did not finish my research work, as I got job in Bank of Baroda as Agriculture Officer and joined this great institution on 20.07.1982. The day is auspicious as 20th July is our Bank's foundation day.

What made you to choose banking as your career?

As I said I come from a middle class agriculture family and being eldest in the family I had prime responsibility to support my parents. From the childhood, I have been associated with Agriculture, therefore, I thought of joining B.Sc (Agriculture) so that upon completion of studies I could assist my father in agriculture if I did not get a job.

After my degree I had applied for PG in M.Sc (Agri) in Rajasthan. During that period, there were lot of vacancies in banking sector for recruitment of Agri Field Officers, POs and Rural Credit Officers etc. I, along with my classmates, had applied for various Banks for such posts.

I got selected in few banks among that I chose Bank of Baroda as its brand was very popular in Rajasthan due to its vast presence. I am of the view that this job role helped me in guiding farmers in rural areas besides extending credit. I could also educate them in adopting new technology in improving their farm income.

You have vast experience of working with various branches and offices of the Bank. Which has been the best office where you have worked at?

See, for every job role, which had been given by the management, I felt that I had to work in a proper and in diligent manner. Within 4 years of my joining in the Bank I had an opportunity to become branch head of Soorwal branch in Sawai Madhopur district of Rajasthan. It was a model branch for carrying out study by RO/HO/NABARD /RBI officials on various schemes, its implementation and impact on beneficiaries i.e. "impact of IRDP "on beneficiaries, 100% asset verification, carrying out village surveys and preparation of PLP's (Potential Linked Credit Plan).

I had a total career of 16 & half years as a Branch Manager in rural, semi-urban, large and metro cities. If I have to choose one assignment which is to be termed as the best, I will say it was my assignment in Mumbai at Boribunder Branch (which got subsequently merged with Sir P.M road branch) and Sir PM Road was very challenging Branch. As a Credit Head I had an opportunity to work first time in a Metro Branch where I learnt in handling in SME/ Corporate Credit.

Which was your most interesting assignment?

One interesting thing had happened when I was at Soorwal Branch as BH.

There was a 2 day special SLBC

conducted at District Head quarter of Sawai Madhopur (we being the Lead banker) and as part of deliberation, they decided to have a Gram Sabha at Soorwal Branch which was close to the Headquarter. Adopted village named "Karmoda" was selected to hold a Gram Sabha.

The couple of ministers from centre and state govt participated in the programme. Our the then CMD, Mr. Premjit Singh and other executives from HO / Central Office also attended in the meeting. Top executives from other banks having major presence in Rajasthan participated.

In the meeting, the Hon'ble Minister asked a question to the public, "Do you have any problem with your Bank in getting loan (or) if any difficulty being faced in availing banking services from your Bank". There was a pin drop silence for a while and all our top officials of various banks, our Bank's LDM were tight lipped and waiting for response from the audience. My RH, LDM were looking at me what will happen if someone raises any compliant against the bank. I was very sure that nothing adverse will happen as I was closely associated with the farmers of our adopted villages in meeting to their expectations.

Someone got up and asked / suggested when we go to the bank to avail loan for dug well, bank is insisting feasibility certificate from Ground Water Resource Dept. The village falls under dark zone and the same dept. is far from the Dist. / collectorate. Why there is no provision of sanctioning the loan at collectorate level so that bank can extend loan for the dug wells in the village without any hindrance.

In fact, the farmer who stood up and started answering to the minister's question, I realised that the farmer had come to me for availing a loan for dug well quite some time back, which was not considered and he was briefed about the technical reasons due to which I was unable to proceed. Somehow he got convinced, but we pondered on what he will have the perception about the Bank on the issue.

Hon'ble Minister appreciated the farmer. As the Gram Sabha went off well, our CMD spontaneously announced Rs.10000/- as grant/ donation for Gram Panchayat to develop the existing school.

Which was the most challenging assignment?

In my opinion again every assignment has its unique quota of challenges.

It was my privilege to work as a change leader at RO, Hyderabad office to take forward Navnirmaan project of the Bank which I feel most challenging one in my entire career. As a Change leader I had an opportunity to visit most of the branches and had meeting with staff members to explain and implement the change process, need for it and changing the branch ambience as per given project guidelines and successfully rolling out with in stipulated timelines.

During the course of my journey in the Bank, my tenure at Nagpur region calls for a special mention, which was one of the toughest assignment entrusted to me. I have learnt a lot from this assignment in facing tough challenges more specifically in tackling NPA and compliance part in attending ATRs etc.

How did you manage your professional and personal/family life with the busy and extended banking occupation?

This is really a challenge, but one should always have a positive attitude and perseverance. There are issues at work and at home. Whatever issues are there we need to identify urgent issues and prioritize them. Time management is important attribute one should acquire / which enables us in proper segregation of priorities thereby easing our tension.

I am of view that by doing some daily walk / yoga keeps one fit and spending quality time with family and friends.

How did you see present scenario and banking sector?

I feel that there are a lot of changes in technology, product and processes which is dynamic and it is not going to end today. It will go on changing. At present there is dearth of senior people and entire responsibilities are on youngsters who will have more challenging job in future. They have to take forward the legacy of our Mother Bank.

What do you think about the future of our Bank and what are your messages to the Barodians especially to GenNext employees?

The future of our Bank is very bright and under the dynamic leadership of our MD & CEO Shri P S Jayakumar Bank is ready to achieve various Milestones. He is transforming our bank to greater heights. We are now the third largest bank of India after SBI and HDFC, post amalgamation of E-Vijaya Bank and E-Dena Bank.

I will not like to give any advice. However, I have a strong submission to make – "Be engaged employees". Have pride in being Barodian, Know the Bank's history, Understand the value addition, have rightful pride in what you do and constantly engage with seniors, peers and juniors for making our bank a better one than what it is.

Further, submission to youngsters is that they should own up the responsibilities wherever they are posted, whatever job role is entrusted and move forward with the positive attitude.

Barodians should develop qualities to involve themselves in "interactive customer centric activities" as it enables one to explore business opportunities / potential thereby meeting to the customer's expectations.

Banks fundamentals are strong, the work force is committed and the cultural ethos is admirable. I have immense confidence in the future of the Bank, which will be a better work place for the coming generations.

What are your post retirement plans?

Yes, this is very important because after having spent 36 and half years in Bank you have a routine in your mind. When you are engaged fully and busy in various issues and decision taking process / driving business etc. and all of a sudden the entire schedule gets changed, it's makes lot of difference. I have already prepared to adopt the changes likely to happen in daily routine, started doing yoga and daily brisk walking. In fact, I have lost 10 kgs weight in last 1 year by adopting physical exercise and changes in dietary habits.

I have family responsibility to fulfil on which I will be concentrating and spend quality time with family and friends.

I am planning to settle down at Hyderabad and my contact number is 7032916098.

I convey my sincere thanks to all Barodians for their valuable friendship and cooperation that helped me greatly in working together. My best wishes to all of you.

साइबर खतरे एवं सुरक्षा

आज का युग तकनीक का युग है तथा तकनीक मानव जीवन में इतनी अधिक समावेशित हो गई है की मानवमात्र के लिये तकनीक से एक क्षण भी दूर रहना असंभव है। जीवन को आसान बनाने के लिए जब हम तकनीक का सहारा लेते हैं तो उसी तकनीक से जुडी कई अन्य परेशानियां भी साथ ही साथ चली आती हैं, आम बोलचाल में इसे साइडइफैक्ट कहते हैं। साइबर अपराध इसी तरह का साइडइफैक्ट है जो मानव जीवन में कंप्यूटर के अत्यधिक प्रयोग से शुरू हुआ है। आज के इस तेज रफ्तार जीवन में गति एवं सुरक्षा का सामंजस्य होना नितांत आवश्यक है। साइबर अपराध सामान्य अपराधों से अलग होता है, इस तरह के अपराध में अपराधी को अपराध स्थल पर आने की आवश्यकता नहीं पड़ती। इंटरनेट सुविधा के विस्तार के साथ साइबर अपराध का खतरा भी बढ गया है। ई–बैंकिंग जिसे ऑनलाइन बैंकिंग या इंटरनेट बैंकिंग भी कहते हैं, इत्यादि के माध्यम से बैंक–ग्राहक अपने कंप्यूटर द्वारा अपने बैंक नेटवर्क और वेबसाइट का प्रचालन कर सकते हैं। मोबाइल बैंकिंग, मोबाइल वालेट, क्रेडिट कार्ड, इंटरनेट बैंकिंग इत्यादि के माध्यम से ग्राहक सेवा का भुगतान अथवा राशि अंतरित करता है। उपरोक्त भुगतान विधि में ग्राहक को अपनी निजी जानकारी जैसे क्रेडिट कार्ड संख्या, सीवीवी संख्या, मोबाइल नंबर इत्यादि सिस्टम के साथ साझा करना पड़ता है. यहीं से अपराध की शुरूआत होती है। विभिन्न आपराधिक तत्व उपरोक्त जानकारी को कई तरीकों से चुराकर धन की चोरी कर लेते हैं। कई बार सायबर अपराध द्वारा पीड़ित को धन की हानि नहीं होती किन्तु अपराधी उनकी निजी जानकारी चुरा कर उसका दुरुपयोग करते हैं। इसका उपयुक्त उदाहरण तथाकथित वर्चुअल दुनिया जैसे फ़ेसबुक, वाटसएप्प इत्यादि पर व्यक्ति कई प्रकार की निजी जानकारी साझा करता है. उपरोक्त जानकारी को कई कंपनी, राजनैतिक दल, सरकारें अपने हितों के संवर्धन में उपयोग करती हैं। भारत समस्त विश्व के सायबर अपराध का 3% योगदान करता है तथा यह आंकड़ा निरंतर बढ़ रहा है।

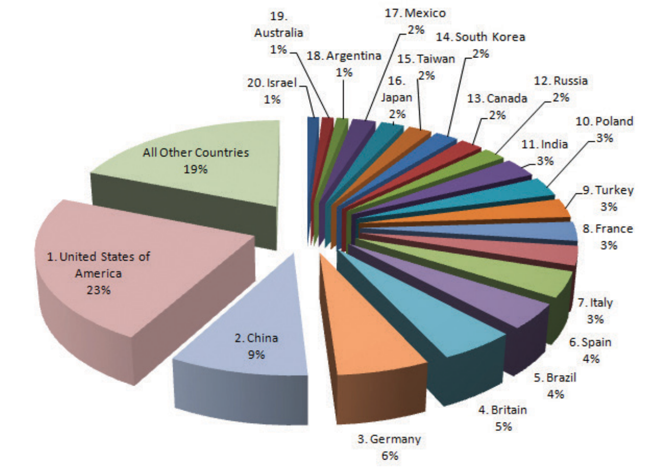

Cybercrime: Top 20 Countries

(Source: Business Week/Symantec)

साइबर अपराध के प्रकार

- **स्पैम ईमेल–** स्पैम ईमेल को जंक ईमेल भी कहा जाता है। इन अनचाहे संदेशों को ईमेल द्वारा थोक में भेजा जाता है। अधिकांश ईमेल स्पैम संदेश वाणिज्यिक होते हैं और कई में छिपे हुए लिंक होते हैं जो परिचित वेबसाइटों की तरह दिखते हैं लेकिन वास्तव में फ़िशिंग वेबसाइट्स या साइट्स जो मैलवेयर होस्ट कर रहे हैं, इस तरह के ईमेल सिस्टम के लिए घातक होते हैं एवं कंप्यूटर को नुकसान पहुंचाते हैं।
- **हैकिंग–**किसी की भी निजी जानकारी को हैक करना या चुराना हैकिंग कहलाता है। हैकिंग मे पारंगत व्यक्ति हैकर कहलाते है। हैकर नाम या पासवर्ड और फिर उसमें फेर बदल करके कंप्यूटर की निजी जानकारी चुरा लेते हैं।
- **फिशिंग–**किसी के पास प्रलोभन वाले ईमेल भेजना ताकि वो अपनी निजी जानकारी दे और उस जानकारी से उसको नुकसान पहुंचाना फिशिंग कहलाता है।
- **विशिंग–**किसी व्यक्ति से फोनपर मित्रता बढ़ा कर उसकी निजी जानकारी प्राप्त करना तथा उस जानकारी से उस व्यक्ति का अहित करना विशिंग कहलाता है।
- **वायरस फैलाना–**साइबर अपराधी कुछ ऐसे सॉफ्टवेयर आपके कम्प्यूटर पर भेजते हैं जिसमें वायरस छिपे हो सकते हैं, इनमें वायरस, वर्म, टार्जन हॉर्स आदि वायरस शामिल हैं. यह आपके कम्प्यूटर को काफी हानि पहुंचा सकते हैं।
- **फर्जी बैंक कॉल–**आपको जाली ईमेल, मैसेज या फोन कॉल प्राप्त हो, जो आपको बैंक जैसा लगे जिसमें आपसे पूछा जाये कि आपके एटीएम नंबर और पासवर्ड की आवश्यकता है और यदि आपके द्वारा यह जानकारी नहीं दी गयी तो आपका खाता बन्द कर दिया जायेगा या इस लिंक पर सूचना दें।
- **सोशल नेटवर्किंग साइटों पर अफवाह फैलाना–**बहुत से लोग सोशल नेटवर्किंग साइटों पर सामाजिक, वैचारिक, धार्मिक और राजनैतिक अफवाह फैलाने का काम करते हैं, लेकिन यूजर्स उनके इरादे समझ नहीं पाते हैं और जाने–अनजाने में ऐसे लिंक्स को शेयर करते रहते हैं. लेकिन यह भी साइबर अपराध और साइबर–आतंकवाद की श्रेणी में आता है।

➢ **साइबर बुलिंग**–फेसबुक जैसी सोशल नेटवर्किंग पर अशोभनीय कमेंट करना, इंटरनेट पर धमकियाँ देना, किसी का इस स्तर तक मजाक बनाना कि तंग हो जाये, इंटरनेट पर दूसरों के सामने शर्मिंदा करना, इसे साइबर बुलिंग कहते हैं।

➢ **किलोगिंग (Keylogging)**–सायबर अपराध का बहुत खतरनाक तरीका है। इस तरीके में keylogger सॉफ्टवेर का उपयोग किया जाता है। keylogger ऐसे सॉफ्टवेर होते हैं जो चोरी छिपे, आप जो कुछ भी कीबोर्ड पे टाइप करते हैं वो सारा डाटा हैकर तक पहुँचाता है। हैकर keylogger सॉफ्टवेर को आपके कंप्यूटर में ऑफर या असुरक्षित साइट के जरिये स्थानीय या रिमोट द्वारा आसानी से Install कर सकता है। इस तरह से हैकर आपके सारे एकाउंट्स डीटेल चुरा सकते हैं।

➢ **लॉजिक बम**–एक लॉजिक बम, जिसे "slag code" भी कहा जाता है, यह मालिसियस कोड होता है, जिसे एक विशेष इवेंट द्वारा ट्रिगर किए जाने पर मालिसियस टास्क को एक्सिक्यूट करने के लिए सॉफ़्टवेयर में जानबूझकर डाला जाता है। यह वायरस नहीं है, फिर भी यह आमतौर पर वायरस के जैसे ही व्यवहार करता है। यह किसी प्रोग्राम में चुपके से डाला जाता है और यह तब तक निष्क्रिय रहता हैं, जब तक विशिष्ट कंडीशन नहीं आ जाती। विशिष्ट कंडीशन में वे सक्रिय हो जाते हैं तथा सिस्टम को धीमा कर देता है।

सायबर अपराध हेतु भारत में प्रभावी कानून :-

भारत मे सायबर अपराध हेतु प्रभावी कानून "आई टी एक्ट 2008 (संशोधित)" लागू है.।"आई टी एक्ट 2008 (संशोधित)" के सेक्शन 65, 66, 66B, 66C, 66D, 66E, 66F, 67, 67A, 67B, 67C, 68, 69, 70 और सेक्शन 71 तक अलग–अलग क्राइम के लिए ₹20,000 से ₹1,000,000 तक का जुर्माना और तीन से पांच साल तक कैद का प्रावधान हैं।

सायबर अपराध से बचने के उपाय :-

1. **पासवर्ड का प्रभावी प्रबंधन :-**

   सायबर अपराध से बचने का सबसे प्रभावी उपाय पासवर्ड का उचित प्रबंधन है। उचित शक्तिशाली पासवर्ड तथा पासवर्ड निरंतर परिवर्तित कर सायबर अपराध से सुरक्षित रहा जा सकता है। वर्चुअल कीबोर्ड के उपयोग द्वारा भी किलोगिंग सॉफ्टवेर द्वारा पासवर्ड कॉपी से बचा जा सकता है।

2. **एंटिवायरस का उपयोग :-**

   Trusted एंटिवायरस के उपयोग द्वारा कम्प्यूटर को हैकिंग से बचाया जा सकता है। एक अच्छे एंटिवायरस के उपयोग द्वारा कम्प्यूटर को कई तरह के सायबर क्राइम से बचाया जा सकता है।

3. **बैंक खाता, क्रेडिट कार्ड एव डेबिट कार्ड की जानकारी असुरक्षित वेबसाइट/ व्यक्तियों के साथ साझा नहीं करना :-**

   बैंक खाता, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, पिन, आधार नंबर इत्यादि संवेदनशील जानकारी अंजान व्यक्तियों अथवा वेबसाइट पर साझा नहीं करना चाहिए। ऐसे पेमेंट साइट जो https से शुरू नहीं होते तथा लॉक साइन नहीं होता वहां पर क्रेडिट/डेबिट कार्ड जानकारी देने से बचना चाहिये।

4. **असुरक्षित वाईफाई/ब्लूटूथ के उपयोग से बचना :-**

   हमे सार्वजनिक असुरक्षित वाईफाई के उपयोग से बचना चाहिए। हमें अपने घर तथा कार्यालय के वाईफाई को भी ताकतवर पासवर्ड से सुरक्षित करना चाहिए। कार्य समाप्ति के पश्चात फोन ब्लूटूथ को बंद जरूर कर लेना चाहिए।

5. **सायबर क्राइम को तुरंत सक्षम अधिकारी को रिपोर्ट करना :-**

   आईटी एक्ट 2000 के अंतर्गत आईटी अपराध कानूनन जुर्म है, दोषी पाये जाने पर विभिन्न धाराओं के अंतर्गत सजा का प्रावधान है। कोई भी उपरोक्त प्रकार का सायबर अपराध किसी व्यक्ति के साथ घटित होने पर तुरंत सक्षम अधिकारी को रिपोर्ट करना चाहिए।

6. **ई मेल तथा मोबाइल नोटिफ़िकेशन:-**

   नेट बैंकिंग अकाउंट का आईपी एड्रैस परिवर्तित होने पर सिस्टम द्वारा पंजीकृत मोबाइल पर ओटीपी भेजा जाता है। इस ओटीपी को हमें किसी भी व्यक्ति के साथ साझा नहीं करना चाहिए। किसी भी अनधिकृत गतिविधि को तुरंत शाखा को रिपोर्ट करना चाहिए।

7. **फर्जी वेब लिंक :-**

   हैकर मोबाइल एवं ई मेल पर कूट वेब लिंक भेजते हैं, इन लिंक को क्लिक करने से बचना चाहिये, क्लिक करने से पहले मेल का मूल जन्मस्थान पता कर लेना चाहिए। यदि लिंक असुरक्षित लगे तो सायबर सुरक्षा इकाई को सूचित करना चाहिये।

ये कुछ सुरक्षा उपाय हैं जिनकी अनुपालना करने से हम अपने साथ होने वाले सायबर अपराध से बच सकते हैं। सायबर या तथाकथित वर्चुअल दुनिया मानव के लिए अभिशाप एव वरदान दोनों ही है, यह हम पर निर्भर करता है। हम गैरजिम्मेदार तरीके से इसका उपयोग करके इसे अभिशाप भी बना सकते हैं तथा सावधानीपूर्वक सायबर दुनिया के प्रयोग से अपने जीवन को आरामदायक भी बना सकते हैं। हम सुरक्षित रहेंगे तभी हम अपने जीवन को खुलकर जी सकते हैं. अपनी जिन्दगी को खुलकर जीने के लिए जरुरी है कि हम स्वयं एवं हमारे धन की हर समय सुरक्षा करें।

◊◊◊

डॉ. मुकेश कुमार
वरिष्ठ प्रबंधक (संकाय)
बड़ौदा अकादमी, गांधीनगर

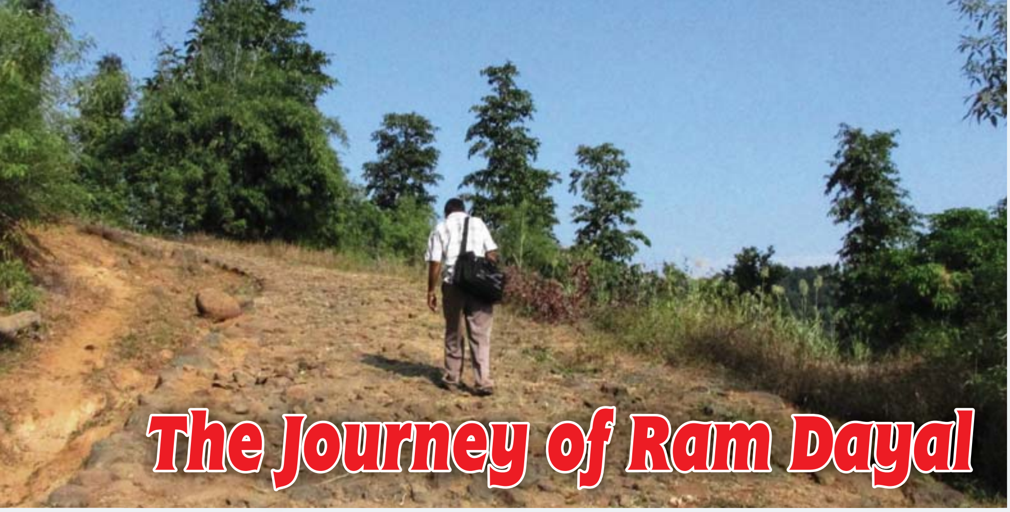

The Journey of Ram Dayal

Ram Dayal was a simple boy from a lower middle class family living in a city in North India. He was sincere in his studies and wanted to become a big man, one day. He did odd jobs to fund his education and other expenses.

After completing his education, he got job of a clerk in a nationalised bank in his home town. Though he was aspring to become an IAS officer, he needed a job badly to sustain himself financially. Therefore, he took the job of clerk thinking that he would prepare for civil services exams while doing the job. While appearing for IAS, he started appearing in Probationary Officer's exams also. Though he couldn't crack civil services exams, he got selected as a PO in Western India Bank. He was very happy because Western India Bank was not only a leading nationalised bank of the country, but was also having branches in some other countries. He was asked to report to Head Office of Bank in Gujarat.

He reached the Bank exactly at 10 am for joining. He was surprised to see that not a single employee had arrived there by that time. He thought what type of Bank was this where people didn't come in time even at Head Office. In his search of an employee of Bank, he could find one sub staff who told him that time of office was 10.30 am and not 10 am as thought by him. He, therefore, went outside to roam around and pass his time.

When he came back at 10.30 am, he saw the place full of people. He was directed to concerned officer to fulfil his joining formalities. After this, he was assigned a department and a seat. While in his seat he saw people coming and going, talking, changing face expression but he couldn't understand a bit because he didn't know Gujarati. By evening, he was in tears and was thinking that how he will survive in this alien environment. When he was about to leave the office, two colleagues from north India came, chit chatted with him and took him to a café. They told him that Gujarati was not that difficult language and he could learn it by catching few words. People here were nice and helpful.

From next day, many staff members started coming to his department to meet and introduce themselves to him. They offered to help him in his search for a house on rent. Some offered him lift to and from office. He also started understanding the language and enjoying talking to others in Gujarati so much so that he would speak to customers only in Gujarati when he was posted in a branch later.

He got married and his son was also born there. Whole family enjoyed visiting families of other staff members (there used to be a lot of invitations to visit one or the other household) and enjoying festivals like Ganpati, Garba, Kite flying at Utrayan etc. They also started liking traditional Gujarati food items like Khakhra, Fafra, Ganthia, Undhio etc.

He got a lot of appreciation for his work and promotions too. After a few years, he got opportunity to be posted at London. During his London posting, he could understand international banking and visit a few European countries with his family.

He rose to the level of AGM and was posted as head of a big branch with strength of 125 employees. The branch had a tradition of a family picnic once in a year. This created a lot of bonding amongst staff members.

One day, leader of Bank's Officers' Association came to meet Ram Dayal. He told him that members of his Association had always rose to the every call given by the bank, be it business mobilisation, NPA recovery or anything else. He said that motto of their Association was, 'Grow With The Bank'. Another day, leader of Workmen's Federation came to meet him. He told that they have always worked in line with Bank's goal. Ram Dayal felt that perhaps his bank had risen more than others because of continous cordial industrial environent in the bank.

After becoming General Manager, Ram Dayal got opportunity to work in Corporate Office of the bank at Mumbai. There, he came to know that there is one NGO formed by the wives of executives at the rank of AGM and above who are undertaking welfare activities for the needy people. The wife of MD & CEO was Chairperson and wives of EDs were Deputy Chairpersons of this NGO. All members used to meet once in a month to discuss various matters related to this NGO. They also used to visit various institutions like orphanages, old age homes, cancer hospitals etc. to donate various things required by the beneficiaries. This provided opportunity to the wives of senior executives to know and meet each other regularly. Top executives also meet along with their spouses on various occasions like farewells, foundation day etc. This mechanism helped in bringing cohesion in top management and helped them to resolve many issues informally. Due to conducive environment, people could express their views freely.

While interacting with fellow General Managers, he always felt that he was interacting with his brothers and sisters. He found that each one of them was seasoned banker and equally competent to take decisions. One day, one of the colleagues told him that he was from a bank which was merged with this bank 20 years ago. Not only he could rise to the level of General Manager but one of his ex colleagues got the opportunity of becoming Executive Director in some other bank after serving our bank as General Manager.

Ultimately a day came when Ram Dayal was to retire. Though, he was preparing himself for this day since long but the thought that he would not come to office from tomorrow was bothering him a lot. In the evening, a befitting farewell function was organised in his honour. Many people spoke many nice things about him. He had prepared a long speech in his mind for this function. But, when his turn came, he became so much emotional that he could speak only a few sentences, the gist of this was that with every passing day he appreciated his mother institution more than the previous day. His only wish was that when he died his body should be covered with a cloth with bank's emblem on it.

After hearing him, everybody's eyes were moist. Audience gave him thunderous applause.

He bid final good bye and waived to all the people from his moving car.

◈◈◈

K B Gupta

General Manager (FM, DMS & COA),

Corporate Office, Mumbai

वर्तमान में हमारा बैंक एक सुव्यवस्थित ब्रांड है

– श्री एस के बिश्वाल, महाप्रबंधक (सेवानिवृत्त)

श्री एस के बिश्वाल 28 फरवरी, 2019 को बैंक की सेवा से सेवानिवृत्त हुए. अपनी लगभग 34 वर्षों की सुदीर्घ बैंकिंग सेवा के दौरान आपने बैंक में विभिन्न स्थानों पर महत्वपूर्ण कार्यदायित्वों का निर्वाह किया. अपनी सेवानिवृत्ति के समय आप बैंक के करनाल क्षेत्र का नेतृत्व कर रहे थे. टीम बॉबमैत्री ने श्री बिश्वाल से उनके जीवन और अनुभवों के बारे में बातचीत की. प्रस्तुत हैं, उनसे बातचीत के प्रमुख अंश - संपादक

कृपया अपनी पारिवारिक एवं शैक्षणिक पृष्ठभूमि के बारे में हमें कुछ बताएं.

मेरा जन्म उड़ीसा के कटक जिले के एक छोटे से गांव में हुआ. मेरी पढ़ाई-लिखाई भी उड़ीसा में ही हुई. मैंने कटक के रवेनशॉ कॉलेज से बीएससी (आनर्स) की पढ़ाई पूरी की. एम.ए और एम.फिल मेरठ यूनिवर्सिटी से की है. मेरे दो बेटे हैं. बड़ा बेटा बैंगलुर में आईटी कंपनी में कार्यरत है. मेरा छोटा बेटा भी बैंगलुर में ई-कॉमर्स कंपनी में है. बैंक में मेरा चयन अधिकारी के रूप में अप्रैल 1985 में हुआ था. बाद में बैंक सेवा के दौरान मैंने सीएआईआईबी, एमबीए(एचआर), मार्केटिंग मैनेजमेंट में डिप्लोमा, कम्प्यूटर साईंस में डिप्लोमा की परीक्षा भी पास की.

आपने बैंकिंग को कॅरियर के रूप में क्यों चुना ?

मेरी यह इच्छा थी कि मैं किसी ऐसे संस्थान में काम करूं जहां मैं अपनी विशेष पहचान बना सकूं. उस समय मेरे परिवार और सहकर्मियों का मानना था कि सिविल सेवा के बाद बैंकिंग की नौकरी करना ही बेहतर है. इसी कारण से मैंने बैंक को चुना और अपनी पीएच डी की पढ़ाई छोड़कर बैंक ऑफ़ बड़ौदा में अप्रैल 1985 में ज्वाइन किया. मेरी पहली पोस्टिंग फैजाबाद की शाहगंज शाखा में हुई.

आपको बैंक के विदेशी कार्यालय सिंगापुर के साथ-साथ देशभर की विभिन्न शाखाओं एवं कार्यालयों में कार्य करने का व्यापक अनुभव है. इनमें से कौन सी शाखा अथवा कार्यालय में कार्य करने का अनुभव सबसे अच्छा रहा ?

मेरी लगभग 34 वर्षों की सेवा के दौरान बैंक ने मुझे विभिन्न स्थानों पर कार्य करने का अवसर प्रदान किया. वैसे तो सभी जगह के अनुभव अच्छे ही रहे. यहां मुझे नई-नई चीजें सीखने को मिली, फिर भी फैजाबाद क्षेत्र के अंतर्गत शाहगंज शाखा में कार्य करना मुझे सबसे अच्छा लगा. इस शाखा में बिताया गया समय मुझे हमेशा याद रहेगा क्योंकि इस शाखा से ही मैंने बैंकिंग कॅरियर की शुरूआत की थी और इस शाखा में मुझे सीखने का सबसे अधिक अवसर प्राप्त हुआ. इसके अलावा बैंक की विदेशी शाखा सिंगापुर में मेरा कार्यकाल अच्छा रहा. इस शाखा में सीबीएस की सफलतापूर्वक शुरूआत करने में मेरा विशेष योगदान रहा. इस कार्य हेतु शाखा के सभी स्टाफ सदस्यों ने मुझे सहयोग प्रदान किया.

आपके बैंकिंग कॅरियर का सबसे मजेदार अनुभव कौन सा रहा?

बैंकिंग की नौकरी के दौरान मेरे द्वारा विभिन्न स्थानों पर कार्य किया गया और क्षेत्र, अंचल, प्रशिक्षण केंद्र लखनऊ, सिंगापुर में लगभग 18 साल तक आईटी का कार्य देखने के पश्चात फरवरी 2010 में इलाहाबाद में मुझे आरएलएफ प्रमुख का कार्यदायित्व दिया गया. लगभग ढाई साल का यह कार्यकाल मेरे लिए काफी उत्साहवर्धक रहा क्योंकि यहां पर मुझे कुछ नया सीखने को मिला. आरएलएफ प्रमुख के रूप में मैंने श्रेष्ठ कार्य किया और मैं सहायक महाप्रबंधक के रूप में पदोन्नत हुआ. तत्पश्चात मैंने आईबीबी वाराणसी शाखा का शाखा प्रमुख का कार्यदायित्व संभाला.

आपका सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण कार्यदायित्व कौन सा रहा?

वैसे तो बैंकिंग क्षेत्र में कार्य करते हुए मुझे कई बार चुनौतियों का सामना करना पड़ा. मेरे लिए सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण समय वह था जब मैं लखनऊ अंचल में आईटी विभाग देख रहा था. इस समय पहली बार बैंक में ओटोमेटिक लेजर पोस्टिंग मशीन के माध्यम से लेन-देन करने की व्यवस्था की गई थी. इससे पूर्व लेजर के माध्यम से कार्य किया जाता था. इसके अलावा वर्ष 2006 में प्रशिक्षण केंद्र, लखनऊ में सभी स्टाफ सदस्यों को सीबीएस का प्रशिक्षण दिलवाना मेरे लिए चुनौती थी क्योंकि प्रशिक्षण केंद्र पर प्रशिक्षण के लिए एक ही कम्प्यूटर लैब थी. प्रारंभ में इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत इसी कम्प्यूटर लैब में हुई. बाद में, मेरे द्वारा अपने प्रयासों से इस प्रशिक्षण हेतु 1 और कम्प्यूटर लैब टैम्परेरी बनाई गई और स्टाफ को प्रशिक्षण इन दोनों कम्प्यूटर लैबों में दिया जाने लगा. सभी स्टाफ सदस्यों को शीघ्र से शीघ्र सीबीएस में प्रशिक्षित करने के कार्य को पूरा करने हेतु बाद में यह प्रशिक्षण 4 शिफ्टों में करवाया गया. मैं इस बात से आज संतुष्ट हूं कि मैनेजमेंट ने मुझे जो भी कार्य-दायित्व सौंपा उसे मैं अच्छी तरह से कर पाया. मेरा आईआईबी, वाराणसी शाखा में कार्य करना भी चुनौतीपूर्ण था क्योंकि मैं प्रथम बार शाखा प्रबंधक बना था और यह शाखा 12 करोड़ से हानि में थी पर, मैं अपने और शाखा स्टाफ के प्रयासों से इस शाखा को लगभग डेढ साल में लाभ में लाने में सफल रहा. इस सफलता हेतु मुझे इनसेंटिव भी

मिला. इसके अलावा मैं सुलतानपुर, मेहसाणा, करनाल क्षेत्र में क्षेत्रीय प्रमुख रहा. इन तीनों स्थानों में से सुलतानपुर में कार्य करना मेरे लिए चुनौतीपूर्ण था.

अत्यंत व्यस्त बैंकिंग पेशे में आपने अपने कार्यालय एवं व्यक्तिगत/पारिवारिक जीवन के बीच कैसे संतुलन बनाया?

मेरे लिए पहली प्राथमिकता बैंक ही रही है. मैंने अपना अधिकतर समय बैंक को ही दिया हालांकि परिवार मेरे लिए दूसरे स्थान पर रहा. फिर भी मेरी धर्मपत्नी ने मुझे पूर्ण सहयोग प्रदान किया जिससे कि मैं बैंक के प्रति अपनी जिम्मेदारियां अच्छी तरह से निभा सका. अगर मन की बात कहूं तू मेरे लिए बैंक की चिंताएं परिवार की चिंताओं से ऊपर ही रही.

आप वर्तमान बैंकिंग परिदृश्य को किस प्रकार देखते हैं, विशेषत: बैंक ऑफ़ बड़ौदा के संदर्भ में?

वर्तमान में हमारा बैंक ऐसी स्थिति में है जिसने देश-विदेश में अपनी विशेष पहचान बनाई हुई है. यह हमारे बैंक के निदेशक मंडल के कारण हो पाया है. वह काफी अनुभवी हैं. उनके मार्गदर्शन में हमारा बैंक लगातार तरक्की कर रहा है. जहां तक हमारे बैंक के स्टाफ की बात है इसका अधिकतर स्टाफ युवा है. ये बच्चे काफी पढ़े लिखे और टेक्नोलॉजी संबंधी विशेष ज्ञान रखते हैं. हमारे बैंक के वरिष्ठ साथियों के मार्गदर्शन में श्रेष्ठ कार्य कर रहे हैं. ये तीव्र गति से सीखते हैं. कार्य को अलग तरह से करने में ये विशेष रूचि लेते हैं. हमारे बैंक के स्टाफ, विशेष रूप से युवा स्टाफ को मेरी सलाह है कि सभी नियम - कानूनों और दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए बैंक का कार्य सुचारू रूप से करें.

आपकी रूचि क्या है.

मुझे हिंदी की शायरी सुनना, साहित्य पढ़ना पसंद है. इसके अलावा मुझे दूसरों की सहायता करना अच्छा लगता है.

आप बैंक के भविष्य के बारे में क्या सोचते हैं एवं बड़ौदियनों के लिए आप क्या संदेश देना चाहते हैं, विशेष तौर पर हमारे युवा साथियों को?

हमारे बैंक का भविष्य उज्ज्वल है. वर्तमान में हमारा बैंक एक सुव्यवस्थित ब्रांड है. आज हमारा जो निदेशक मंडल है, वह हमारे बैंक के लिए दिशाएं निर्धारित करता है. वह काफी अनुभवी है और नई-नई चुनौतियों का सामना करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है. मेरी सलाह यह है कि हमारे निदेशक मंडल के मार्गदर्शन में आप सभी चुनौतियों का डटकर सामना करें. अपनी संस्था के प्रति ईमानदार रहें. अपने और बैंक के हित के लिए अनुपालन पर विशेष ध्यान दें. स्टाफ सदस्य बैंक द्वारा जारी परिपत्रों को पढ़ें. हमारे युवा साथी हर परिस्थिति में धैर्य बनाएं रखें और ग्राहकों से मित्रता पूर्ण संबंध बनाने का प्रयास करें तथा ट्रांजेक्शन करते हुए बैंक के दिशानिर्देशों का पूर्ण अनुपालन करें. हमारे बैंक के बुनियादी मूल्यों पर ध्यान केंद्रित करते हुए संस्था की ब्रांड को और आगे तक ले जाएं.

आप सेवानिवृत्ति के बाद अपना समय कैसे व्यतीत करना चाहेंगे ?

सेवानिवृति के बाद सबसे पहले मैं अपने स्वास्थ्य की ओर ध्यान दूंगा. अपना कुछ समय पूजा-पाठ और किताबें पढ़ने में भी व्यतीत करूंगा. इसके साथ-साथ मैं अपने परिवार को भी समय दूंगा. अपनी बैंकिंग सेवा के दौरान मुझे अपने घर के पास काम करने का अवसर भी नहीं मिला जिसके कारण मैं अपने रिश्तेदारों से भी दूर रहा और उनसे मेरे संबंध भी गहरे नहीं बन पाए. अब मैं उनसे भी समय-समय पर मिलता रहूंगा. इसके अलावा समाज की प्रगति के लिए निरंतर कार्य करता रहूंगा. समय-समय पर विभिन्न विद्यालयों में जाकर बच्चों को बैंकिंग सुविधाओं के बारे में जानकारी प्रदान करता रहूंगा जिससे कि वे बैंकिंग सेवा में आने की ओर प्रेरित हों. मैं अपनी सेवानिवृत्ति के बाद उड़ीसा में अपने पैतृक गांव में रहूंगा और अपना बचपन दोबारा जिऊंगा. आप मुझे मेरे मोबाइल नं. 8004411870 तथा ई-मेल आईडी biswalsk@gmail.com के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं.

◇◇◇

बरेली अंचल में व्यवसाय समीक्षा बैठक का आयोजन

दिनांक 21 जून 2019 को बरेली अंचल द्वारा व्यवसाय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया. बैठक की अध्यक्षता हमारे कार्यपालक निदेशक श्री शांति लाल जैन ने की. इस बैठक में अंचल प्रमुख श्री सतीश कुमार अरोरा सहित अंचल के सभी अधीनस्थ क्षेत्रों के क्षेत्रीय प्रमुख तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

पुणे अंचल में व्यवसाय विकास बैठक का आयोजन

दिनांक 09.05.2019 को पुणे अंचल में व्यवसाय विकास बैठक का आयोजन किया गया. इस बैठक में महाप्रबन्धक-मुख्य समन्वयन (महाराष्ट्र, गोवा, मुंबई) श्री नवतेज सिंह तथा पुणे अंचल के अंचल प्रमुख श्री के के चौधरी ने बैठक को संबोधित किया और सरकारी व्यवसाय, कासा एवं अग्रिम में उल्लेखनीय वृद्धि करनी वाली शाखाओं को सम्मानित किया.

अहमदाबाद में देवकरण नानजी म्यूज़िकल कॉन्सर्ट कार्यक्रम का आयोजन

पूर्ववर्ती देना बैंक के संस्थापक श्री प्राणलाल देवकरण नानजी की स्मृति में अहमदाबाद अंचल द्वारा दिनांक 24.05.2019 को कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हमारे कार्यपालक निदेशक श्री शांतिलाल जैन तथा श्री वी एस खीची उपस्थित रहे. कार्यक्रम की अध्यक्षता अंचल प्रमुख श्री जी के पानेरी ने की. इस अवसर पर महाप्रबन्धक – मुख्य समन्वयन श्री के वी तुलसीबागवाले सहित 500 से अधिक स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

बेंगलुरु क्षेत्र में बिज़नेस एचीवर्स मीट का आयोजन

बेंगलुरु क्षेत्र द्वारा दिनांक 09.05.2019 को वित्त वर्ष 2018-19 के लिये सभी शहरी शाखाओं हेतु 'बिज़नेस एचीवर्स मीट' का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में कार्यपालक निदेशक श्री शांति लाल जैन उपस्थित थे. इस अवसर पर महाप्रबंधक-मुख्य समन्वयन (दक्षिण) श्री वीरेंद्र कुमार, बेंगलुरु अंचल के अंचल प्रमुख श्री ए. सुदर्शन, क्षेत्रीय प्रमुख श्री ललित त्यागी, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुनील सिन्हा सहित शाखाओं व क्षेत्रीय कार्यालय के स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

कोलकाता मेट्रो क्षेत्र में वार्षिक समीक्षा बैठक का आयोजन

दिनांक 24 मई, 2019 को महाप्रबंधक, मुख्य समन्वयन (पूर्व) श्री विश्वरूप दास की विशेष उपस्थिति तथा कोलकाता अंचल के अंचल प्रमुख श्री ए. के. पंडा की अध्यक्षता में शाखा प्रमुखों की वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रमुख श्री उमेश चन्द्र महापात्र, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्रीमती निधि कुमार एवं क्षेत्राधीन सभी शाखा प्रमुख उपस्थित थे. इस अवसर पर वर्ष के दौरान श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन करने वाले शाखा प्रमुखों को सम्मानित भी किया गया.

जयपुर क्षेत्र में वार्षिक समीक्षा बैठक एवं सम्मान समारोह का आयोजन

दिनांक 29.04.2019 को जयपुर क्षेत्र की सभी शाखाओं के लिए वार्षिक समीक्षा बैठक एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री प्रकाश वीर राठी, उप अंचल प्रमुख सुश्री सविता डी केनी, जयपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री प्रदीप कुमार बाफना, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री विनोद मोंगा सहित सभी वरिष्ठ अधिकारी एवं शाखा प्रमुख उपस्थित थे.

अहमदाबाद अंचल द्वारा टाउन हॉल बैठक का आयोजन

अहमदाबाद अंचल द्वारा दिनांक 04.05.2019 को टाउन हॉल बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता कार्यकारी निदेशक श्री विक्रमादित्य सिंह खीची ने की. बैंक के समामेलन पश्चात अहमदाबाद अंचल द्वारा यह प्रथम टाउन हॉल बैठक थी जिसमें पूर्ववर्ती देना बैंक व पूर्ववर्ती विजया बैंक के कार्यपालकों एवं स्टाफ सदस्यों ने भी भाग लिया. इस अवसर पर महाप्रबन्धक-मुख्य समन्वयन श्री के वी तुलसीबागवाले, अहमदाबाद अंचल के सभी क्षेत्रीय प्रमुख तथा उप क्षेत्रीय प्रमुख उपस्थित रहे.

गुवाहाटी क्षेत्र में टाउन हॉल बैठक का आयोजन

दिनांक 14.05.2019 को गुवाहाटी क्षेत्र द्वारा अंचल प्रमुख श्री असीम कुमार पंडा की अध्यक्षता में टाउन हॉल बैठक का आयोजन किया गया. इस बैठक में क्षेत्रीय प्रमुख श्री शिब पद नायक तथा पूर्ववर्ती विजया बैंक के उप महाप्रबंधक श्री शान्तनु मुखर्जी भी उपस्थित थे. बैठक के केन्द्र बिन्दु में तीनों बैंक के समामेलन एवं होने वाले परिवर्तनों के विषय में गहन चर्चा हुई एवं मंचासीन तीनों पदाधिकारियों ने अपने अनुभव एवं कुशलता से उन समस्याओं के विषय पर अपने विचार व्यक्त किए.

Vijayawada Region conducts Town Hall Meet

Town Hall Business and Review Meeting of Branch Heads of Baroda, E-Vijaya Bank & E-Dena Bank was conducted in Vijayawada Region on 16th May, 2019. Meeting was attended by Sri P. Srinivas, General Manager and Zonal Head, Hyderabad Zone, Shri K Vinod Babu, Deputy General Manager & Regional Head, Vijayawada Region and Sri L. Raghavendra Rao, Dy. Regional Manager, Vijayawada Region and other staff members of the Region.

दिल्ली महानगर क्षेत्र–3 द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन

दिल्ली महानगर क्षेत्र–3 द्वारा दिनांक 10 मई, 2019 को वित्त वर्ष 2018–19 के दौरान उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं हेतु सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री दविन्दर पाल ग्रोवर ने की. इस अवसर पर दिल्ली महानगर क्षेत्र–3 के तत्कालीन क्षेत्रीय प्रमुख श्री बि. शिवराम, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री बी. के. गुप्ता, सहायक महाप्रबंधक श्री एस. के. गांधी, क्षेत्रीय कार्यालय के समस्त स्टाफ सहित शाखाओं के शाखा प्रमुख उपस्थित थे.

अहमदाबाद में ग्राहक एवं स्टाफ जागरूकता बैठक का आयोजन

अहमदाबाद अंचल द्वारा बैंक के समामेलन के पश्चात दिनांक 02.05.2019 को पूर्ववर्ती विजया बैंक एवं पूर्ववर्ती देना बैंक के शाखा प्रमुखों के साथ मिलकर तीनों बैंकों के ग्राहकों के लिए ग्राहक एवं स्टाफ जागरूकता बैठक का आयोजन बैंक के देना लक्ष्मी भवन में किया गया. इस कार्यक्रम की अध्यक्षता महाप्रबन्धक–मुख्य समन्वयन श्री के वी तुलसीबागवाले ने की. इस कार्यक्रम में भारतीय रिजर्व बैंक के अधिकारीगण भी उपस्थित थे. इस कार्यक्रम में 200 से अधिक ग्राहकों ने भाग लिया.

भरूच क्षेत्र द्वारा ग्राहक संगोष्ठी एवं ऋण वितरण कैंप का आयोजन

भरुच क्षेत्र द्वारा दिनांक 29.05.2019 को अंकलेश्वर में सूक्ष्म, लघु एवं मझोले इकाइयों (एमएसएमई) की ग्राहक संगोष्ठी एवं ऋण वितरण कैंप का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर. के. गोयल, उप क्षेत्रीय प्रमुख राकेश मोहन गौतम, बड़ौदा अंचल के उप महाप्रबंधक श्री पी एस नेगी तथा बड़ी संख्या में ग्राहक भी उपस्थित थे.

बड़ौदा अंचल में टाउन हाल बैठक का आयोजन

बड़ौदा अंचल द्वारा दिनांक 12.04.2019 को बड़ौदा शहर में पदस्थापित बैंक ऑफ़ बड़ौदा, पूर्ववर्ती विजया बैंक और देना बैंक के सभी स्टाफ-सदस्यों के लिए टाउन हॉल बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर हमारे एमडी एवं सीईओ श्री पी एस जयकुमार, बड़ौदा अंचल के अंचल प्रमुख श्री प्रदीप श्रीवास्तव, महाप्रबंधक श्री के आर कनोजिया, श्री बी आर पटेल और श्रीमती अर्चना पाण्डेय सहित पूर्ववर्ती देना बैंक, सूरत के क्षेत्रीय प्रमुख श्री जी के पानेरी तथा पूर्ववर्ती विजया बैंक की महाप्रबंधक सुश्री निर्मला श्रीधर उपस्थित थीं.

बेंगलुरु क्षेत्र में बैंकिंग लोकपाल पर ग्राहक-स्टाफ बैठक का आयोजन

बेंगलुरु क्षेत्र द्वारा समामेलित बैंक की सभी मेट्रो शाखाओं के लिये 'बैंकिंग लोकपाल पर ग्राहक-स्टाफ बैठक' का आयोजन किया गया. इस बैठक में महाप्रबंधक- मुख्य समन्वयन (मासंप्र) श्रीमती निर्मला श्रीधर, उप अंचल प्रमुख श्री के वेंकटेशन, क्षेत्रीय प्रमुख श्री ललित त्यागी, उप महाप्रबंधक (पूर्ववर्ती विजया बैंक) श्री वेंकटेश शेट्टी सहित अन्य वरिष्ठ कार्यपालक उपस्थित थे. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय रिज़र्व बैंक के श्री एस.जी. गाड़े ने स्टाफ सदस्यों के साथ-साथ ग्राहकों को भी बैंकिंग लोकपाल पर जागरूक किया.

बड़ौदा शहर एवं बड़ौदा जिला क्षेत्र में एमएसएमई बैठक का आयोजन

दिनांक 29.05.2019 को बड़ौदा जिला क्षेत्र एवं बड़ौदा शहर क्षेत्र द्वारा संयुक्त रूप से एमएसएमई बैठक का आयोजन किया गया. इसकी अध्यक्षता बड़ौदा अंचल के अंचल प्रमुख एवं महाप्रबंधक श्री प्रदीप श्रीवास्तव ने की. इस अवसर पर सुश्री ज्योति पटेल (क्षेत्रीय प्रमुख, बड़ौदा जिला क्षेत्र), बड़ौदा शहर क्षेत्र की क्षेत्रीय प्रमुख सुश्री दक्षा शाह, श्री संजीव आनंद, उप क्षेत्रीय प्रमुख (बड़ौदा जिला क्षेत्र) तथा कॉर्पोरेट कार्यालय से श्री मानस रंजन मिश्रा, सहायक महाप्रबंधक भी मौजूद थे.

विशाखापट्टणम क्षेत्र में एमएसएमई कॉन्क्लेव का आयोजन

दिनांक 04.04.2019 को विशाखापट्टणम क्षेत्रीय कार्यालय के संयोजन में पूर्ववर्ती विजया और देना बैंक के स्टाफ सदस्यों के लिए एमएसएमई कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया. इसकी अध्यक्षता विशाखापट्टणम क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने की . इस अवसर पर उप महाप्रबंधक (पूर्ववर्ती विजया बैंक) श्री के सूर्य प्रसाद, असल्मेटा शाखा प्रमुख (सहायक महाप्रबंधक) श्री जे वी शेट्टी और अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे .

बड़ौदा अंचल द्वारा पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन

बड़ौदा अंचल द्वारा दिनांक 26.04.2019 को अंचल और क्षेत्रों के अंतर्गत कार्यरत स्टाफ-सदस्यों द्वारा कारोबार के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन के लिए 'पुरस्कार एवं सम्मान समारोह-2018-19' का आयोजन किया गया. इस अवसर पर महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री प्रदीप श्रीवास्तव, उप अंचल प्रमुख श्री अनूप कुमार, सभी क्षेत्रीय प्रमुख तथा शाखाओं और क्षेत्रों के उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्टाफ-सदस्य उपस्थित थे. उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्टाफ-सदस्यों को अंचल प्रमुख तथा उप अंचल प्रमुख द्वारा सम्मानित किया गया.

अंचल कार्यालय, नई दिल्ली द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन

दिनांक 25 अप्रैल, 2019 को नई दिल्ली अंचल में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. समारोह में खुदरा ऋण, सरकारी कारोबार तथा व्यवसाय के अन्य मानदंडों के तहत उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं तथा क्षेत्रों को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर तत्कालीन महाप्रबंधक एवं अंचल प्रमुख श्री राकेश भाटिया, महाप्रबंधक एवं व्यवसाय निदेशक श्री डी.के.नामदेव, उप महाप्रबंधक श्री पी. डी.गुप्ता, श्री सी.एम.त्रिपाठी तथा श्री जगदीश तुणगरिया, क्षेत्रीय प्रमुख श्री घनश्याम सिंह (दिमक्षे-1), श्री मधुर कुमार (दिमक्षे-2), श्री बि. शिवराम (दिमक्षे-3), श्रीमती सम्मिता सचदेव (चंडीगढ़), श्री सत्य प्रकाश (करनाल), उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अरबिंद कुमार (जालन्धर) तथा विभिन्न शाखाओं के शाखा प्रमुख व अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

कोलकाता अंचल द्वारा टाउन हॉल बैठक का आयोजन

कोलकाता अंचल द्वारा दिनांक 17.04.2019 को कोलकाता शहर में बैंक ऑफ बड़ौदा, पूर्ववर्ती विजया बैंक और पूर्ववर्ती देना बैंक के सभी स्टाफ-सदस्यों के लिए टाउन हॉल बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर हमारे प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री पी.एस.जयकुमार, कार्यपालक निदेशक श्रीमती पापिया सेनगुप्ता, महाप्रबंधक (एमएसएमई बैंकिंग) श्री के पी सिंह, कोलकाता अंचल के अंचल प्रमुख श्री असीम कुमार पंडा, अंचल प्रबंधक (पूर्वती देना बैंक) श्री तुषार रंजन परीदा, उप महाप्रबंधक (पूर्ववर्ती विजया बैंक) श्री देबब्रत दास तथा श्री यू.सी. महापात्र, क्षेत्रीय प्रमुख, कोलकाता मेट्रो क्षेत्र उपस्थित रहे.

करनाल क्षेत्र में समीक्षा बैठक का आयोजन

दिनांक 23 अप्रैल, 2019 को करनाल क्षेत्र में तत्कालीन अंचल प्रमुख एवं महाप्रबंधक श्री राकेश भाटिया की उपस्थिति में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया. इस समीक्षा बैठक में वित्तीय वर्ष 2018-2019 के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में श्रेष्ठ कार्य निष्पादन करने वाली शाखाओं को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर जेडआईएडी, दिल्ली के प्रमुख (उप महाप्रबंधक) श्री प्रदीप काला, क्षेत्रीय प्रमुख श्री सत्य प्रकाश, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अंजनी कुमार सिंघल और विभिन्न शाखाओं के शाखा प्रबंधक एवं क्षेत्रीय कार्यालय, करनाल के स्टाफ सदस्य भी उपस्थित थे.

फ़तेहपुर क्षेत्र द्वारा ग्राहक गोष्ठी का आयोजन

दिनांक 25.04.2019 को फ़तेहपुर क्षेत्र में क्षेत्रीय प्रमुख श्री अतुल कुमार खरे की अध्यक्षता में ग्राहक गोष्ठी का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के दौरान श्री खरे ने बैंक के विभिन्न उत्पादों के विषय में उपस्थित ग्राहकों को जानकारी प्रदान की एवं आह्वान किया कि वे हमारे बैंक की अधिक से अधिक सुविधाओं का लाभ उठाएं. इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यालय के सभी अधिकारी उपस्थित रहे.

संबलपुर क्षेत्र में व्यवसाय समीक्षा बैठक का आयोजन

दिनांक 11.04.2019 को क्षेत्रीय कार्यालय, संबलपुर द्वारा पटना अंचल के अंचल प्रमुख राजेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में वित्तीय वर्ष 2018-19 की वार्षिक व्यवसाय समीक्षा बैठक एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया. उक्त बैठक में वित्तीय वर्ष 2018-19 के दौरान व्यवसाय विकास के विभिन्न मानदंडों पर उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं को सम्मानित किया गया. इस अवसर पर संबलपुर के क्षेत्रीय प्रमुख श्री विवेक गुप्ता, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनिरुद्ध मिश्र तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

Bank receives Inclusive Finance India Awards

Our MD & CEO Shri P S Jayakumar and Shri B R Patel, General Manager (Rural & Agri Banking and CSR) received Inclusive Finance India Awards organized by Access-Assist with NITI Ayog for Innovation and Inclusiveness in Priority Sector Lending by Bank (Public Sector) for 2018.

Bank bags Social Banking Excellence Awards

Our Bank was awarded in four categories: Winner in Technology (Social Banking), Runner Up in Agricultural Banking, Runner Up in Priority Sector lending other than Agriculture, Runner up in Overall: Best Social Bank during 14th ASSOCHAM Annual Banking Summit –cum- Social Banking Excellence Awards- 2018 under Large class Banks. On behalf of Bank, Shri B R Patel, General Manager (CC) HO, Baroda received the awards.

Bank bags prestigious SKOCH Awards

Our Bank bagged prestigious SKOCH "Order-of-Merit" Award for hugely popular HR interventions viz., Project SparshPlus (Human Touch for Business Excellence) and Baroda Anubhuti (Enhancing Employee Experience) and also "Banking Silver" Award for achievement in area of Digital Financial Inclusion. Shri Murali Krishna, Head (FI & CSR) and Ms. Swapna Bandopadhaya, DGM (Strategic HR & OD) received the awards on 29.06.2019 on behalf of our Bank in the "Annual SKOCH Summit" held in New Delhi.

Bank bags award for Best in Class Fintech Initiatives

Our Bank was awarded with the Finnoviti Award for `Fintech Initiatives' at the Banking Frontiers' Finnoviti Conference 2019 held at Mumbai on 31.01.2019. The award was presented to Mr. Akhil Handa, Head, Fintech & New Business Initiatives, Bank of Baroda, in the presence of esteemed jury members Mr. Anuj Bhargava, Consultant, IFC and Mr. M. Narendra, Former CMD, Indian Overseas Bank.

Bank of Baroda (Kenya) Ltd bags two Awards

Bank of Baroda (Kenya) Limited bagged two prestigious awards from "Think Business Banking Awards 2019" - Best Bank in Tier II and Winner - Most Efficient Bank at Nairobi, Kenya on 17th May 2019. These awards were based on performance of Commercial Banks in Kenya for the FY 2018. Managing Director Shri Saravanakumar A received the awards alongwith other officials of the bank.

Bank selected under Best 50 PCI Companies in 2019

Our Bank has been chosen as one of the Best 50 PCI Companies in 2019, for the second consecutive year. The People Capital Index (PCI) Award by Jombay and the BSI, which indicates employee and market perception on how well the organization is developing their people capital, through an anonymous PCI survey. Ms. Archana Pandey, GM (CLO), Apex Academy received the award on 30.01.2019 on behalf of our Bank in the "Leading from behind summit" organized by Jombay in Mumbai.

Mount Kenya in Moonlight

Never measure the height of a Mountain until you reach the top. Then you will see how low it was......

Mount Kenya, a world heritage site, is situated on equator was always luring me, whenever I was in the region. Even before landing in Kenya, I planned to scale it. It is second highest mountain in Africa after Mount Kilimanjaro in Tanzania. It ranked 32nd as one of the most beautiful mountain in the world. Many tribes are in habitation around the mountain for several hundred years. They believe this mountain as sacred & this is their God's throne on the Earth. They build their houses with the entrance door facing towards it.

Many people want to try mountain hiking not to lose weight, but to overcome the acrophobia, fear of heights and to see how far they can push their bodies. Life begins at the end of comfort zone. Armed with proper hiking gears, physically and mentally fit, we left our home around 07.00 am in the morning for our maiden hiking trip. We were confident of summit as in practice we scaled crater Mount Longonet (2750 AMSL) and rocky Elephant Hill (3650 AMSL) in Kenya twice. It gave us an idea of difficulties we are going to face.

We met the hikers group at Sirimon Gate (2650 AMSL). There were 16 hikers from Nigeria, India, Spain and locals. Our crew team consisted of 21 guides, porters and cook. After lunch we had a brief introduction meeting. We had to compare our self with a bird / animal we wish to be. After some fun, we started hiking. After 2 km, it started getting tough. I was singing my favorite song to motivate myself "Yeh safar bahut hain kathin magar, na udas ho mere hamsafar" from film 1942 a love story. We lost in the flora and fauna of Mount Kenya. Buffalo, Baboon, Deer, Rabit like animals Hyrax and so many species of birds have home in the park. The mountain ranges on both side were lush green, clouds were kissing mountain top, you can't see ice capped top of the hill. Some time it looks like silver lining. To make journey easy, all were busy in chatting with new friends.

It took more than three hours for 9 km walk on zig-zag, uphill only, tarmac road to reach our first night camp, Old Moses Camp (3300 AMSL). The weather became chilled before reaching there, after sunset. We took a view of the valley after sunset. The night lights of Nanyuki, Naro-maru and Timau town were fabulous in the dark. Before dinner, when we washed our hands with hot water, I got the world's best comfort. Two tier beds remind me of railway train journey, but couldn't get the good sleep in night. May be excitement or altitude sickness which caused headache. Unfit people can faint, vomit or nose bleed during hike when altitude increases.

Next day, started 14 Km trail walk at 08.00 am for Shipton Campsite (4200 AMSL). There was continuous incline till 4 km. We walked 7 km in the valley. Altitude was increasing with every step. There were some very old caves, They were was used to stay overnight by hikers before Shipton Camp was built. We crossed many streams, filled my water bottle and enjoyed natural taste. We managed to reach the campsite before sunset. The weather became chiller than previous day. One can release like smoke without smoking cigar. The camp was just in the foot hills of the peak Batian. It is in the end of valley and surrounded by mountains.

Our Guide, Willy, woke up everyone at 01.40 am. There was atmosphere of enthusiasm. Everyone was loaded with warmer, jackets and ready to conquer the peak Lenana. He advised hikers to wear atleast five layers of clothes, warmer and caps etc. It was a full moon day. I got mesmerized by the beauty of Mount Kenya in Moonlit light. Mount Kenya looks like wearing a white cap. The mountains look tall and stand strong for million years. We formed a line, started moving ahead with small steps. Due to steep inclination, we had to take breaks at every 10 steps. There are no shortcuts to any place worth going.

We walked in moonlight. Only sound was deep breathing and shoes. Strong winds were making whistle sounds in ears. The difficulty was well imagined, we covered uphill of 2.30 Km in more than 04:30 hours. You can't glance at Point Lenana until you reach very near. We witnessed

perfect sunrise at 06.12 am. The golden rays of sun spread over everywhere. We generally miss these natural phenomenons in city life. When I touched the summit, the hiker ahead and of me was there. I was taking breath and then suddenly realized that, I am on the top!!! I became very happy and gave a big shout to me. We congratulated each other. Akhil and Muzib joined after.

From the peak, view was so magnificent at 360 degree. I have not seen such an amazing view. Any camera just can't capture, you can feel only. The temperature was minus five. There was ice everywhere. We were above the clouds, the view was breathtaking. A lake transformed into Glacier, took the shape of bowl. I just wanted to fly over the clouds. It was glimpse of heaven. If the path is beautiful, let us not ask where it leads. It is the poetry of earth. Never lose an opportunity of seeing anything beautiful for beauty is God's handwriting. I was just sinking in. The best view comes after hardest climb.

We furled Indian, Kenyan and Bank of Baroda's flags on the top. We did a lot of photography. Due to toughness of peak three were not able to summit. Coming down was even more difficult when ice started melting after sunrise, it made like slurry on the way down. Anyhow, we reached Shipton Camp. After lunch we started journey back to Old Moses Camp. There was rain in the valley; we crossed the mud many times. It was difficult for some hiker to even walk. Off late, motorbikes were called to help them. That night, we had a sound sleep, even felt slightly warmer than the first day. Everybody was feeling happy on their achievement and had sense of accomplishment.

Facilities at both wooden camps were comfortable, hot water for drinking, warm water with soap and towel for hand wash, different menu every day, cozy beds. There was only solar power that's too in dining hall. We had to use our headlights. It was really a new experience. One can't expect luxury at these locations. Moses Camp is having good motorable road, but for Shipton camp there is no other way except to walk.

Next day morning, we celebrated our successful expedition with honey coated cashews. Bidding adieu was always difficult for me; I was very emotional in just saying bye to my three days old hikers friend. We promised to be in touch through social media.

Every trekking leaves its impact either on mind or on body. This adventurous trail left mark on both mind and body. Me and Muzib got dried lips and frosts biting on face, marks were clearly visible for a week's time. Akhil got stomach infection and knee problem; it took 2-3 days to heal. We, now fell into more bonding with each other. Great things are done when men and mountains meet, this is not done by jostling in the street. It taught us to be patient, persistent and grateful. It is also stress busters and teaches resonate with nature.

◇◇◇

Yogendra Singh Saini
Deputy Managing Director
BOB (Kenya) Limited

Insuring Your Loans – Difference Between Leaving A Legacy Of Financial Peace Versus Agony

When asked about the importance of life insurance, I am always quick to refer to it as a financial instrument that brings you peace of mind. It's that simple.

Therefore, as most of us set ourselves up for fulfilment of ambitions that sit in line with our life-stage, we must ensure that these dreams are protected. For some the dream is a first home; for others, the distant goalpost may be higher education.

Banks provide loans to help one get closer to making these aspirations, a reality. But if one encounters difficulties in its repayment, they or their family are likely to experience financial burden. In the case of dependants, this financial burden can be further compounded.

This is where credit life covers come in – a form of risk protection, absolving one's family of the mammoth responsibility that is repaying loans, in the event of the untimely demise of the borrower. Insurance on loans work in a reducing-balance manner – for each instalment of repaid loans, the life cover reduces with the amount owed to the bank. This means, the credit cover ends with your complete loan repayment.

The best bit is, it's easy to get a credit life cover. The one-pager member form that one fills up when taking a loan, offers provision to go for an insurance on the loaned amount, as well.

If the gift of financial security for the family through an absolved loan was not enough, opting for credit life cover also presents the following additional benefits:

- Choice to add on coverages for accidental total permanent disability or accidental death
- Tax benefits
- Protection that comes at a low-cost with varying premium payment options

Moreover, lending institutions could steer away from loans going bad and therefore accumulating Non-Performing Assets or NPAs, should there be inability at the borrower's end to reimburse. In absence of credit life covers, banks would eventually need to write it off the lends – an issue plaguing the banking sector, today. Credit life covers shield lending institutions against these dangers.

It's noteworthy that credit life covers sweep across all types of lending - education, personal, car, and not just home loans.

All said and done, loans are a manner of stretching out to that long-cherished dream. So, let fulfilling dreams not become a nightmare. Ensure peace of mind of your family – it is really that simple.

Rushabh Gandhi
Deputy CEO,
IndiaFirst Life Insurance, Mumbai

Transfers helped me explore the World!!

At present I am working in Baroda Academy, Lucknow as Learning Head and find most participants having negative opinion about transfers. I usually advise them to stay in their place of posting which will help them professionally as well as personally. On the professional front they will have good market information. On the personal front they will be saved from the menace of commuting long distances which affects their health adversely. I give them my example that in the past 20 years I have worked in the Bank, I have always stayed in the place of posting and that too with my family. I thought of writing this article for all those who find transfers painful as it was a journey of exploration all along for me.

I joined this esteemed organization on 12th January, 1998 and initially had "on the job training" at Baroda. Baroda, we all know, is the cultural city of Gujarat. It is also called the Banyan city (as its name also suggests 'VAD'odara, where 'VAD' means Banyan in Gujarati). At that time I got a residence on rent hardly 500 meters away from the branch and used to stay with my family.

After my on the job training, I got temporary posting at Balasinor branch, Nadiad Region (100 kms from Baroda). On the way to Balasinor from Baroda, there is a small town called Dakor which is the pilgrimage of Vaisnavas with 'Ranchhod' Bhagwan's temple. While bus stopped at Dakor, deep within my heart I felt if I could be posted here. It seems Ranchhodji listened to my prayers and I got regular posting at Dakor. While at Balasinor and Dakor, I stayed at the place of posting with my family.

After Dakor, I was posted at Vanoda as Branch Head in the year 2000. It was a rural branch 40 kms from Dakor. While at Vanoda, initially I stayed at Balasinor (10 kms from the branch) and later shifted to Vanoda itself. We got a lot of love and affection in the village. When I was transferred from there, most of my customers were crying which made me and my family members very emotional. It was a village dominated by Patels and Muslims. They were mainly into tobacco cultivation. They helped each other in the times of crises including the riots of 2002. They mutually agreed that they would protect each other and maintain peace in the village. This helped the branch remain open on all working days during the riot period also.

After spending almost five years in Gujarat I was transferred to Bihar, my home state. I was happy that I may get a chance to stay at my hometown i.e. Patna. But I got posting at Daudnagar branch, 110 kms from Patna. It used to take six hours to reach Daudnagar from Patna by bus due to worst road conditions during those days. The place rarely had power supply. After renting a house near to the branch, I asked for leave from my Branch Manager in order to bring my family from Patna. He started wondering as to how my family would survive there without electricity. My parents and in-laws were also not happy with my decision but reluctantly my wife supported me and came along with my two small kids.

After Daudnagar, I was transferred to Naugarh branch as Branch Head. It is a rural branch 170 kms from Patna. Even though my wife was not initially happy at Daudnagar, she became highly emotional during our shifting from there. Today also when we recall our days in Daudnagar we are choked with emotion when we recall how the local people poured with help when our daughter was suffering from pneumonia and was in a very serious condition. Even though that place did not have electricity and many other basic amenities, the place was full of abundant love and warmth. I also remember the celebration of my daughter's birthday there when many local people from Daudnagar were present. Even the dress my daughter was wearing on that day was hand-made by one local girl who had become my wife's good friend.

Naugarh branch was full of challenges I had not encountered before. It was a Naxal dominated area and highly disturbed to the extent that no Government official was feeling safe. The branch also had the history of three robberies, the latest one being in the year 2002 i.e. two years prior to my posting. In this robbery 320 DD leaves were stolen. I was advised by my DRM to be very careful. The local people also advised me not to stay in the village. So this was the first and till date the last branch / office where my residence was not in the vicinity of the branch. It was 30 kms away at Aurangabad (Bihar). I was posted there for two and half years. Fortunately for me there was no robbery during my tenure but unfortunately fourth robbery took place in the branch immediately after I was transferred to Manpur branch, Gaya as Branch Head.

Manpur was my first urban posting after my on-the-job training at Baroda and here also my family remained with me during my entire tenure. From Manpur I was selected for faculty position and came back to Baroda in the year 2007. One day, while I was working in Training Centre, I got a call from my wife that a lot of people from Vanoda (my first branch as Branch Head) had come to meet us. Immediately I reached home only to find that a bus full of people (children to elderly) from Vanoda had come. We were choking with emotion and were all crying with joy.

From Baroda I reached Kampala (Uganda) in the year 2011. The love and respect I got from the locals there is something which I will always cherish. It is a lovely country with excellent people. My children are so attached with the country that they keep telling me to go back to Uganda. I had written one article on Uganda ("Uganda- the pearl of Africa") which was published in the BOBMAITRI (Apr-Jun 2017).

From Uganda, I landed in an entirely new territory i.e. Uttar Pradesh. Both Uganda and Uttar Pradesh have two things in common, their names start with 'U' and their geographical size. But in terms of population UP is seven times that of Uganda. Now I am in Lucknow and in love with the city.

So the twenty years journey has been full of excitement, exploration and love which I and my family members will always cherish in life. I got an opportunity to work in more than 12 branches / offices which means an average of less than two years in a branch or office. I have experienced and explored so much that I feel overwhelmed. In fact I remember when I was in Gaya, during a get-together at one of my award staff's residence, his wife was so excited after hearing stories of different places from my wife that she was regretting that she had spent her entire life in one place. There is so much to treasure and so much to share that I can write an entire book. It was hard initially but my wife and children today cherish the way they enjoyed the smallest places where I was posted. My children have developed an altogether different perspective of the world. It is these administrative transfers which provided such opportunities in my life and continue to do as long as I am working in the Bank that I feel like I am Vasco de Gama exploring the world and also earning for my family!!!

Sanjay Kumar Tiwary
Chief Manager & Learning Head
Baroda Academy, Lucknow

Baroda Shakti - Anand Mela

"Every year during the festival of Diwali, Baroda Shakti, organizes 'Anand Mela', a fair that sells a variety of products ranging from home décor to garments and handicrafts, which are handmade by artisans belonging to remote parts of India.

Majority of the participating stalls in the Anand Mela are part of various NGOs that are working for the up-liftment of the underprivileged. The team of Baroda Shakti had also set-up an independent stall to garner funds from sales of a variety of household products to support activities by NGOs. The amount raised from the sale proceeds from the 'Anand Mela' is utilized for the benefit of the lives of the less fortunate and to spread happiness in the lives of kids and senior citizens from the NGOs.

This time, Anand Mela, at Baroda Corporate Centre, Mumbai had put up about 65 stalls with a huge turnout of people from our Bank as well as neighbouring offices. There were fun and games to celebrate the Festival of Lights at the Mela.

Our MD & CEO Shri P S Jayakumar and all Executive Directors inaugurated the event and it was a thumping success.

हमारा देश भारत, विविध कलाओं एवं संस्कृतियों का देश है. यहाँ रचनात्मकता कूट-कूट के भरी है. भारत और विदेशों में सबसे प्रसिद्ध इन्हीं कलाओं में से एक है मधुबनी पेंटिंग. यह मिथिला की एक फोक पेंटिंग है, जो मिथिलांचल क्षेत्र जैसे बिहार के दरभंगा, मधुबनी एवं निकटवर्ती जिले एवं नेपाल के कुछ क्षेत्रों में बनाई जाती है. इस पेंटिंग में मिथिलांचल की संस्कृति को दिखाया जाता है. मधुबनी पेंटिंग को मधुबनी आर्ट और मिथिला पेंटिंग भी कहा जाता है. एक और रोचक तथ्य यह है कि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के डेबिट कार्ड के कवर पर जो पेंटिंग दिखती है, वो असल में मधुबनी पेंटिंग ही है.

मधुबनी पेंटिंग

इतिहास

माना जाता है ये चित्र राजा जनक ने राम-सीता के विवाह के दौरान महिला कलाकारों से बनवाए थे. मिथिला क्षेत्र के कई गांवों की महिलाएँ इस कला में दक्ष हैं. शुरुआत में ये पेंटिंग घर के आंगन और दीवारों पर रंगोली की तरह बनाई जाती थीं. फिर धीरे-धीरे ये कपड़ों, दीवारों और कागजों पर उतर आईं. मिथिला की औरतों की शुरू की गईं इन फोक पेंटिंग को पुरुषों ने भी अपना लिया. शुरू में ये पेंटिंग मिट्टी से लीपी झोपड़ियों में देखने को मिलती थीं, लेकिन अब इन्हें कपड़े या पेपर के कैनवस पर बनाया जाता है. इन पेंटिंग में खासतौर पर देवी-देवताओं, लोगों की आम जिंदगी और प्रकृति से जुड़ी पेंटिंग होती हैं. इनमें आपको सूरज, चंद्रमा, पनघट, तुलसी और शादी जैसे नजारे मिलेंगे.

मधुबनी पेंटिंग मिथिलांचल में हजारों सालों से चली आ रही हैं, पर 1934 से पहले ये सिर्फ गांवों की एक लोककला ही थी. 1934 में मिथिलांचल में बड़ा भूकंप आया था, जिससे वहां काफी नुकसान हुआ. मधुबनी के ब्रिटिश ऑफिसर विलियम आर्चर जब भूकंप से हुआ नुकसान देखने गए तो उन्होंने ये पेंटिंग देखीं, जो उनके लिए नई और अनोखी थीं. उन्होंने बताया, 'भूकंप से गिर चुके घरों की टूटी दीवारों पर जो पेंटिंग्स हैं, वो मीरो और पिकासो जैसे मॉडर्न आर्टिस्ट की पेंटिंग्स जैसी थी'. फिर उन्होंने इन पेंटिंग्स की ब्लैक एंड वाइट तस्वीरें निकालीं, जो मधुबनी पेंटिंग्स की अब तक की सबसे पुरानी तस्वीरें मानी जाती हैं. उन्होंने 1949 में 'मार्ग' के नाम से एक आर्टिकल लिखा था' जिसमें मधुबनी पेंटिंग की खासियत बताई थी. इसके बाद पूरी दुनिया को मधुबनी पेंटिंग की खूबसूरती का एहसास हुआ.

साठ के दशक में ऑल इंडिया हैंडिक्राफ्ट बोर्ड ने मुंबई के कलाकार भाष्कर कुलकर्णी को मिथिला क्षेत्र में इस कला को परखने के लिए भेजा था. अकाल के दौरान कुलकर्णी ने इस क्षेत्र की महिलाओं को कागज पर चित्र बनाने के लिए प्रेरित किया ताकि आमदनी के स्रोत के रूप में यह कला विकसित हो सके. यह प्रयोग व्यावसायिक रूप से कारगर साबित हुआ. आज मधुबनी कला शैली में कई उत्पाद बनाए जा रहे हैं जिनका बाजार फैलता ही जा रहा है.

1977 में मोजर और रेमंड ली ओवेंस (उस समय के एक फुलब्राइट स्कॉलर) के फाइनेंशियल सपोर्ट से मधुबनी के जितबारपुर में 'मास्टर क्राफ्ट्समेन असोसिएशन ऑफ मिथिला' की स्थापना की गई. इसके बाद जितबारपुर मधुबनी पेंटिंग का हब बन गया. इससे लोकल मधुबनी पेंटिंग आर्टिस्ट्स को बहुत फायदा हुआ. उनकी कला को सही कीमत मिलने लगी. फोर्ड फाउंडेशन का भी मधुबनी पेंटिंग के साथ लंबा सरोकार रहा. अब तो बहुत से इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन मधुबनी पेंटिंग्स को इंटरनेशनल मार्केट में पहुंचा रहे हैं.

मुधबनी पेंटिंग की विशेषताएं

इस चित्र में खासतौर पर कुल देवता का भी चित्रण होता है. हिन्दू देवी-देवताओं की तस्वीर, प्राकृतिक नजारे जैसे- सूर्य व चंद्रमा, धार्मिक पेड़-पौधे जैसे- तुलसी और विवाह के दृश्य देखने को मिलेंगे. मानव और देवी देवताओं के चित्रण के साथ-साथ पशुपक्षी, पेड़-पौधे और ज्यामितीय आकारों को भी मधुबनी की कला में महत्त्वपूर्ण स्थान दिया गया है. ये आकार भी पारंपरिक तरीको से बनाए जाते हैं . तोते, कछुए, मछलियाँ, सूरज और चांद मधुबनी के लोकप्रिय विषय हैं. हाथी, घोड़े, शेर, बाँस, कमल, फूल, लताएँ और स्वास्तिक धन धान्य की समृद्धि के लिये शुभ मानकर चित्रित किये जाते हैं.

मधुबनी पेंटिंग दो तरह की होती हैं- भित्ति चित्र और पेंटिंग. एक भित्ति-पेंटिंग जो घर की दीवारों पर बनाई जाती है और दूसरी अरिपन या अल्पना, जो घर के आंगन में बनाई जाती है. अरिपन कुछ पूजा-समारोहों जैसे पूजा, व्रत, और संस्कार आदि विधियों पर की जाती है.भरनी, कचनी, तांत्रिक, गोदना और कोहबर. ये मधुबनी पेंटिंग्स के पांच स्टाइल हैं.

मधुबनी चित्रकला दीवार, केनवास के अलावा हस्त निर्मित कागज पर भी वर्तमान समय में चित्रकारों द्वारा बनायी जाती हैं.चित्रण से पूर्व हस्त निर्मित कागज को तैयार करने के लिए कागज पर गाय के गोबर का घोल बनाकर तथा इसमें बबूल का गोंद डाला जाता है. सूती कपड़े से गोबर के घोल को कागज पर लगाया जाता है और धूप में सुखाने के लिए रख दिया जाता है.

मधुबनी पेंटिंग्स कैसे बनाई जाती हैं

इन पेंटिंग्स को माचिस की तीली और बांस की कलम से बनाया जाता है. चटख रंगों का खूब इस्तेमाल होता है, जैसे गहरा लाल, हरा, नीला और काला. चटख रंगों के लिए अलग-अलग रंगों के फूलों और उनकी पत्तियों को तोड़कर उन्हें पीसा जाता है. फिर उन्हें बबूल के पेड़ की गोंद और दूध के साथ घोला जाता है. कलाकृतियों में गुलाबी,

पीला, नीला, सिंदूरी (लाल) और सुगापाखी (हरा) रंगों का प्रयोग होता है. काला रंग ज्वार को जला कर प्राप्त किया जाता है या फिर दिये की कालिख को गोबर के साथ मिला कर तैयार किया जाता है. पीला रंग हल्दी और चूने को बरगद की पत्तियों के दूध में मिला कर तैयार किया जाता है पलाश या टेसू के फूल से नारंगी, कुसुंभ के फूलों से लाल और बेल की पत्तियों से हरा रंग बनाया जाता है. रंगों को स्थायी और चमकदार बनाने के लिये उन्हें बकरी के दूध में घोला जाता है.

पेंटिंग्स में कुछ हल्के रंग भी यूज होते हैं, जैसे पीला, गुलाबी और नींबू रंग. खास बात ये है कि ये रंग भी

हल्दी, केले के पत्ते और गाय के गोबर जैसी चीजों से घर में ही बनाए जाते हैं. लाल रंग के लिए पीपल की छाल यूज की जाती है. आमतौर पर ये पेंटिंग्स घर में पूजाघर, कोहबर घर और किसी उत्सव पर घर की दीवार पर बनाई जाती हैं. हालांकि, अब इंटरनेशनल मार्केट में इसकी डिमांड देखते हुए कलाकार आर्टीफीशियल पेंट्स भी यूज करने लगे हैं और लेटेस्ट कैनवस पर बनाने लगे हैं.

जब विश्व के देशों ने मधुबनी पेंटिंग को जाना

मधुबनी पेंटिंग्स को ऑफीशियल पहचान तब मिली, जब 1969 में सीता देवी को बिहार सरकार ने मधुबनी पेंटिंग के लिए सम्मानित किया था. 1975 में मधुबनी पेंटिंग के लिए जगदंबा देवी को पद्म श्री से सम्मानित किया गया. सीता देवी को भी 1984 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया. बाद में सीता को मधुबनी पेंटिंग के लिए 'बिहार रत्न' और 'शिल्प गुरु' सम्मान से भी सम्मानित किया गया. 2011 में महासुंदरी देवी को भी मधुबनी पेंटिंग के लिए पद्म श्री से नवाजा गया. इनके अलावा भी कई महिलाओं को मधुबनी पेंटिंग्स के लिए सम्मानित किया गया. पिछले साल जब माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी जर्मनी दौरे पर थे, तो हंनोवर के मेयर स्टीवन शोस्टॉक से मुलाकात के दौरान उन्होंने शोस्टॉक को बउआ देवी की बनायी हुई मधुबनी पेंटिंग गिफ्ट की थी. बउआ देवी को पद्मश्री से सम्मानित करने की घोषणा भी हुई .

इस कला को समर्पित संगठन: भारत की इस दुर्लभ कला के समर्थन में काम करने वाले कई संगठन हैं. भारत और विदेशों में मधुबनी चित्रों के संग्रह युक्त कई अनन्य गैलरी हैं. दिल्ली और बिहार में कई गैर–लाभकारी संगठन मधुबनी कलाकारों के साथ काम करने और उनकी सहायता करने के लिए काम कर रहे हैं. मिथीलासिमिता एक ऐसा संगठन है, जो कुछ उद्यमियों द्वारा बनाई गई एक संस्था बेंगलुरु में स्थित है.

मधुबनी शहर में एक स्वतंत्र कला विद्यालय मिथिला कला संस्थान (एमएआई) की स्थापना जनवरी 2003 में ईएएफ द्वारा की गई थी, जो कि मधुबनी चित्रों के विकास और युवा कलाकारों के प्रशिक्षण के लिए है.

जापान में भी काफी लोकप्रिय

उल्लेखनीय है कि यह पेंटिंग जापान में भी लोकप्रिय है. वहां के बौद्धमठों, संग्रहालयों और शिक्षण संस्थाओं की दीवारों पर मधुबनी पेंटिंग कई वर्षो से उकेरी जाती रही हैं. इस कार्य के लिए मधुबनी के गांवों से सीता देवी, जगदम्बा देवी और पद्मश्री गोदावरी दत्त व लहेरियासराय की शांति देवी जैसी कलाकारों को जापान के शहरों में बुलाया जाता

रहा है. जापान के शिजुओका शहर की निक्को बिजुत्सु कम्पनी प्रतिवर्ष मधुबनी पेंटिंग पर आधारित कैलेंडरों का प्रकाशन करती है. 'मिथिला संग्रहालय', जापान के निगाटा प्रान्त में टोकामाची पहाड़ियों में स्थित एक टोकियो हसेगावा की दिमागी उपज है, जिसमें 15,000 अति सुंदर, अद्वितीय और दुर्लभ मधुबनी चित्रों के खजाने को रखा गया है.

वर्तमान में मिथिला पेंटिंग के कलाकारों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मधुबनी व मिथिला पेंटिंग के सम्मान को और बढ़ाये जाने को लेकर तकरीबन 10,000 sq/ft में मधुबनी रेलवे स्टेशन के दीवारों को मिथिला पेंटिंग की कलाकृतियों से सरोबार किया. उनकी ये पहल निःशुल्क अर्थात श्रमदान के रूप में कि गयी. श्रमदान स्वरूप किये गए इस अद्‌भुत कलाकृतियों को विदेशी पर्यटकों व सैलानियों द्वारा खूब पसंद किया जा रहा है. इसके अलावा रेल मंत्रालय ने रेल के डिब्बों में भी मधुबनी पेंटिंग लगाने की शुरुआत कर दी है.

समय के साथ मधुबनी चित्र को बनाने के पीछे के मायने भी बदल चुके हैं. अब तो लोग बर्तनों और यहां तक कि चूड़ियों पर भी मधुबनी कलाकृति का उपयोग कर रहे हैं. लेकिन ये कला अपने आप में इतना कुछ समेटे हुए हैं कि यह आज भी कला के कद्रदानों की चुनिन्दा पसंद में से है.

◇◇◇

आशुतोष नाथ मिश्र

मुख्य प्रबंधक, भविष्य निधि विभाग

प्रधान कार्यालय, बड़ौदा

Staff Achievement

Mrs. Nikita V. Raut, Chief Manager (HR), Learning Head, Baroda Academy, Mumbai has won the prestigious "Jombay's 40 under 40 Award", which recognized the best young HR professionals in the country aged below 40 years, through a series of rigorous & multi-rounded screening process of 1600+ HR professionals across various leading organizations from different sectors. Team Bobmaitri congratulate Ms. Raut for this achievement.

कार्पोरेट सामाजिक दायित्व

दिल्ली महानगर क्षेत्र -1 द्वारा राम मनोहर लोहिया अस्पताल कल्याण निधि में दान

दिल्ली महानगर क्षेत्र-1 द्वारा अपनी 17 शाखाओं के सहयोग से दिनांक 24.01.2019 को कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व के निर्वहन के अंतर्गत राम मनोहर लोहिया अस्पताल कल्याण निधि में रु. 1,00,000/- दान किए गए. इस अवसर पर नई दिल्ली अंचल के अंचल प्रमुख श्री राकेश भाटिया, क्षेत्रीय प्रमुख श्री घनश्याम सिंह, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अरविंद कुमार पाण्डेय तथा शाखा के अन्य स्टाफ गण उपस्थित थे.

क्षेत्रीय कार्यालय, बीकानेर द्वारा शिशु आहार कक्ष का लोकार्पण

बीकानेर क्षेत्र द्वारा महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में नवोन्मेषी पहल करते हुए दिनांक 16.01.2019 को बीकानेर जंक्शन रेलवे स्टेशन के प्लेटफ़ॉर्म नं. 4 व 5 पर महिला यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर एक “शिशु आहार कक्ष” (शिशु दुग्धपान कक्ष) का लोकार्पण मुख्य अतिथि श्रीमती गीता उप्रेती धर्मपत्नी श्री नवीन चन्द्र उप्रेती (अंचल प्रमुख, जयपुर अंचल) तथा श्रीमती सुमीता नाग धर्मपत्नी श्री पीयूष नाग (क्षेत्रीय प्रमुख, बीकानेर क्षेत्र) के कर-कमलों से किया गया, ताकि महिलाओं को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हो सके.

मुंबई मेट्रो मध्य क्षेत्र द्वारा अनाथाश्रम में दवाईयां एवं आवश्यक वस्तुएं भेंट

मुंबई मेट्रो मध्य क्षेत्र ने दिनांक 25.01.2019 को अपनी जैकब सर्कल, भायखला, मोरलैंड तथा लालबाग शाखा के सहयोग से कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत भायखला स्थित आशादान अनाथाश्रम में दवाइयां एवं आवश्यक वस्तुएं भेंट की. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री ई एस एस आर रामचंद्र एवं चारों शाखाओं के शाखा प्रमुख उपस्थित रहे.

बड़ौदा जिला क्षेत्र द्वारा ग्रामीणों को स्वच्छता सामग्री भेंट

बड़ौदा जिला क्षेत्र द्वारा दिनांक 27.02.2019 को चांसद ग्राम में स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर ग्रामीणों/ किसानों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया तथा उन्हें डस्टबिन (कचरा पात्र) भेंट किए गए. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्रीमती ज्योति पटेल तथा उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजीव आनंद मौजूद थे.

रायपुर क्षेत्र द्वारा विद्यार्थियों को सामग्री भेट

दिनांक 26.01.2019 को रायपुर क्षेत्र द्वारा बरौदा शाखा के निकट स्थित राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बच्चों को स्कूल बैग वितरित किए गए. इस अवसर पर रायपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री रंजीत कुमार मंडल, बरौदा शाखा के सभी स्टाफ सदस्य एवं स्कूल के शिक्षकगण तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे.

पूर्णिया क्षेत्र द्वारा जरूरतमंद लोगों के बीच आवश्यक सामग्री का वितरण

बड़ौदा अनुभूति कार्यक्रम के अंतर्गत कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्वों का निर्वाह करते हुए पूर्णियाँ क्षेत्र द्वारा दिनांक 26.01.2019 को ज़रूरतमंद लोगों के बीच साड़ी, कंबल, वाटर कूलर, पंखा इत्यादि वितरित किए गये. इस अवसर पर पूर्णिया क्षेत्र के उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अजय कुमार श्रीवास्तव तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

जमशेदपुर क्षेत्र द्वारा विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरण

जमशेदपुर क्षेत्र की सोनारी शाखा द्वारा दिनांक 18.02.2019 को राजकीय जनता मध्य विद्यालय, सोनारी के विद्यार्थियों को स्कूल बैग वितरित किए गए. इस अवसर पर जमशेदपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री राकेश मानिक, जमशेदपुर मुख्य शाखा के सहायक महाप्रबंधक श्री आर के गोयल, विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती वीणा कुमारी, शिक्षकगण एवं विद्यार्थीगण उपस्थित थे.

उदयपुर क्षेत्र द्वारा आशाधाम आश्रम को आर्थिक सहयोग

दिनांक 26.03.2019 को उदयपुर क्षेत्र द्वारा कार्पोरेट सामाजिक दायित्व कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसके तहत शहर की आशाधाम आश्रम को लोडिंग ऑटो प्रदान किया गया तथा आश्रम के सदस्यों को दैनिक प्रयोग हेतु वस्त्र वितरित किए गए. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री अशोक डंगायच तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

दिल्ली महानगर क्षेत्र-2 द्वारा सहयोग राशि का दान

दिल्ली महानगर क्षेत्र -2 की गुड़गांव मुख्य शाखा ने सेक्टर 53 डीएलएफ़, गुड़गांव एवं सोहना रोड शाखा के सहयोग से कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व कार्यक्रम के तहत दिनांक 23.01.2019 को मानव कल्याण और पर्यावरण के उत्थान के लिए समर्पित संस्था द अर्थ सेविअर्स फ़ाउंडेशन को रु. 81,000/- सहयोग राशि के रूप में दान किए. इस अवसर पर सहायक महाप्रबंधक (गुड़गांव मुख्य शाखा) श्री नरेंद्र कुमार, मुख्य प्रबन्धक श्री भारतेन्दु मेहता, मुख्य प्रबंधक श्री प्रदीप यादव तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे.

नई दिल्ली अंचल द्वारा कैंसर पीड़ितों के लिए सामग्री भेंट

दिनांक 23.01.2019 को नई दिल्ली अंचल द्वारा कॉर्पोरेट सामजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए शांति अवेदना सदन के दिल्ली स्थित केंद्र में चन्दा दिया गया तथा कैंसर पीड़ितों को फल वितरित किए गए. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री राकेश भाटिया, मुख्य प्रबंधक (सू.प्रौ.) श्री भारतेंदु मेहता सहित शांति अवेदना सदन के अधिकारी गण उपस्थित थे.

पटना क्षेत्र द्वारा वाटर कूलर एवं लेखन सामग्री का वितरण

पटना क्षेत्र की बुद्धा कॉलोनी शाखा द्वारा कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्वों के अंतर्गत नई धरती नामक एनजीओ को वाटर कूलर एवं लेखन सामग्री वितरित की गई. इस अवसर पर पटना क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनीष कौरा, पटना अंचल के सहायक महाप्रबंधक (जेडबीडीएम) कैप्टन प्रवीर भारती, बुद्धा कॉलोनी शाखा के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक श्री मनीष कुमार, एनजीओ के अधिकारीगण एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

वाराणसी क्षेत्र में सम्मान समारोह का आयोजन

दिनांक 24.05.2019 को वाराणसी क्षेत्र में श्री रमेश कुमार मिगलानी, महाप्रबन्धक–मुख्य समन्वयन (उत्तरी क्षेत्र) की अध्यक्षता तथा अंचल प्रमुख डॉ. रामजस यादव की उपस्थिति में वित्तीय वर्ष 2018–19 के दौरान उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं एवं स्टाफ सदस्यों हेतु सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उप अंचल प्रमुख श्री अजय प्रताप सिंह तथा क्षेत्रीय प्रमुख श्री प्रतीक अग्निहोत्री सहित क्षेत्र के अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

बड़ौदा एपेक्स अकादमी द्वारा 'बड़ौदा सुपर स्टार' प्रतियोगिता का आयोजन

- 'बड़ौदा सुपर स्टार' प्रतियोगिता का आयोजन 01.09.2018 से 31.03.2019 तक किया गया.
- इस प्रतियोगिता के तहत 56 ई–लर्निंग कोर्स लॉन्च किए गए.
- प्रतियोगिता में 24,308 कर्मचारियों ने भाग लिया और 3,11,346 ई–लर्निंग कोर्स पूर्ण किए.
- प्रत्येक कोर्स को पूरा करने के बाद प्रतिभागियों को निश्चित अंक आबंटित किए गये थे.
- समान अंक होने के मामले में, उच्च रैंक उन प्रतिभागियों को प्रदान की गई जिन्होंने पहले कोर्स पूरा किया था.

प्रतियोगिता में उच्च रैंक (2595 प्वाइंट) अर्जित करने वाले प्रतिभागी

क्र.	कर्मचारी का नाम	शाखा/ कार्यालय	क्र.	कर्मचारी का नाम	शाखा/ कार्यालय
1	श्री मनीष वी सावंत	यवतमाल, नागपुर	14	श्री आशीष शंकर	लहरियासलाई, मुज़फ़रपुर
2	श्री विनय एम फडनिस	कोथरुड, पुणे	15	श्री अनिल कुमार के परीक	जेडआईएडी, पटना
3	श्री सन्दीप एन मुंडवैक	यवतमाल, नागपुर	16	श्री देबेन्द्र मोहंती	कंडारी, बड़ौदा
4	सुश्री प्रिया दीक्षित	चौकवाडा, दिल्ली मेट्रो 3	17	श्री वीरेन्द्र बहादुर सिंह	भोजपुर, रायबरेली
5	सुश्री वाणी एच	क्षे.का. चेन्नई	18	श्री देबाशीष भट्टाचार्य	जेडआईएडी, कोलकाता
6	श्री एस एन वमसी	सिन्धनपुर, हुबली	19	श्री शिवाजी ज्ञानदेव भाले	जेडआईएडी, पुणे
7	सुश्री कल्पना बुद्धि	आरबीओ, हैदराबाद	20	श्री अनुपम एम परीक	आदर्श नगर, अजमेर
8	सुश्री सविन्द्र जे पी सिंह	एआरएम, मुंबई	21	श्री राहुल चक्रबर्ती	सिसौदा, सुल्तानपुर
9	सुश्री रचना शर्मा	गिफ्ट सिटी, गांधीनगर	22	श्री जितेन्द्र प्रताप सिंह	धसा विसी, राजकोट
10	श्री नवीन प्रकाश यादव	लोयर्स कोलोनी, आगरा	23	श्री राकेश भट्टाचार्जी	किदवई नगर, कानपुर
11	श्री उमेश कुशवाहा	चचई, जबलपुर	24	श्री हरेश एस पटेल	कलवाद रोड, राजकोट
12	श्री विद्यासागर	अलीपुर, कर्णाटक	25	श्री सुमित सीकरवार	क्षे.का. जालंधर
13	श्री अभय लोकनाथ सिंह	अठवालाइंस, सूरत			प्रस्तुति : बड़ौदा एपेक्स अकादमी, गांधीनगर

बैंकिंग जगत के संकाय सदस्यों के लिए अखिल भारतीय सेमिनार

लगातार पिछले 7 वर्षों से आयोजित किए जा रहे अखिल भारतीय सेमिनारों की श्रृंखला में बैंक द्वारा दिनांक 29 मार्च, 2019 को 'कृषि क्षेत्र में ऋण प्रवाह की संभावनाएं' विषय के दो उपविषयों – 1) कृषक उत्पाद कंपनी (एफपीसी) का वित्तपोषण– वर्तमान स्थिति एवं संभावनाएं और 2) खाद्य और कृषि प्रसंस्करण आदि हेतु शहरी एवं महानगरीय केन्द्रों पर कृषि ऋण की संभावनाएं एवं अवसर' पर अखिल भारतीय सेमिनार का आयोजन किया गया. यह सेमिनार राजभाषा विभाग द्वारा बड़ौदा एपेक्स अकादमी के सहयोग से गांधीनगर में आयोजित किया गया. इसमें विभिन्न बैंकों के देश भर में स्थित स्टाफ प्रशिक्षण केन्द्रों से संकाय सदस्यों को आमंत्रित किया गया. समारोह की शुरूआत अकादमी के प्रधानाचार्य श्री पंकज जानी के स्वागत संबोधन के साथ हुई. समारोह में उपस्थित बैंक के महाप्रबंधक (राजभाषा, देयताएं एवं जमा संग्रहण तथा शिक्षण संसाधन केन्द्र) डॉ. जवाहर कर्नावट ने सेमिनार के आयोजन की पृष्ठभूमि पर विस्तार से प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि वित्तीय संस्थानों द्वारा अमूमन ऐसे सेमिनारों का आयोजन सामान्य बैंकिंग अधिकारियों कि लिए किया जाता रहा है परंतु बैंकिंग संकाय सदस्य वर्ग के लिए यह आयोजन बैंकिंग उद्योग में एक नई सोच है. संकाय सदस्यों के लिए हिन्दी माध्यम से आयोजित ऐसे सेमिनारों से राजभाषा हिन्दी के प्रचार–प्रसार में वृद्धि को नई दिशा मिली है." इस अवसर पर उन्होंने बैंक द्वारा हिन्दी के प्रसार के लिए शुरू की गई योजनाओं के बारे में भी विस्तारपूर्वक जानकारी दी.

इस अवसर पर पिछले वर्ष आयोजित सेमिनार "बैंकिंग में डिजिटल परिवर्तन – दशा एवं दिशा" विषय पर बैंकिंग संकाय सदस्यों से आमंत्रित आलेखों के संकलन की ई–पुस्तक (सीडी) का लोकार्पण भी किया गया. सेमिनार में उपस्थित पूर्ववर्ती देना बैंक के गांधीनगर के अंचल प्रमुख श्री वी सी उपाध्याय ने बैंक व्यवसाय में भाषा की भूमिका को अहम बताया.

सेमिनार के मुख्य वक्ता महाप्रबंधक (ग्रामीण एवं कृषि बैंकिंग) श्री बी आर पटेल ने अपने मार्गदर्शी उद्बोधन में कहा कि, "यह प्रसन्नता की बात है कि बैंक ने आज इस तरह का आयोजन किया है. यह मुझे कई तरह से उपयोगी लगता है, इसका आयोजन हिन्दी भाषा में किये जाने से इसकी उपयोगिता और भी बढ़ जाती है. हमारे बैंक का देश भर में कृषि क्षेत्र के विकास में एकसमान योगदान रहा है. पिछले वर्ष 16 अक्तूबर को विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर 1 अक्तूबर से 16 अक्तूबर, 2018 तक किसान पखवाड़ा मनाया गया. इस दौरान आय बढ़ाने के उपाय, मृदा–स्वास्थ्य, पशु–स्वास्थ्य, किसानों के स्वास्थ्य आदि संबंधी विषयों पर कृषि–वैज्ञानिकों के साथ बैठक कर किसानों को समझाया गया. बैंक की इस पहल से बैंक के व्यवसाय विकास में बहुत सहायता मिली. आने वाले दिनों में बैंक किसानों के लिए एक विशेष ऐप तैयार कर रहा है. इस ऐप के माध्यम से एक ही प्लेटफॉर्म पर किसानों को कृषि, मौसम, मृदा, उर्वरक आदि के संबंध में उपयोगी जानकारियां मिल सकेंगी, जो अंततः पैदावार बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने में सहायक होगा." इस सत्र का संचालन मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) पुनीत कुमार मिश्र ने किया.

उद्घाटन सत्र के बाद प्रथम और द्वितीय सत्रों में सेमिनार में चयनित आलेखों की प्रस्तुति हेतु विभिन्न बैंकों के प्रतिभागियों को प्रस्तुति हेतु आमंत्रित किया गया. इस अवसर पर प्रतिभागियों ने सेमिनार के उप विषयों पर पीपीटी के माध्यम से विस्तारपूर्वक प्रस्तुति दी. उनकी प्रस्तुति के दौरान कृषि उत्पाद कंपनी की शुरुआत, कार्य और भूमिका, कृषि कार्य के माध्यम से महिलाओं में जागरूकता, कृषि व्यवसाय को समृद्ध बनाने, किसान क्लब, किसानों को उनके उत्पादों का सही भुगतान, समाज में किसानों का सम्मान आदि जैसे बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक उपयोगी जानकारी दी गई. प्रथम सत्र का संचालन सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) सुश्री पारुल मशर, द्वितीय सत्र का संचालन सहायक महाप्रबंधक, बड़ौदा अकादमी, दिल्ली सुश्री रचना मिश्रा ने किया.

सेमिनार के अंतिम सत्र के दौरान वरिष्ठ प्रबंधक, बड़ौदा अकादमी, बड़ौदा श्री गौतम सागर ने सेमिनार सार की प्रस्तुति दी. उन्होंने कहा कि इस तरह के सेमिनार से हिन्दी में कंटेंट डेवेलपमेंट में बढ़ोतरी होगी. समारोह में उपस्थित अहमदाबाद के अंचल प्रमुख श्री के वी तुलसीबागवाले ने बैंकिंग में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हिन्दी भाषा के समावेश में बैंक द्वारा हाल में उठाए गए कदमों का जिक्र किया. समारोह के अंत में प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र बांटे गए. अंतिम सत्र का संचालन प्रबंधक (राजभाषा) श्री अखिलेश डेहरिया ने किया.

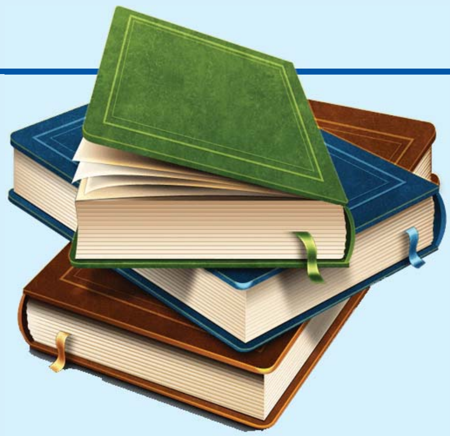

BOOK REVIEW

Name of the Book :- "The Toyota Way: 14 Management Principles from the World's Greatest Manufacturer"

Author :- Dr. Jeffrey K. Liker

Publishing House :- McGraw-Hill

This book gives you an insight into the management principles and business philosophy, ideas and the practices followed in Toyota, which made it globally successful and profitable. The book also provides ideas to help you streamline your business processes and achieve highest standards of quality and reliability.

It is written by Dr. Jeffrey K. Liker, a Professor of Industrial and Operations Engineering at the University of Michigan. Much of the research behind this book has come from his visits to Japan spanning over 20 years and interviews in Toyota facilities there and in the United States.

The book is divided into 3 parts with a total of 22 chapters.

The first part deals with the world-class power of the "Toyota Way" and it consist of 6 chapters. This part explains to us how the principles of "Toyota Production system" were used to eliminate wastes, with specific examples of design and development of its two new car models viz. Lexus and Prius. These two cars were new-generation cars, specifically aimed at the 21st century, futuristic consumers and with environment –friendly designs.

The second part deals with the fundamental principles followed at Toyota such as long-term philosophy, "Get it Right First Time", "Root Cause Analysis", "Make Decisions Slowly, but Implement Rapidly", etc. There are 14 chapters in this part. This sheds light on concepts like HANSEI (creating a learning organization) and KAIZEN (continuous improvement). This part also teaches us the importance of growing leaders who thoroughly understand the work, live the philosophy, and teach it to others. It also talks about the importance of development of an extended network of partners and suppliers by challenging them and helping them improve. This part also emphasizes the fact that standardized tasks are the foundation for continuous improvement and employee empowerment.

The third part of the book deals with application of the "Toyota Way" in your organization. It has two chapters. This part contains the use of 'Toyota Way" principles to transform technical and service organizations. It also teaches you how to build your own lean learning enterprise, borrowing from the 'Toyota Way'.

Although the book is published way back in 2004, the principles and the ideas described in it are still very much relevant. Also, while the book is about a car manufacturing company, the principles mentioned therein can be effectively used in any type of organization whether manufacturing or service.

The book mentions some very interesting facts about the success of Toyota Production System. For example, Toyota's annual profit at the end of its fiscal year in March 2003, was $8.13 billion larger than the combined earnings of GM, Chrysler, and Ford, and the biggest annual profit for any auto maker in at least a decade. Its net profit margin is 8.3 times higher than the industry average.

Throughout the book, we learn the importance of lean processes, elimination of non-value adding activities, minimisation of inventory, priority to flexibility over mass production etc. At the end of the book, the author has detailed 13 tips for transitioning your company/ organization into a lean enterprise. Toyota focuses on improving processes, confident that this in turn will improve financial results.

I personally liked the section describing the strategies adopted by Toyota in changing the culture of the organization. The author has beautifully described with examples, the challenges faced by the Company in globalizing the Toyota culture across various countries like US, UK etc.

I also liked the chapter of "Heijunka" (Levelling out the Workload). This chapter talks about the importance of slow but steady and consistent growth, with following sentence :-

"The slower but consistent tortoise causes less waste and is much more desirable than the speedy hare that races ahead and then stops occasionally to doze. The Toyota Production System can be realized only when all the workers become tortoises."

I would recommend this book to all those who are interested in understanding the world-class management practices. It is also useful for those who wish to know about the lean processes and Japanese way of quality improvement. This book helps us change our way of looking at the customer relationship management. It goes much beyond the concept of "Customer Delight" and makes us re-think about any process from the end-user point of view i.e. customer.

Happy reading !

Kedar Kulkarni
Faculty,
Baroda Apex Academy,
Gandhinagar

बैंक की सहायता से फर्श से अर्श पर

यह कहानी है छत्तीसगढ के नक्सली क्षेत्र बस्तर जिले में स्थित प्रसिद्ध पर्यटन क्षेत्र तीरथगढ में रेस्टोरेंट चलाने वाली श्रीमती पुरानी नाग की, जिन्होंने बैंक ऑफ़ बड़ौदा से प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के अंतर्गत रू. 500000/- (रू. पांच लाख) का ऋण लेकर स्वयं का सफल व्यवसाय स्थापित किया है.

तीरथगढ, यहां स्थित झरनों एवं जलप्रपात के लिए प्रसिद्ध, छत्तीसगढ का प्रमुख पर्यटन स्थल है. यह बस्तर जिले में कांगेर घाटी पर स्थित है. कांगेर और उसकी सहायक नदियां मनुगा और बहार के मिलन से, अत्यंत मनोरम जलप्रताप का निर्माण होता है. यहां 300 फुट की ऊंचाई से पानी के गिरने से गंभीर गर्जना का स्वर सुनाई देता है. इसके साथ ही इसकी विशाल जलराशि के कारण अत्यंत ही रोमांचक प्रतीत होता है. यह कांगेर घाटी नेशनल पार्क का हिस्सा है साथ ही हरे-भरे जंगल और प्रचुर वनस्पति तथा वन्यजीवों से समृद्ध है. इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र में कोटमसर गुफा एवं अन्य दर्शनीय स्थल भी हैं. यह स्थान एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल भी है. यहां भगवान शिव एवं पार्वती जी का मंदिर है, जहां पर्यटक दर्शन के लिए भी अवश्य जाते हैं.

इन सब बातों के होते हुए भी पहुंच की दृष्टि से यह कुछ दूरस्थ स्थानों में गिना जाता है. रायपुर एयरपोर्ट से इसकी दूरी 320 किमी है. यह दूरी कैब द्वारा तय की जा सकती है. रेल से जाने के लिए जगदलपुर तक रेल मार्ग से यात्रा कर सकते हैं. यहां से कांगेर नेशनल पार्क की दूरी 30 किमी है. तीरथगढ के परिचय से यह ज्ञात होता है कि कैसे दुर्गम क्षेत्रों में भी बैंक ऑफ़ बड़ौदा अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है. यहां स्थानीय स्तर पर आवागमन के लिए केवल बसों अथवा अपने वाहनों पर ही स्थानीय निवासियों को निर्भर रहना पडता है. बैंक ऑफ बडौदा की तीरथगढ शाखा से लगभग 15 किमी की दूरी पर ही संवेदनशील नक्सल प्रभावित क्षेत्र है जहां यदा कदा नक्सली घटनाएं होती रहती हैं. ऐसे संवेदनशील क्षेत्र में भी बैंक ऑफ बडौदा के अधिकारी/कर्मचारी अपनी सेवाएं तत्परता से प्रदान कर रहे हैं.

इसी दुर्गम पर्यटन स्थल पर श्रीमती पुरानी नाग ने बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सहयोग से स्वरोजगार स्थापित कर एक मिसाल कायम की है. श्रीमती नाग एवं उनके पति श्री गुप्ता नाग, ग्राम कमानार, ब्लॉक ऑफिस दरभा, जिला बस्तर की निवासी पूर्णतया ग्रामीण परिवेश से संबंध रखते हैं. श्रीमती पुरानी नाग ने 10वीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त की है. बैंक से ऋण लेने के पूर्व वे अपने पति के साथ ढाबा चलाती थीं. जब उन्होंने व्यवसाय प्रारंभ किया था तब उनका ढाबा केवल कच्चे मकान पर चल रहा था और वहां केवल 3 छोटे कमरे ही थे. श्रीमती नाग के पति श्री गुप्ता नाग पहले एक ट्रैक्सी ड्रायवर थे और अपनी पत्नी के साथ ढाबा भी चलाते थे. बैंक ऑफ़ बड़ौदा, तीरथगढ के अधिकारियों ने उनकी मेहनत और लगन को देखते हुए सीमेंट उद्योग चलाने हेतु मुद्रा ऋण प्रदान किया. उनका व्यवसाय सफल रहा. उनकी नियमित किस्त अदायगी को देखते हुए बैंक अधिकारियों ने उन्हें अपने ढाबे के विस्तार का सुझाव दिया. ठीक इसी दौरान, इस क्षेत्र में पर्यटन का विस्तार हो रहा था. वहां के वन विभाग ने राज्य सरकार से टाई अप किया था क्योंकि इस क्षेत्र में कोटसुमर गुफाएं और प्रसिद्ध जलप्रपात हैं. वन विभाग के अधिकारियों ने ढाबे के निकट ही पर्यटकों के आवागमन के लिए एक टैक्सी स्टैंड प्रारंभ किया और इसके कारण यहां आगंतुकों की आवाजाही भी बढने लगी. इस टैक्सी स्टैंड में अंतर्राज्यीय बसें भी रूकती हैं. इनके अलावा स्वयं के वाहन से आने वाले पर्यटक भी इसी टैक्सी स्टैंड पर रूकते हैं. इस प्रकार इस टैक्सी स्टैंड में पहुंचने वाले अधिकांश पर्यटक श्रीमती नाग के रेस्टोरेंट पर ही जलपान आदि के लिए रूकते हैं. इसलिए सारी परिस्थितियों को देखते हुए, शाखा प्रबंधक ने रू. 500000/- का ऋण श्रीमती पुरानी नाग को प्रदान किया. आज बैंक ऑफ बडौदा के सहयोग से, ढाबे का पुनर्निर्माण ईंट और टाइल्स से हो चुका है जिसमें 2 नॉन एसी रुम, 2 एसी फैमिली डायनिंग रूम और 1 कॉमन डायनिंग हॉल शामिल है. साथ ही किचन का भी विस्तार किया जा चुका है तथा इसके साथ ही श्रीमती नाग द्वारा 8-10 स्थानीय लोगों को भी इस रेस्टोरेंट के माध्यम से रोजगार प्रदान किया गया है.

श्रीमती पुरानी नाग
रेस्टोरेंट संचालिका,
तीरथगढ़, बस्तर, छत्तीसगढ़

भोपाल अंचल प्रमुख एवं महाप्रबंधक श्री जयेश मेहता एवं रायपुर क्षेत्रीय प्रमुख एवं उप महाप्रबंधक श्री रंजीत कुमार मंडल ने भी अपने बस्तर दौरे के दौरान, श्रीमती पुरानी नाग को रेस्टोरेंट में परिवर्तन हेतु सुझाव दिए.

बैंक ऑफ़ बड़ौदा द्वारा प्रदान किए गए मुद्रा ऋण से श्रीमती नाग के परिवार के जीवनस्तर में काफी सुधार आया है. जहां पूर्व में उनकी प्रतिदिन की आय रू. 2000/- थी वह अब बढकर रू. 6000/- से अधिक हो चुकी है. आज उनके बच्चे विशाखापटनम में रहकर अपनी पढ़ाई कर रहे हैं. उनके पति को बैंक द्वारा एक कार लोन भी दिया जा चुका है. इस तरह बैंक ऑफ़ बड़ौदा द्वारा दिए गए वित्तीय सहयोग से श्रीमती पुरानी नाग ने न केवल अपने व्यवसाय का विस्तार संवेदनशील नक्सली क्षेत्र में किया है बल्कि वे स्थानीय लोगों के लिए एक उदाहरण भी बन चुकी हैं.

श्रीमती पुरानी नाग एवं उनके पति अपने व्यवसाय-विस्तार एवं जीवन-स्तर में सुधार का पूरा श्रेय बैंक ऑफ बडौदा को देते हैं. इस तरह हमें अपने बैंकिंग कार्यक्षेत्र पर भी गर्व होना चाहिए जो आज एक ऐसा माध्यम बन चुका है जो भारत में जनमानस की आर्थिक स्थिति में सुधार कर, उन्हें बेहतर जीवन-यापन में सहयोग प्रदान कर रहा है. श्रीमती पुरानी नाग की इस कहानी से भी समझ सकते हैं कि यदि हम समर्पण, सच्ची लगन एवं तत्परता के साथ अपने लक्ष्य-प्राप्ति के प्रयास जारी रखें तो हमारी सफलता के लिए रास्ते आप ही खुल जाते हैं, सहयोगी अपने आप ही मिलने लगते हैं तथा हम स्वयं दूसरों के लिए एक मिसाल बन सकते हैं.

प्रस्तुति:
मनीषा यादव
वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा)
क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर

राजभाषा कार्यान्वयन

कार्पोरेट कार्यालय में विशेष हिन्दी व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 08.01.2019 को कार्पोरेट कार्यालय, मुंबई में आर्थिक विकास और भारतीय भाषाएं विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें प्रख्यात मीडियाकर्मी श्री राहुल देव प्रमुख वक्ता के रूप में उपस्थित रहे. इस कार्यक्रम का संयोजन महाप्रबंधक (राजभाषा, देयताएं एवं जमा संग्रहण व एलआरसी) डॉ. जवाहर कर्नावट ने किया. इस अवसर पर महाप्रबंधक श्री के बी गुप्ता तथा श्री संजय कुमार सहित कार्पोरेट कार्यालय के अन्य कार्यपालक एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित थे.

बैंक की पत्रिकाओं और कार्पोरेट फिल्म को एबीसीआई द्वारा पुरस्कृत किया गया

देश की प्रमुख संस्था एसोसिएशन ऑफ़ बिजनेस कम्यूनिकेटर्स ऑफ़ इंडिया (एबीसीआई) द्वारा हमारे बैंक की गृह पत्रिका 'बॉबमैत्री', हिन्दी पत्रिका 'अक्षय्यम्' तथा कार्पोरेट फिल्म को पुरस्कृत किया गया. ये पुरस्कार 18 जनवरी, 2019 को मुंबई में आयोजित समारोह में प्रदान किए गए. बैंक की ओर से ये पुरस्कार महाप्रबंधक (राजभाषा, देयताएं एवं जमा संग्रहण व एलआरसी) डॉ. जवाहर कर्नावट, सहायक महाप्रबंधक (पीआर एवं कार्पो. कम्यूनिकेशन) सुश्री चित्रा सुरेश तथा राजभाषा एवं मार्केटिंग विभाग के अन्य अधिकारियों ने प्राप्त किए.

प्रधान कार्यालय, बड़ौदा में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

प्रधान कार्यालय, बड़ौदा में महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा के हिन्दी विभाग तथा हमारे बैंक के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 31.01.2019 को राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर हिन्दी भाषा विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया. इस संगोष्ठी में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यूके में हिन्दी के प्रोफेसर हंगरी मूल के डॉ. इमरे बंघा विशेष अतिथि थे. इस समारोह में बैंक की मेधावी विद्यार्थी सम्मान योजना के अंतर्गत एम एस यूनिवर्सिटी की एम.ए. हिन्दी में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को भी सम्मानित किया गया. इस अवसर पर बैंक का स्टॉल लगाकर बैंकिंग उत्पादों की जानकारी दी गई और टैब बैंकिंग के जरिए विश्वविद्यालय के छात्रों के खाते भी खोले गए.

संसदीय राजभाषा समिति की आलेख एवं साक्ष्य उप समिति द्वारा हमारे मुंबई कार्यालयों के साथ विचार-विमर्श बैठक

संसदीय राजभाषा समिति की आलेख एवं साक्ष्य उप समिति द्वारा हमारे मुंबई अंचल कार्यालय तथा ठाणे (पश्चिम) शाखा के साथ दिनांक 16 फरवरी, 2019 को निरीक्षण बैठक की गई. समिति ने हमारे अंचल कार्यालय तथा शाखा में राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की. समिति के साथ बैठक में मुंबई अंचल प्रमुख श्री नवतेज सिंह ने बैंक का प्रतिनिधित्व किया.

प्रधान कार्यालय, बड़ौदा में भाषायी नाट्य प्रस्तुति का आयोजन

प्रधान कार्यालय, बड़ौदा द्वारा दिनांक 21 फरवरी, 2019 को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर मातृभाषा का महत्व विषय पर स्टाफ सदस्यों द्वारा एक नाट्य प्रस्तुति की गई. इस अवसर पर प्रधान कार्यालय के वरिष्ठ कार्यपालक भी उपस्थित थे. इसके साथ ही स्टाफ सदस्यों के लिए **'हमारा देश – हमारी संस्कृति'** विषय पर एक प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया.

बैंक में विश्व हिन्दी दिवस कार्यक्रम का आयोजन

भारत में स्थित हमारी शाखाओं/कार्यालयों के साथ-साथ हमारे विभिन्न विदेशी कार्यालयों (फीजी, मॉरीशस, न्यूज़ीलैंड, न्यूयार्क, ओमान, सेशल्स, सिंगापुर, यूएई, बोत्सवाना आदि) में भी 10 जनवरी, 2019 को विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया. कार्पोरेट कार्यालय, मुंबई में यह कार्यक्रम प्रसिद्ध भाषाविद् और रेल मंत्रालय के पूर्व निदेशक डॉ. विजय कुमार मल्होत्रा और महाराष्ट्र हिन्दी अकादमी के कार्यकारी अध्यक्ष श्री शीतला प्रसाद दूबे की गरिमामयी उपस्थिति में मनाया गया. प्रधान कार्यालय, बड़ौदा में भी इस अवसर पर `विश्व के प्रमुख देशों की राजभाषाएं, बहुभाषिकता और हिन्दी' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया. उक्त कार्यक्रमों में सभी उच्च कार्यपालकों सहित कार्यालय के सभी स्टाफ सदस्यों नें सहभागिता की और इन कार्यक्रमों की खबरों का प्रकाशन देश के विभिन्न समाचार पत्रों में हुआ.

कार्पोरेट कार्यालय, मुंबई

प्रधान कार्यालय, बड़ौदा

फीजी

मॉरीशस

बोत्सवाना

न्यूज़ीलैंड

न्यूयार्क

सेशल्स

सिंगापुर

ओमान

यूएई

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

प्रधान कार्यालय, बड़ौदा

मुंबई अंचल

आणंद क्षेत्र

भुवनेश्वर क्षेत्र

चंडीगढ़ क्षेत्र

दिल्ली महानगर क्षेत्र 3

जबलपुर क्षेत्र

जयपुर क्षेत्र

जोधपुर क्षेत्र

मुंबई महानगर दक्षिण क्षेत्र

मुजफ्फरपुर

रायपुर क्षेत्र

राजकोट क्षेत्र

भोपाल अंचल

औरंगाबाद क्षेत्र

भरतपुर क्षेत्र

भीलवाड़ा क्षेत्र

दिल्ली महानगर क्षेत्र 1

इंदौर क्षेत्र

पूर्णिया क्षेत्र

करनाल क्षेत्र

कोटा क्षेत्र

मुंबई महानगर मध्य क्षेत्र

नागपुर क्षेत्र

पटना क्षेत्र

पुणे क्षेत्र

अहमदाबाद क्षेत्र

अजमेर क्षेत्र

नई दिल्ली अंचल

पदोन्नतियां

महाप्रबंधक

हम जनवरी - जून, 2019 के दौरान पदोन्नत हुए महाप्रबंधकों/उप महाप्रबंधकों को बॉबमैत्री की ओर से हार्दिक बधाई देते हैं और इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं. - संपादक

हार्दिक अभिनंदन!

श्री जयदीप दत्ता राय
कार्पोरेट कार्यालय, मुंबई

श्री एन वेणुगोपाल
कार्पोरेट कार्यालय, मुंबई

श्री वीरेन्द्र कुमार सेठी
कार्पोरेट कार्यालय, मुंबई

श्री रमेश चन्द्र गग्गड़
बड़ौदा राजस्थान ग्रामीण बैंक

श्री पियूष नाग
क्षेत्रीय कार्यालय, बीकानेर (सेवानिवृत्त)

श्री वेणुगोपाल मेनन
कार्पोरेट कार्यालय, मुंबई

श्री अशोक कुमार डंगायच
क्षेत्रीय कार्यालय, उदयपुर

श्री नित्यानंद बेहरा
अंचल कार्यालय, पटना

श्री अमर नाथ गुप्ता
कार्पोरेट कार्यालय, मुंबई

श्री बालासुब्रमनियम इलंगो
प्रमुख-आईबी, यूएसए

श्री ए ए तोमाचन
क्षेत्रीय कार्यालय, कोयम्बतूर (सेवानिवृत्त)

श्री द्वारिका प्रसाद गुप्ता
बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक, रायबरेली

श्री उमेश चन्द्र महापात्र
क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता

श्री देविन्द्र पाल ग्रोवर
अंचल कार्यालय, नई दिल्ली

श्री एम कृष्णमचारी
प्रमुख-आईबी, अफ्रीका

श्री जी चिन्नासामी
कार्पोरेट कार्यालय, मुंबई

उप महाप्रबंधक

श्री संजय कुमार तिवारी
कार्पोरेट कार्यालय, मुंबई

श्री धीरेन एम ललाई
कार्पोरेट कार्यालय, मुंबई

श्री राम बाबू लाल गुप्ता
प्रधान कार्यालय, बड़ौदा

सुश्री ज्योति के पटेल
बड़ौदा जिला क्षेत्र, बड़ौदा

श्री हरीश चन्द
अंचल कार्यालय, पुणे

श्री राकेश कुमार शर्मा
अंचल कार्यालय, जयपुर

श्री राजकुमार मीणा
क्षेत्रीय कार्यालय, कोटा

श्री विनय कुमार एस राठी
कार्पोरेट कार्यालय, मुंबई

श्री सुशील कुमार लाल
कार्पोरेट कार्यालय, मुंबई

श्री राजेश खन्ना
अंचल कार्यालय, नई दिल्ली

श्री बिपिन चन्द्र खन्ना
प्रधान कार्यालय, बड़ौदा

श्री हरबीर सिंह सागर
विजयवाड़ा मुख्य,
विजयवाड़ा

श्री एम जियाद रहमान
अंचल कार्यालय, एर्णाकुलम

सुश्री मंजुला देवी जी
कार्पोरेट कार्यालय, मुंबई

श्री टी एन सुरेश
आईबीबी, चेन्नै

श्री राजेश कुमार
क्षेत्रीय कार्यालय,
अहमदाबाद-I

श्री सुमित कुमार मजूमदार
विशेष ट्रेजरी, मुंबई

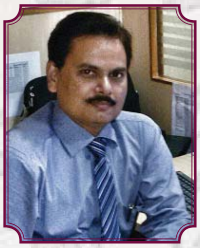

श्री मुकुल कुमार पाण्डेय
कार्पोरेट कार्यालय, मुंबई

सुश्री कविता सिंह
सिडनी शाखा, आस्ट्रेलिया

श्री शशि जयकिशोर धर
आईएफएससी बैंकिंग
यूनिट, गांधीनगर

श्री राजकुमार गोयल
क्षेत्रीय कार्यालय, भरुच

श्री योगेश कुमार अग्रवाल
अंचल कार्यालय, जयपुर

श्री सुधांशु शेखर खमारी
सुवा, फीजी

श्री महावीर एन गुप्ता
आबूधाबी, यूएई

श्री अमूल्य कुमार
क्षेत्रीय कार्यालय, पणजी

श्री अश्वनी के शर्मा
आईबीबी शाखा, नई दिल्ली

श्री सुनिल कुमार सिन्हा
जीएम-सीसी कार्यालय,
बेंगलुरू

श्री विनोद कुमार कोठारी
क्षेत्रीय कार्यालय, सूरत
जिला क्षेत्र

श्री रवि गोयल
क्षेत्रीय कार्यालय,
आगरा

श्री शिब पद नायक
सराकारी कारोबार
विभाग, नई दिल्ली

श्री बिजय कुमार झा
अंचल कार्यालय, मुंबई

HIGHLIGHTS OF BANK'S FINANCIAL RESULTS FOR Q4 FY 2019 AND FY (APR-MAR 2019)

The Bank announced its financial results for the Quarter and Year ended on March 31, 2019 following the approval of its Board of Directors. The results were announced by MD&CEO Shri P S Jayakumar and Executive Directors Smt. Papia Sengupta, Shri S L Jain and Shri Vikramaditya Singh Khichi on 22nd May, 2019. During the Media Meet and meeting with Analysts, our top management elaborates presentation highlighting performance of the Bank on various parameters. Highlights of the results are presented below : Editor

BUSINESS

- Domestic CASA deposits registered a growth of 8.36 % Y-o-Y. CASA deposits to Total Domestic Deposits at 40.23% versus 41.18% as on March 31, 2018.
- Domestic Deposits stood at INR 5,17,966 crore as on March 31, 2019 up by 11.91% from INR 4,66,974 crore as on March 31, 2018.
- Domestic advances grew by 14.17% to INR 3, 70,185 crore as on March 31, 2019 from INR 3, 24,239 crore as on March 31, 2018. The increase was led by retail loans which grew by 24.18%.
- Contribution of Bank's International Business at the end of March 31, 2019 was 19.81% compared with 19.87% as of December 31, 2018 due to effect of rationalisation of overseas operations setting in.
- Modified duration of AFS investments and total investment as on March 31, 2019 is 0.89 and 3.47.
- The Bank's Total Business stood at INR 11,07,509 crore as on March 31, 2019 up by 8.71% from INR 10,18,747 crore as on March 31, 2018.

OPERATING PERFORMANCE

- The Operating Profit stood at INR 3,861 crore as against INR 3,539 crore in the previous quarter. For the financial year 2019, Operating profit increased by 12.34% due to 22.70% increase in Net Interest Income at INR 18,480 crore. Customer fee income increased by 6.08% to INR 3,837 crore.
- Net Interest Income (NII) increased to INR 4,863 crore. Adjusting for IT refund of INR 204 crore in March 2019, NII increased by 25.73%. Domestic core fee income increased by 10.41% Y-o-Y to INR 955 crore. Operating income (NII + Other income) increased by 23.50% Y-o-Y to INR 7,037 crore.
- Net Interest Margin (NIM) improved to 2.90% in March 2019 from 2.69% in December 2018. NIM of domestic operations (adj. for IT refund) increased to 2.98% from 2.80% in December 2018.
- Bank posted loss of INR 991 crore for the quarter ending March 31, 2019 on account of accelerated specific provisions on NPLs at INR 5,550 crore from INR 3,416 crore in the previous quarter. For the whole year, standalone and consolidated profit stood at INR 433 crore and INR 1,100 crore respectively.

ASSET QUALITY

- Fresh slippage for the quarter and the financial year was at INR 3,192 crore and INR 10,138 crore respectively.
- Provision for NPAs was at INR 5,550 crore for the quarter. However, Credit cost for the financial year 2019 declined to 2.43% from 3.48% in 2018.
- Gross NPA (GNPA) was INR 48,233 crore as on March 31, 2019 compared to INR 53,184 crore as on December 31, 2018. GNPA ratio declined to 9.61% from 11.01% as on December 31, 2018.
- Net NPA ratio declined to 3.33% as on March 31, 2019 from 4.26% as on December 31, 2018. Absolute amount of Net NPA also declined by INR 3,521 crore from INR 19,130 crore as on December 31, 2018.
- Exposure in accounts under NCLT 1 list was INR 3,908 crore and NCLT 2 list was INR 3,831 crore as on March 31, 2019.
- Provision coverage under NCLT 1 and NCLT 2 list was 95.63% and 84.11% respectively.

CAPITAL ADEQUACY

Capital Adequacy Ratio of the Bank stood at 13.42% and CET-1 at 10.38% versus 11.67% and 8.65% in December 31, 2018. Consolidated CET-1 and Capital Adequacy Ratios improved in March 2019 at 11.60% (9.74% in December 2018) and 14.52% (12.62% in December 2018) respectively.

कार्पोरेट एल्बम
Corporate Album

बैंक के गैर कार्यपालक अध्यक्ष डॉ. हसमुख अढ़िया का अहमदाबाद अंचल का दौरा

दिनांक 11.03.2019 को बैंक के गैर कार्यपालक अध्यक्ष डॉ. हसमुख अढ़िया ने अंचल कार्यालय, अहमदाबाद का दौरा किया. इस अवसर पर हमारे प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी श्री पी एस जयकुमार भी उपस्थित थे. महाप्रबन्धक व अंचल प्रमुख श्री के वी तुलसीबागवाले ने अतिथियों का स्वागत किया. इस अवसर पर बैंक के संस्थापक महाराजा सर सयाजीराव गायकवाड़ के फोटो पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्ज्वलित किया गया.

The Bank partners with IIT Bombay to set up Innovation Centre

On 23,01.2019, Bank announced collaboration with IIT Bombay for establishing IIT Bombay - Bank of Baroda Innovation Centre at IIT, Mumbai campus. The focus areas of the Centre includes FinTech, Open Banking, AR/VR, Robotics, IoT, Cyber Security, Robo - Advisory, Big Data, AI/NLP/ML/Data Science, Block Chain, Cloud Computing and Next Gen Financial Hardware Devices. The MoU was signed between our MD & CEO Shri P. S. Jayakumar and Director, IIT Bombay Dr. Devang Khakhar during the Entrepreneurship Summit in the presence of other top officials from the Bank and IIT, Bombay.

Bank bags two awards under Atal Pension Yojana Awards 2018-19

Our Bank was felicitated with two awards under Atal Pension Yojana 2018-19 in the categories of Leadership Capital and Out Performers on 30.01.2019 at New Delhi. Shri Rajiv Kumar, Secretary, Department of Financial Services, in the presence of Shri Hemant G. Contractor, Chairman, PFRDA and Shri Supratim Bandopadhyay, WTMM (Finance), PFRDA, presented the award for Leadership Capital to Shri G.B. Panda, General Manager (Govt Relationship) on behalf of our MD & CEO Shri P.S. Jayakumar. Asst. Gen. Manager (Government Business), Shri Suresh Gajendran received the Out Performers'' Nodal Officer Award for FY 2018-19.

शिखर की ओर ....

कोलाज प्रस्तुति : श्री गौरांग मोहन दास, मुख्य प्रबंधक (सिविल इंजी.) सुविधा प्रबंधन विभाग, बी.सी.सी, मुंबई